ईश्वर में हमारा विश्वास

राष्ट्रीय नवीन मेल

सत्यमेव जयते

डालटनगंज (मेदिनीनगर) एवं रांची से एक साथ प्रकाशित

www.rastriyanaveenmail.com • डालटनगंज • वैशाख शुक्ल पक्ष 04 • विक्रम संवत 2080 • सोमवार, 24 अप्रैल 2023 • वर्ष-29 • अंक-188 • पृष्ठ-12 • मूल्य ₹ 2.00

मनोज बाजपेयी ने अपने जन्मदिन पर की ... पेज 10 पर

NEWS इन ब्रीफ

झारखंड में गर्मी से 26 अप्रैल तक बनी रहेगी राहत

रांची। राजधानी रांची सहित पूरे झारखंड में हुई बारिश से मौसम सुहाना हो गया है। लोगों को भीषण गर्मी से राहत मिली है। मौसम विभाग ने राज्य के कुछ स्थानों पर गर्जन के साथ वर्षा होने की अशांका जतायी गयी है। रांची के मौसम वैज्ञानिक अभिषेक आनंद ने बताया कि रविवार शाम को तीन घंटे तक हजारीबाग, बोकारो, धनबाद, गिरिडीह, रामगढ़ जिले के कुछ भागों में हल्के से मध्यम दर्जे की मेघ गर्जन तथा वज्रपात के साथ बारिश होने की संभावना है। इस दौरान कुछ स्थानों पर तेज हवा चलने की संभावना है। इसे लेकर विभाग की ओर से येलो अलर्ट जारी किया गया है। रांची सहित राज्यभर में 26 अप्रैल तक बारिश होने का पूवार्नुमान है। वहीं, दूसरी ओर 24 और 25 अप्रैल को राज्य के उत्तर-पश्चिमी, दक्षिणी (पलामू, गढ़वा, चतरा, कोडरमा ,रामगढ़, सरायकेला खरसावाँ, लातेहार, लोहरदगा) तथा निकटवर्ती मध्य भागों (रांची, बोकारो, गुमला, हजारीबाग) में कहीं-कहीं गर्जन के साथ हल्की वर्षा हो सकती है।

अमृतपाल सिंह गिरफ्तार, डिब्रूगढ़ जेल में शिफ्ट

एजेंसी। मोगा/डिब्रूगढ़
खालिस्तान समर्थक अमृतपाल सिंह ने पंजाब पुलिस के सामने सरेंडर कर दिया है। उसे गिरफ्तार कर डिब्रूगढ़ जेल में शिफ्ट किया गया है। वह कई दिनों से फरार चल रहा था। 37 दिन बाद खालिस्तानी समर्थक नेता ने पंजाब की मोगा पुलिस के सामने रविवार को सरेंडर किया। उस पर हत्या समेत कई केस दर्ज हैं और एनएसए भी लगा है। पुलिस के एक वरिष्ठ अधिकारी ने कहाः पंजाब पुलिस ने अमृतपाल को गिरफ्तार कर लिया है। उस पर रासुका लगा हुआ है। पुलिस ने 18 मार्च को अमृतपाल सिंह तथा उसके संगठन वारिस पंजाब दे के सदस्यों के खिलाफ बड़ी कार्रवाई शुरू की थी, जिसके बाद से वह फरार था। असम के डिब्रूगढ़ में देश की तमाम सुरक्षा एजेंसियां बारी-बारी से अब अमृतपाल से पूछताछ करेंगी।

चुनाव प्रचार के लिए चार दिन के लिए बेंगलुरु जाएंगे दीपक प्रकाश

नवीन मेल संवाददाता। रांची
भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय नेतृत्व के निर्देश पर भाजपा प्रदेश अध्यक्ष और सांसद दीपक प्रकाश कर्नाटक विधानसभा चुनाव में प्रचार के लिए चार दिन के 24 अप्रैल को बेंगलुरु जाएंगे। यह जानकारी रविवार को प्रदेश मीडिया प्रभारी शिवपूजन पाठक ने दी। उन्होंने बताया कि प्रदेश अध्यक्ष 24, 25, 26 और 27 अप्रैल को कर्नाटक विधानसभा चुनाव में पार्टी के विभिन्न प्रचार कार्यक्रमों में शामिल होंगे।

सांसद, विधायक व मेहर ने संयुक्त रूप से किया मरीन ड्राइव का उद्घाटन

नवीन मेल संवाददाता
मेदिनीनगर। शहर के लोगों को मेयर अरुणा शंकर ने मरीन ड्राइव का निर्माण करवाने के बाद आज उसे जनता को सौंप दिया है। रविवार की शाम मरीन ड्राइव का विधिवत उद्घाटन किया गया। मरीन ड्राइव का उद्घाटन सांसद विष्णु दयाल राम, विधायक आलोक चौरसिया, मेयर अरुणा संकर, डिप्टी मेयर मंगल सिंह, सदर एसडीओ राजेश कुमार साह ने संयुक्त रूप से दीप प्रज्वलित कर किया। उद्घाटन के दौरान भक्ति गीत कार्यक्रम का भी आयोजन किया गया था। कार्यक्रम के शुभारंभ में महान पंडितों के द्वारा गंगा आरती का आयोजन किया गया। गंगा आरती में हजारों की संख्या में श्रद्धालु शामिल थे। मरीन ड्राइव उद्घाटन के दौरान दिल्ली मुंबई से आए कलाकारों के द्वारा कार्यक्रम का आयोजन किया गया था। कार्यक्रम में आए कलाकारों के द्वारा

एक से बढ़कर एक गीत प्रस्तुत किए गए। इस कार्यक्रम को देखने के लिए कोयल नदी तट पर हजारों की संख्या में लोगों की भीड़ उमड़ी हुई थी। भीड़ को देखते हुए भारी संख्या में पुलिस बलों की तैनाती की गई थी। ताकि लोगों को सुरक्षा में किसी भी तरह की असुविधा ना हो। मौके पर उपस्थित करुणा शंकर ने कहा कि जब से मैं मेयर का पदभार संभाली हूं। तब से शहर में साफ सफाई के साथ साथ शहर के अन्य जगहों पर पार्क का निर्माण कराया गया है। इसके अलावा शहर के तालाबों में जहां गंदगी से लोग

कोयल रिवर फ्रंट में पैसा किसका लगा, खुलासा होना जरूरी : आजसू

नवीन मेल संवाददाता। मेदिनीनगर
आल झारखंड स्टूडेंट यूनियन (आजसू) के केंद्रीय सचिव सतीश कुमार ने कहा कि कोयल रिवर फ्रंट का उद्घाटन रविवार को कर दिया गया है। इस निर्माण में कोई एक समुदाय का पैसा लगा है या निजी फंड से निर्माण किया गया है। इसका खुलासा होना जरूरी है। आजसू के केंद्रीय सचिव सतीश कुमार ने कहा कि गांधी मैदान पार्क का निर्माण निगम से कराया गया है। यह अच्छी बात है, मगर गरीबों के पहुंच से बाहर है। क्या निगम का टैक्स गरीब लोग नही दे रहे हैं। तो फिर टिकट

क्यों लिया जा रहा है। आसपास के बड़ी आबादी सुबह शाम टहलने के लिए महिला पुरुष बच्चे व बुजुर्ग जाते हैं तो किराया क्यों वसूला जाएगा। सतीश ने कहा कि साहित्य समाज चौक, जिसका शिलान्यास 10-15 वर्ष पूर्व स्व रामकुमार सिंह, स्व मंगल किशोर छोटू व तारकेश्वर आजाद सरीखे लोग ने तत्कालीन गृहमंत्री सुबोधकांत सहाय से जय प्रकाश चौक का शिलान्यास कराया था। अब उक्त चौक का नामकरण बदला जा रहा है। ऐसा ही घटना बैरिया चौक पर से बाबू जगदेव प्रसाद का प्रतिमा हटाने की साजिश की गयी थी। मगर आन्दोलन के दबाव में निगम ने अपना निर्णय बदल दिया।

जाने से परहेज करते थे। वहां भी निगम के द्वारा सुंदर पार्क का निर्माण करा दिया गया है। उन्होंने कहा कि शहर को और भी बेहतर बनाने के लिए वे दिन-रात जुट गए हैं। उन्होंने कहा कि अब शहर की तस्वीर बदल रही है।

सड़क निर्माण में पोकलेन आगजनी का मामला

तीन पीएलएफआई उग्रवादी गिरफ्तार

नवीन मेल संवाददाता
सिमडेगा। सिमडेगा के कोलेबिरा पुलिस ने बड़ी सफलता हासिल करते हुए 16 अप्रैल को सड़क निर्माण कार्य मे लगे पोकलेन को आंग के हवाले करने मामले में 3 पीएलएफआई उग्रवादियों को गिरफ्तार करने ने सफलता हासिल की है। इस संबंध में रविवार को एसपी सौरभ ने प्रेस कांफ्रेंस करते हुए बताया कि कोलेबिरा थानान्तर्गत पीएलएफआई के विकास टाईगर के द्वारा विकास

कार्य में लगे पोकलेन पर आगजनी की घटना को अंजाम दिया गया था। घटनास्थल पर उग्रवादियों द्वारा एक पर्चा भी छोड़ा गया था। इस संदर्भ में कोलेबिरा थाना में विकास टाईगर एवं उसके अन्य सहयोगियों के विरूद्ध मामला दर्ज किया गया। घटना के सम्बंध में त्वरित कार्रवाई करते हुए पीएलएफआई के विकास टाईगर उर्फ श्याम टाईगर उर्फ नितीश गोप एवं उसके अन्य दो सहयोगियों को गिरफ्तार किया ।गिरफ्तार अभियुक्तों ने पीएलएफआई के अशोक गोप के आदेश पर घटना को अंजाम देने एवं इस कांड में अपनी संलिप्ता स्वीकार करने ▸▸शेष पृष्ठ 11 पर

चेशायर होम रोड में एक नहीं, दस एकड़ जमीन बिकी

शिकायतकर्ता खुद बना था बिक्री का गवाह

रांची, मुख्य संवाददाता। रांची में चेशायर होम रोड में जिस जमीन को लेकर ईडी जांच कर रही है, उस जमीन के उसी खाते व प्लाट के बाकि नौ एकड़ जमीन की डील पूर्व में हो चुकी है। सदर थाने में शिकायतकर्ता रहा उमेश गोप ही इस मामले में जमीन की बिक्री का गवाह भी रहा है। दरअसल उमेश गोप ने शिकायत की थी कि चेशायर होम रोड के प्लाट नंबर 28 व खाता संख्या 37 की एक एकड़ जमीन की 1948 की डीड से छेड़छाड़ कर जबरन कब्जा कर लिया गया है। जांच में यह बात सामने आयी है कि इसी प्लाट नंबर व खाता की जमीन की नौ एकड़ जमीन की पूर्व में बिक्री हो चुकी है। इस पूरी जमीन पर आलीशान मकान बन चुका है।

जानिए किसके नाम से है जमीन : जमीन के बारे में जानकारी मिली है कि यह आरएस खाता 1935 में यह जमीन जगदीश महतो, चंदन महतो, भोलो महतो सभी पुत्र हुवान महतो , कौम- अहीर के नाम पर कायमी दर्ज है। इसी जमीन के 3.52 एकड़ हिस्से की एक डीड 25 अक्तूबर 1940 की है। जब यह जमीन मेसर्स रांची जमींदारी लिमिटेड कोलकाता ने खरीदी है। इस डीड की संख्या 4449 है। कागजातों के मुताबिक, इस जमीन को बाद में रांची जमींदारी लिमिटेड कोलकाता ने 7 दिसंबर 1945 को तुलसीदास कनौजिया को बेच दी। तुलसीदास कनौजिया के द्वारा इस जमीन के 30 डिसमिल की पॉवर आफ अटार्नी बालकिशन को दी गई थी। जिसके बाद यह जमीन ताराचंद बिजौरिया ने ली थी। साल 2018 में इस जमीन की रजिस्ट्री रांची के एक चर्चित बिल्डर को की गई। तब विक्रताओं- क्रेताओं की रजिस्ट्री में उमेश गोप, पिता- जिरका गोप, शाहिद कमाल, राजीव कुमार राय, रमाकांत आनंद गवाह बने।

गवाह बने व्यक्ति ने सदर थाने में किया केस : इसी खाता व प्लाट संख्या की एक एकड़ जमीन पर अपना दावा बताते हुए उमेश गोप, पिता जिरका गोप ने सदर थाने में केस दर्ज कराया है। उमेश गोप का आरोप है कि एक एकड़ जमीन की 1948 में फर्जी कागजात बनाकर जबरन कब्जा कराया गया। उमेश की शिकायत पर ही ईडी इस मामले में मनी लाउंड्रिंग के पहलुओं पर जांच कर रही है।

चेशायर होम रोड में एक ही खाते में थे 10 एकड़ जमीन

एक एकड़ जमीन को लेकर ईडी कर रही जांच

केस को पुनः अनुसंधान करने का आवेदन कोर्ट में देगी पुलिस : सदर पुलिस ने जांच के क्रम में उमेश गोप के बयान पर दर्ज केस को दीवानी मानते हुए बंद करने का अनुरोध कोर्ट में किया था। जिसके बाद उमेश गोप को इस मामले में कोर्ट में पक्ष रखना था। लेकिन ईडी की जांच में आए नए तथ्यों के आधार पर रांची पुलिस इस मामले की फिर से अनुसंधान करेगी।

15 मिनट तक भालू से लड़ता रहा जवान

नवीन मेल संवाददाता। बेतला (लातेहार)
पलामू टाइगर रिजर्व के महुआडांड़ प्रक्षेत्र में महुआ चुने रहे आईआरबी के रिटायर्ड जवान संदीप टोप्पो पर एक भालू ने हमला कर दिया। इस घटना में वह गंभीर रूप से घायल हो गया। 15 मिनट तक उस भालू से जान बचाने के लिए संघर्ष करता रहा। इधर, बेहतर इलाज के लिए घायल जवान को रिम्स रेफर कर दिया गया है। सूत्रों ने बताया कि रविवार की सुबह संदीप केवरकी के मोहराम में महुआ चुन रहा था। इस बीच एक भालू वहां पहुंच गया और उस पर टूट पड़ा। संदीप साहस का परिचय देते हुए जंगली भालू से भिड़ गया। इस बीच भालू ने उसकी एक आंख के पास नोंच लिया जिससे वह गंभीर रूप से घायल हो गया। घायल रिटायर्ड जवान को बेहतर इलाज के रिम्स रेफर कर दिया गया है। इस संबंध में डिप्टी डायरेक्टर कुमार आशीष ने बताया कि घायल संदीप की बहादुरी की जानकारी मिली। उन्होंने हर संभव सहयोग का आश्वासन दिया। इधर, घायल

कुश्ती संघ और पहलवानों के बीच फिर ठनी

एजेंसी। नई दिल्ली
कुश्ती संघ और पहलवानों के बीच एक बार फिर ठन गई है। ढाई महीने पहले पहलवानों (बजरंग पूनिया, विनेश फौगाट और साक्षी मलिक) ने रेसलिंग फेडरेशन ऑफ इंडिया के अध्यक्ष ब्रजभूषण पर संगीन आरोप लगाए थे। रविवार को एक बार फिर पहलवानों ने अपने उन्हीं आरोपों को दोहराया है। इसके साथ ही जंतर-मंतर से धरने का ऐलान भी किया है। शाम चार बजे हुई प्रेस कॉन्फ्रेंस में विनेश फोगाट, साक्षी और बजरंग पूनिया के साथ बैठे पहलवानों ने कुश्ती फेडरेशन के खिलाफ हुंकार भरी और ऐलान किया कि जब तक न्याय नहीं मिल जाता, वह जंतर-मंतर पर ही रहेंगे।

सत्ता संरक्षण में जमीन कब्जे का आरोप

जमीन कब्जाने के लिए सीनियर अफसर एक साथ लेते थे छुट्टी

बाबूलाल मरांडी बोले बिस्तार से मामला समझने के बाद आए चौकानें वाले तथ्य

रांची, मुख्य संवाददाता। पूर्व मुख्यमंत्री बाबूलाल मरांडी ने रांची जमीन घोटाले को लेकर सनसनीखेज आरोप लगाए हैं। रविवार को बाबूलाल मरांडी ने प्रेस बयान जारी कर कहा कि हेमंत राज में रांची में हुए जमीन महाघोटाले के बारे में कई लोगों से बातचीत कर हमने इस गोरखधंधे के बारे में विस्तार से समझने का प्रयास किया

है। इस दौरान इस बात का खुलासा हुआ है कि दो तत्कालीन सीनियर पदाधिकारी अवकाश लेकर एक साथ जमीन कब्जे को अंजाम दिलवाते थे। उन्होंने आरोप लगाया कि सत्ता के संरक्षण में दलालों, कुछ धन लोभी प्रशासनिक एवं पुलिस अधिकारियों ने मिलकर भ्रष्टाचार का ऐसा काम किया है जिसकी गूंज लम्बे समय तक सुनायी देगी। इसकी जांच जैसे-जैसे आगे बढ़ेगी वैसे-वैसे कई बड़े सरकारी-गैर सरकारी लुटेरे लाईन लगाकर जेल जाते देखे जायेंगे।

क्या है बाबूलाल का दावा : बाबूलाल मरांडी ने दावा किया कि लोग बताते हैं कि हेमंत सरकार बनने के चंद महीने बाद ही कोविड लॉकडाउन लग गया। सरकारी-गैर सरकारी कामकाज, रोजगार ठप्प पड़ गये। इसी दौरान बेईमानों ने इस अवधि में इजी मनी मेकिंग का सबसे आसान रास्ता जमीन की हेराफेरी को बनाया। रांची में इस गोरखधंधे को अच्छे से चलाने के लिये सर्टिफाइड ▸▸शेष पृष्ठ 11 पर

छवि रंजन से ईडी आज करेगी पूछताछ

रांची। सेना की जमीन घोटाले मामले में सोमवार को ईडी रांची के पूर्व डीसी छवि रंजन से पूछताछ करेगी। इससे पहले आईएएस छवि रंजन को ईडी ने समन भेजकर 21 अप्रैल को ईडी ऑफिस में पेश होने को कहा था। हालांकि वो ईडी के समक्ष पेश नहीं हुए थे। इससे पहले ईडी ने छवि रंजन को दो सप्ताह का समय देने की उनकी याचिका खारिज कर दी थी और इसके बजाय ईडी ने उन्हें शुक्रवार शाम चार बजे पेश होने का निर्देश दिया था। हालांकि छवि रंजन इस समय सीमा का भी पालन करने में विफल रहे थे। सूत्रों का कहना है कि इस बार अगर छवि रंजन पूछताछ के लिए नहीं आते हैं, तो उनकी परेशानी बढ़ सकती है।

दीपक सिंह की प्रदीप तिवारी को दो टूक

पलामू छोड़ दो नहीं तो परिवार का नामोनिशान मिटा देंगे

नवीन मेल संवाददाता। मेदिनीनगर
टनटन उपाध्याय हत्याकांड की कुख्यात अपराधी सरगना सुजीत सिन्हा ने निंदा की है। सुधीर ने टनटन को अपने गैंग का साथी मानने से इनकार किया है। व्हाट्सएप पर आए मैसेज के माध्यम से सुजीत सिन्हा गिरोह से जुड़े दीपक सिंह ने कहा है कि 21 अप्रैल 23 को पलामू में हुए टनटन उपाध्याय की हत्या की हम निंदा करते हैं। टनटन का हमारे गैंग से पिछले 5 सालों से कोई सम्बंध नहीं था। वह मुख्यधारा में जुड़ कर जिंदगी जी रहा था। उसकी हत्या प्रदीप तिवारी ने सिर्फ इसलिए कर दी, क्योंकि उसे शक था कि साल 2021 में प्रदीप के घर पर हुई बमबाजी में टनटन का भी हाथ था, जबकि इस घटना में टनटन

उपाध्याय का दूर दूर तक हाथ नहीं था। दीपक सिंह ने कहा कि सुजीत सिन्हा ने पलामू के कुछ बुद्धिजीवियों, सामाजिक लोगों, जनप्रतिनिधियों और अपने अभिभावक स्वरुप लोगों के अनुरोध पर जिले के अमन चैन के लिए अपने गैंग की गतिविधियां लगभग ▸▸शेष पृष्ठ 11 पर

कार्यक्रम

पीएम मोदी 30 को शुरू करेंगे मेगा चुनाव प्रचार इवेंट अभियान

10 करोड़ लोग सुनेंगे मन की बात

3 लाख गांवों में 10 करोड़ लोगों को 'मन की बात' सुनाने की है योजना

-कृष्णमोहन सिंह
नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेन्द्र दामोदर दास मोदी के 'मन की बात' का रेडियो पर मासिक प्रसारण का 100 वां एपिसोड 30 अप्रैल 2023 को प्रसारित होगा। मोदी के मन की बात के इस एक सौवें एपिसोड को अगले माह 10 मई को होने वाले कर्नाटक विधानसभा चुनाव, उप्र नगर निकाय चुनाव सहित एक साल बाद होने वाले लोकसभा चुनाव के प्रचार अभियान के लिए अभी से मेगा प्रचार इवेंट के शुरू होने के तौर पर देखा जा रहा है। जिसके लिए देश भर के भाजपा कार्यकर्ताओं, पदाधिकारियों, विधायकों, सांसदों को जिम्मेदारी दे दी गई है। इंतजाम इस तरह का हो रहा है कि कर्नाटक में विधान सभा चुनाव का भाजपा का भयंकर प्रचार इवेंट इसी के साथ शुरू होगा। राज्य की सभी 224 विधानसभा सीटों के भाजपा उम्मीदवारों व अन्य नेताओं को सूचित कर दिया गया है कि ज्यादा से ज्यादा जनता को इकट्ठा करके मोदी के मन की बात कार्यक्रम को सुनें। इसके लिए हर विधानसभा में कम से कम 100 जगहों पर, हर जगह कम से कम 100 लोगों को इकट्ठा करके सुनने की व्यवस्था करने को कहा गया है। जैसे ही मोदी के मन की बात कार्यक्रम का प्रसारण खत्म होगा, कर्नाटक में भाजपा अध्यक्ष जेपी नड्डा सहित छह बड़े नेता कर्नाटक के चुनावी क्षेत्रों में चुनावी रैली को

संबोधित करेंगे। इसी तरह से देश के अन्य सभी राज्यों व केंद्र शासित राज्यों में भी हर विधानसभा, लोकसभा क्षेत्र के प्रमुख 100 जगहों पर कार्यकर्ताओं, जनता को जुटाकर मोदी के मन की बात कार्यक्रम प्रसारण को सुनाने की व्यवस्था करने को कहा गया है। इसके लिए भाजपा के सभी सांसदों , विधायकों तथा लोकसभा व विधानसभा सहित अन्य चुनाव लड़ने के इच्छुक व दावेदार भाजपा नेताओं को भी 30 अप्रैल को अपने - अपने क्षेत्र में रहने और आम लोगों के साथ बैठकर मोदी की मन की बात प्रसारण सुनने को कहा गया है। कहा जाता है मोदी की सरकार का कार्यकाल 9 साल पूरे होने के ठीक 1 महीने पहले यह कार्यक्रम हो रहा है, तो इसमें मोदी 9 साल की उपलब्धियां बताएंगे तथा अमृत काल के अगले 25 साल का विजन खाका पेश करेंगे। इस खास अवसर पर मन की बात लिखा हुआ? 100 का सिक्का भी जारी होगा, जो पचास प्रतिशत चांदी का बना होगा। सिक्के पर 'मन की बात 100' तो लिखा ही होगा, माइक्रोफोन भी बना होगा, और उस पर 2023 ▸▸शेष पृष्ठ 11 पर

चार बिहारियों ने घेर रखा है हेमंत सोरेन को

कैसे होगा आदिवासी मूलवासी का विकास : लोबिन

नवीन मेल संवाददाता। रांची
झामुमो विधायक लोबिन हेंब्रम ने कहा है कि हेमंत सोरेन को चार बिहारियों ने घर कर रखा है। जब वह बिहारियों से घिरे हुए हैं तो झारखंड के मूलवासियों-आदिवासियों के लिए काम करने का मौका मिलेगा कैसे। वह खतियान-जमीन बचाओ महाजुटान के मौके पर अपनी बात रख रहे थे। लगातार अपने बयानों से सरकार को असहज करने वाले लोबिन यहीं नहीं रूके। उन्होंने कहाः राज्य में जल-जंगल, जमीन बचाने का नारा देने वाली अपनी ही सरकार है। इसके बाद भी आदिवासियों की जमीन लूटी जा रही है। अगर अपनी सरकार के खिलाफ लड़ना पड़ा, तो लड़ेंगे, मगर हर हाल में लोगों की जमीन वापस कराएंगे। हमारी सरकार अपने किए गए वादों से मुकर रही है। अब माटी मांगे खून उलगुलान होगा। चार बिहारी हेमंत सोरेन को घेरे रखे हैं। झारखंड के आदिवासी मूलवासी कहां जाएंगे। भविष्य में भी आदिवासी दिखेंगे या नहीं दिखेंगे, अब इस पर सवाल उठने लगा है। लोबिन ने कहाः सीएनटी के रहते जमीन लूटी जा रही है। झारखंड बने 23 साल होने चला। कितने लोगों की जमीन लूटी गई। कई पार्टियों की यहां सरकार बनी पर कोई भी जमीन बचाने के लिए आगे नहीं आयी। सीएनटी-एसपीटी की जमीन बाहरी लोग खरीद रहे हैं। एक लाख गरीब आदिवासियों की दखल- दिहानी की जमीन पर हक कौन दिलाएगा। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री के अगल-बगल जितने लोग हैं, वे सब बिहारी हैं। सदन में ▸▸शेष पृष्ठ 11 पर

NEWS इन ब्रीफ

अज्ञात अपराधियों ने युवक को गोली मारकर किया घायल

मेदिनीनगर। छतरपुर में अज्ञात अपराधियों ने युवक को गोली मारकर गंभीर रूप से घायल कर दिया। जानकारी के अनुसार छतरपुर प्रखंड के सिलदाग में अपग्रेडेड उच्च विद्यालय फोर लेन के पास ग्राम तुकतुका निवासी मिथलेश यादव खड़ा था इतने में बाइक सवार अपराधियों ने गोली मार कर फरार हो गए। घटना के अंजाम देने के बाद जब तक कोई कुछ समझ पाता अपराधियों ने लोगों को ऐसे चकमा देकर फरार हो गए कि किसी को कुछ समझ नहीं आया। इसकी सूचना मिलते ही छतरपुर पुलिस घटना स्थल पर पहुंच गई एवं मामले की तहकीकात में जुट गए। इस घटना को लेकर पास पड़ोस के लोग काफी आक्रोशित नजर आए। आक्रोशित लोगों ने पुलिस गाड़ी की भी तोड़फोड़ किया।आक्रोशित ग्रामीणों ने सड़क जाम कर दिया जिससे कारण घटनास्थल के दोनों और सैकड़ों की संख्या में वाहन फंसे हुए हैं।

बच्चा चोर जैसी अफवाहों पर ध्यान न दें

उंटारी। रोड में बच्चा चोर की अफवाहों को लेकर उंटारी रोड थाना प्रभारी अशोक कुमार महतो ने थाना क्षेत्र के जोगा, करकटा, डेवडर, बिंदुआ, मुरमाखुर्द, रहन बिगहा, लाहरबंजारी, सहित सभी गाँवों मे घूम, घूम कर लोगों को जागरूक किया और बच्चा चोर जैसी अफवाहों पर ध्यान नहीं देने सहित संदिग्ध व्यक्ति की सूचना थाना को देने की अपील की। उन्होंने कहा कि संदिग्ध के साथ मारपीट या, मॉब लिंचिंग करना कनुनन अपराध है ऐसे मामलों में कठोर कानूनी करवाई की जायेगी। इसलिए अफवाहों से बचे और कानून हाथ में नही लें।

कुएं में गिरा जंगली नीलगाय का बच्चा

विश्रामपुर। विश्रामपुर नगर परिषद अंतर्गत पंचघड़ा के एक कूएं में जंगली नील गाय का बच्चा गिर जाने से गांव में हलचल का माहौल बन गया।वहीं स्थानीय युवकों को जब इसकी जानकारी हुई तो रस्सी के सहारे कुआं में जाकर कड़ी मस्कत के बाद किसी तरह नीलगाय के बच्चे को युवकों ने निकला।वहीं स्थानीय लोगों कि माने तो क्षेत्र ने इन दिनों गर्मी अपनी चरम सीमा पार कर रही है। जल स्त्रोत्र पूरी तरह सुख चुके है। ऐसे में ये जंगली जीव आखिर अपनी प्यास बुझाने जाएं तो जाएं। काफी मस्कत के बाद उसे कुएं से बाहर निकाल कर पुनः जंगल में छोड़ दिया गया है।

कवि सम्मेलन सह सेमिनार का आयोजन

नावा बजार (पलामू)। तोलरा गांव स्थित रामानुज उच्च विद्यालय के प्रांगण में कवि सम्मेलन सह सेमिनार का आयोजन किया गया। जिसका उद्घाटन झारखंड पत्रकार संगठन के केंद्रीय अध्यक्ष अवधेश शुक्ला, नीलकमल शुक्ला, भाजपा प्रदेश कार्यसमिति सदस्य ईश्वर सागर चंद्रवंशी, भाजपा नेता अलखनाथ पांडेय, भाजपा जिला उपाध्यक्ष रामचंद्र यादव, बसपा प्रदेश अध्यक्ष राजन मेहता, बसपा नेता अभिमन्यु सिंह, राजद नेता पप्पू सिंह, कांग्रेसी नेता अमृत शुक्ला, विधायक प्रतिनिधि राजन पांडेय, प्रमुख रंभा देवी, मुखिया रोहित तिवारी, मुखिया धर्मेन्द्र चौधरी, सेठ चौबे आदि ने संयुक्त रुप से फीता काटकर किया।

कॉलेज की छात्रा ने पलामू प्रमंडल में प्रथम स्थान किया प्राप्त

नवीन मेल संवाददाता

मेदिनीनगर। झारखंड एकेडमिक काउंसिल द्वारा दिनांक 22- 4- 2023 को प्राथमिक शिक्षक शिक्षा (डीएलएड) की सत्र 2020-22 का परीक्षा परिणाम को घोषित कर दिया गया है। इस परीक्षा परिणाम में पलामू प्रमंडल में एलिट पब्लिक बीएड कॉलेज की डीएलएड की छात्रा अर्चिता ने 1214 अंक प्राप्त कर पूरे पलामू प्रमंडल में प्रथम स्थान प्राप्त किया है वही कॉलेज की छात्रा पूनम कुमारी ने 1205 अंक प्राप्त कर प्रमंडल में द्वितीय स्थान प्राप्त किया है। इस परीक्षा परिणाम पर कालेज के चेयरमैन डॉक्टर आरपी सिन्हा ने कहा की 'छात्रों की मेहनत

एवं शिक्षकों के अच्छे प्रयास से यह परिणाम प्राप्त करने में छात्र सफल रहे हैं'। उन्होंने उनके उज्जवल भविष्य की शुभकामनाएं दी। महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ जगदंबा सिंह ने कहा कि 'विगत वर्ष की तरह इस वर्ष भी छात्रों के परीक्षा परिणाम दशार्ता है कि महाविद्यालय में नियमित अध्ययनरत छात्र ही सर्वोच्च अंक प्राप्त करने में सफल रहे हैं। लगातार तीन वर्षो से महाविद्यालय प्रमंडल में प्रथम स्थान प्राप्त करने में सफल हो रहा है। इस परिणाम को सतत बनाए रखने में शिक्षकों एवं छात्रों की मेहनत प्रमुख रही है। इस परीक्षा परिणाम पर महाविद्यालय के सभी शिक्षक बहुत ही खुश हैं।

तीन मुहल्ले में पेयजल संकट गहराया

नवीन मेल संवाददाता

हुसैनाबाद। नगर पंचायत क्षेत्र के चिकटोली, माली मुहल्ला और मकबरा रोड में पाइप लाइन नहीं बिछायी गयी है। जिसके कारण उक्त तीनों मुहल्ले में पेयजल संकट गहराने लगा है। 20 सूत्री उपाध्यक्ष जिशान हसन ने बताया कि इस मुहल्ले के लोग निजी घरों से पानी का जुगाड़ कर प्यास बूझाते है। हड़बड़ी नदी भी सूख गयी है। पेयजल विभाग द्वारा न हैंड पंप लगाया गया है। और ना ही चापानल ही लगाया गया है। जिससे मुहल्ले के लोगों को पीने

के पानी के लिए जूझना पड़ता हैं। उन्होंने बताया कि इस संबंध में नगर पंचायत कार्यालय में सूचना दी गई है। इसी सूचना पर टैंकर से जलापूर्ति की जा रही है। उन्होंने उक्त मुहल्लों में टैंकर से प्रतिदिन जलापूर्ति करने की मांग की।

धूमधाम से मनी वीर कुंवर सिंह की जयंती

वीर कुंवर सिंह स्वतंत्रता संग्राम के सिपाही व महानायक थे

नवीन मेल संवाददाता

हुसैनाबाद। पलामू जिले के हुसैनाबाद में बाबू कुंवर सिंह जयंती सह विजयोत्सव कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस अवसर पर अनुमंडल कार्यालय परिसर स्थित बाबू बीर कुँवर सिंह की आदमकद प्रतिमा पर माल्यार्पण किया गया। माल्यार्पण के बाद लोगों ने वीर कुंवर सिंह अमर रहें का नारा लगाते हुए उनके पदचिन्हों पर चलने का संकल्प लिया। मौके पर वक्ताओं ने कहा कि वीर कुंवर सिंह स्वतंत्रता संग्राम के सिपाही व महानायक थे। वे अन्याय के विरोधी व स्वतंत्रता प्रेमी के साथ-साथ कुशल सेना नायक थे। आज के युवाओं को उनके जीवन को प्रेरणा लेने की जरूरत है। इस मौके पर मुख्य रूप से कर्नल संजय कुमार सिंह, श्रीराम सिंह, बालकेश्वर सिंह, रामप्रवेश सिंह, हीरा सिंह, संजय सिंह, डीके सिंह,उमेश सिंह, उदय सिंह, राजीव सिंह उर्फ डबल सिंह, बच्चा सिंह, भानु सिंह, नीरज, रविरंजन सिंह, जगनारायण बैठा,मुकेश सिंह, सुधीर सिंह, कर्नल संजय सिंह समेत कई लोग मौजूद थे।

वहीं छतरपुर अनुमंडल मुख्यालय के नगर पंचायत डाकबंगला कोयल क्यूमनीटी हॉल परिसर में भी रविवार को स्वतंत्रता संग्राम के महान योद्धा बाबू वीर कुंवर सिंह की विजय जयंती सह विजयोत्सव श्रद्धापूर्वक मनाया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में क्षत्रिय जागृति मंच के संस्थापक प्रेमतोष कुमार सिंह उर्फ गुड्डू सिंह व नौडीहा पंचायत के मुखिया हरेंद्र सिंह थे। उन्होने वीर कुंवर सिंह के चित्र पर पुष्प अर्पित करते हुए दीप प्रज्वलित कर कार्यक्रम की शुरूआत की। उक्त सभा का संचालन गुड्डू सिंह ने किया। इस मौके पर क्षत्रीय जागृति मंच के संस्थापक श्री सिंह ने कहा राष्ट्रीय एकता,अखंडता तथा स्वाभिमान के प्रतिमूर्ति के रूप में बाबू वीर कुवंर सिंह को हमेशा याद किया जाएगा। इस मौके पर सभी वक्ताओं ने बाबू वीर कुवंर सिंह की विचारों पर प्रकाश डाला। इस कार्यक्रम में मुख्य रूप से भाजपा के पलामू जिला उपाध्यक्ष अरबिंद सिंह,रामप्रवेश सिंह, बैजनाथ सिंह, कामख्या नरायण सिंह,अनिल सिंह,विश्वनाथ सिंह,अरुण कुमार सिंह उर्फ कुंजू सिंह,दीपू सिंह,मित्तल सिंह, सिंटू सिंह, अमित कुमार सिंह,धीरज सिंह,अरुण सिंह, विजय सिंह, मोनू कुमार सिंह,सोनू सिंह,जग्गू सिंह समेत सैकड़ो क्षेत्रीय समाज के लोग उपस्थित थे।धन्यवाद ज्ञापन अरविंद सिंह ने किया।

इसी तरह मोहम्मदगंज में भी बाबू वीर कुंवर सिंह की जयंती सह विजयोत्सव समारोह का आयोजन क्षत्रिय जागृति मंच के तत्वाधान में रविवार को मोहम्मदगंज में किया गया। समारोह का शुभारंभ युवा समाजसेवी अश्विनी कुमार सिंह, नीरज कुमार सिंह, शंकर सिंह सहित उपस्थित लोगों ने प्रतिमा पर माल्यार्पण और दीप प्रज्ज्वलित कर किया। कार्यक्रम का अध्यक्षता सी बी रमण सिंह और संचालन महेन्द्र प्रसाद सिंह ने किया। इस मौके पर मुख्य वक्ता नर्वदेश्वर सिंह, अजित कुमार सिंह, परशुराम सिंह, बालकेश्वर सिंह, विकास कुमार सिंह, परमेन्द्र कुमार सिंह, शुभम सिंह, रविरंजन सिंह, उदय सिंह ने बाबू वीर कुंवर सिंह की जीवनी व विचार को लोगो के बीच रखे और उनके आदर्श पर चलने पर बल दिये। धन्यवाद ज्ञापन कपिलदेव नारायण सिंह ने किया। इस मौके पर रूपेश पिंटू सिंह, दिलीप मुन्ना सिंह, जवाहर सिंह, अनिल सिंह, सुनील सिंह, बिनोद सिंह, मंटु सिंह, राजकुमार मेहता, रामकुमार सिंह, दीपक सिंह, कुंदन सिंह, बीरन सिंह, विश्वनाथ सिंह ,उपेन्द्र सिंह सहित काफी संख्या में लोग उपस्थित थे।

किराना व जनरल स्टोर का भाजपा नेता ने किया उद्घाटन

हरिहरगंज । रविवार को मेन बाजार आरसीलाल चौक समीप जायसवाल किराना व जनरल स्टोर का उद्घाटन भाजपा मंडल अध्यक्ष बल्लू बलराम तथा सांसद प्रतिनिधि अरुण कुमार मिश्र ने संयुक्त रुप से फीता काटकर किया। इस दौरान प्रो. कमलेश कुमार ने अतिथियों का स्वागत किया। अतिथियों ने प्रोप्राइटर कमलेश कुमार को बधाई व शुभकामनाएं देते हुये कहा कि इस किराना व जनरल स्टोर से स्थानीय लोगों को विभिन्न प्रकार के दैनिक आवश्यक वस्तुएं उचित दामों में उपलब्ध होंगी। इस मौके पर भाजपा नेता सत्येंद्र पासवान, करण राजवीर, अर्जुन जायसवाल, सत्येंद्र जायसवाल, ज्ञान प्रकाश, प्रभात कुमार, विजय शौंडीक, इंजीनियर विवेकानंद मिश्र, विकास कुमार, अजय कुमार आदि मौजूद थे।

ग्रामीण क्षेत्रों में मरम्मत के अभाव में खराब पड़े हैं दर्जनों जल मीनार

शहर से भी भयावह स्थिति है ग्रामीण क्षेत्रों में पेयजल की

नवीन मेल संवाददाता

मेदिनीनगर। भीषण गर्मी का प्रकोप लगातार बढ़ रहा है। गर्मी की शिदत के साथ ही तापमान में निरंतर बढ़ोत्तरी होने लगी है। इसका सीधा प्रभाव जलस्तर पर पड़ रहा है। पलामू जिले के ग्रामीण इलाकों में पेयजल की समस्या गंभीर बनी हुई है। हालांकि ग्रामीण क्षेत्रों में 15 वे वित्त से पेयजल की समस्या के निदान हेतु सौर ऊर्जा आधारित जल मीनार लगाने की जिम्मेवारी ग्राम पंचायतों के मुखिया को सौंपी गई है। ग्राम पंचायतों में मुखिया के द्वारा सौर ऊर्जा आधारित जल मीनार भी लगाए गए हैं । किंतु मरम्मत के अभाव में नावा बाजार प्रखंड और बिश्रामपुर प्रखंड के दर्जनों जल मीनार मरम्मत के अभाव में बेकार पड़े हैं सरकार ने जल मीनार लगाने की प्राक्कलन की राशि में मीनारों के मरम्म ति के लिए भी प्रावधान किया है किंतु ग्राम पंचायतों के मुखिया द्वारा मरम्मति की राशि भी खर्च कर दी गई है फल स्वरूप जल मीनारों का मरम्मत नहीं हो पा रहा है ।प्रखंड के अधिकांश ताल तलैया सूखने लगे हे। जलस्तर पाताल की ओर समाने लगी है। कुंआ नदी, नाले,

आदि जलाशय सूख रहे हैं। पेयजल समस्या के स्थाई समाधान को लेकर राज्य सरकार के द्वारा पेयजल आपूर्ति योजना की शुरूआत की गई। साथ हीं पंचायत के विकास को लेकर उपलब्ध कराए जाने वाले वित्त अनुदान की राशि से अधिष्ठापन की जिम्मेवारी पंचायत के मुखिया को सौंपी गई। योजना के तहत विश्रामपुर प्रखंड के सभी पंचायतों में सौर ऊर्जा आधारित जल मीनार का अधिष्ठापन कराया गया। इनमें आधे से अधिक खराब पड़े हैं। जिसकी मरम्मती का कार्य भी नहीं कराया जा रहा। ऐसे में पेयजल की समस्या लोगों के बीच बढ़ती जा है। पंचायतों में 14वें और 15 वें वित्त अनुदान की राशि से जल मीनार क अधिष्ठापन ग्रामीण क्षेत्रों में मरम्मत के अभाव में कराया गया है। पंचायत चुनाव हुए लगभग 11 महीने बीत चुके हैं। खराब पड़े जल मीनार की मरम्मत के प्रति किसी के द्वारा रुचि नहीं दिखाई जा रही। पूर्व में लगाए गए जल मीनार पंचायत क्षेत्र में केवल शोभायमान वस्तु बनकर रह गई है। जिसकी शिकायत भी समय-समय पर की जाती रही है लेकिन कोई सार्थक पहल भी नहीं किया जा रहा। जिससे मरम्मती का कार्य संभव हो। एक पंचायत सचिव के द्वारा नाम न छापने की शर्त पर जानकारी देते हुए बताया कि सौर ऊर्जा आधारित जलमीनार सभी पंचायतों में लगाए गए हैं। इसके लिए 3 लाख 84 हजार का एस्टीमेट था। जिसमें 3 लाख 20 हजार रुपए जल मीनार के अधिष्ठापन पर खर्च किए जाने थे। वहीं 64 हजार 5 सालों तक मेंटेनेंस के लिए रखी जानी थी।

हत्यारे को बचाने में लगे हैं राजद व जदयू : शत्रु

नवीन मेल संवाददाता

मेदिनीनगर। झारखंड क्रांति मंच के संस्थापक केंद्रीय अध्यक्ष सह अखिल भारतीय अनुसूचित जाति महासभा के राष्ट्रीय प्रवक्ता शत्रुघ्न कुमार शत्रु ने प्रेस बयान जारी कर कहा है कि दलित आइएएस अधिकारी जी. कृष्णैया के हत्यारे आनन्द मोहन सिंह को बचाने के लिए बिहार प्रिज्न एक्ट 2012 के 481 (1) ए में संशोधन करनेवाली बिहार की सत्तारूढ़ पार्टी जदयू और राजद का समाजिक न्याय झूठा व दलितों के कलेजे पर मूंग दलने वाला है। जारी बयान में उन्होंने कहा है कि पूर्व में दलित नरसंहार की जांच के लिए गठित अमीर दास आयोग को भंग करने वाले व नित्यप्रति दलित-शोषितों की हत्या पर मौन साधने वाले बिहार के मुख्यमंत्री नितीश कुमार दलित विरोधी व सामंतों के इशारे पर भांगड़ा करनेवाले पल्टू राम हैं, जिन्हें इस देश का दलित कभी पीएम मैटेरियल के रूप में देखना पसंद नहीं करेगा। बयान में बिहार के उप मुख्यमंत्री व राजद के नेता तेजस्वी प्रसाद यादव की कड़ी आलोचना करते हुए जेकेएम अध्यक्ष ने कहा है कि दलित-शोषितों के आइएएस स्तर के अधिकारी की क्रूरतम हत्या के अपराधी को बचाने का राजद का यह प्रयास सामाजिक अन्याय का निकृष्टतम स्वरूप है, जिसकी जितनी भी निंदा की जाय वह कम होगी। एक तरफ भाजपा भारतीय संविधान को समाप्त कर मनुवादी संविधान लागू करने पर आमदा हैं, वहीं दूसरी तरफ जदयू और राजद जैसी कथित सामाजिक न्याय वाली पार्टियां कानून में संशोधन कर दलित-पिछड़े व अल्पसंख्यकों के हत्यारों को बचाकर तुष्टीकरण की राजनीति करने पर आमदा हैं।

जबरन चबूतरा निर्माण कराने की थाने में शिकायत दर्ज

नवीन मेल संवाददाता

हुसैनाबाद। पलामू जिले के हुसैनाबाद थाना अन्तर्गत मौजा दमदमी में सोहेया की लीज भूमि पर थाना के संढा गांव निवासी बबलू सिंह के खिलाफ सुशील कुमार सिंह ने हुसैनाबाद थाना में लिखित आवेदन दिया है। आवेदन में उन्होंने कहा है कि मां स्टोन पार्टनर्स की लीज भूमि खाता 53 प्लॉट 177 पी

रकबा दस एकड़ भूमि का सरकार ने लीज दिया है। उक्त भूमि पर बबलू सिंह डरा धमका कर चबूतरा निर्माण कराने का प्रयास कर रहे हैं। रविवार की सुबह नौ बजे बबलू सिंह ग्राम संढा, थाना हुसैनाबाद समेत 10-12 अज्ञात व्यक्ति हरबा हथियार से लैश लीज भूमि के अंदर जबरन रंगदारी से चबुतरा निर्माण करने लगे। सुशील कुमार सिंह व उनके कर्मियों ने चबूतरा निर्माण करने से माना किया व कहा कि यह स्थान लीज है। इसके बावजूद उक्त व्यक्तियों द्वारा हथियार के बल पर चबूतरा निर्माण का काम किया जाने लगा। जो सरासर गलत है। हम सभी लोग किसी तरह जान बचाकर भागे। उन्होंने थाना प्रभारी से मामले की जांच कर दोषी लोगों पर कार्रवाई करने का आग्रह किया है। इस संबंध में थाना प्रभारी जगरनाथ धान ने बताया कि लिखित आवेदन मिला है। मामले की छानबीन की जा रही है।

स्कॉर्पियो और बाइक की टक्कर में एक व्यक्ति की मौत, दूसरा गंभीर

मेदिनीनगर। नावाबाजार में स्कॉर्पियो और बाइक की टक्कर में एक व्यक्ति की मौत हो गई। जबकि दूसरा गंभीर रूप से घायल हो गया। जानकारी के अनुसार नौडीहा बाजार थाना क्षेत्र के निवासी सरवन कुमार रविवार को अपने मित्र के साथ बाइक पर सवार होकर अपने साली के शादी का कार्ड बांटने के लिए नावा बाजार थाना क्षेत्र के ग्राम कंडा गया था। जिसमें बाइक सवार सरवन कुमार और दिलीप कुमार गंभीर रूप से घायल हो गए। इसके बाद स्थानीय ग्रामीणों के द्वारा इसकी जानकारी नावाबाजार थाना की पुलिस को दी गई। घटना की जानकारी मिलते ही नावाबाजार थाना की पुलिस घटनास्थल पर पहुंचकर दोनों घायलों को इलाज के लिए मेदिनीनगर सदर अस्पताल भेजा।

अरण्य

तेंदुए का आंतक फिर से जारी

लकड़ी चुनने जा रही महिलाओं में खौफ

नवीन मेल संवाददाता

मेदिनीनगर। पलामू, गढ़वा और लातेहार के अलग-अलग हिस्सों में तेंदुए ने कई लोगों पर हमला किया। इस हमले में चार मासूम बच्चों की जान गई थी। इस घटना के चार महीने बीत गए हैं, बावजूद लोगों के बीच तेंदुए का खौफ कायम है। पलामू, गढ़वा, लातेहार के सीमावर्ती क्षेत्रों के कई इलाकों में लोगों ने जंगल जाना भी छोड़ दिया है। इन इलाकों की बड़ी आबादी जंगल और जंगल से जुड़े उत्पादों पर निर्भर है ।ग्रामीणों में खौफ इस कदर है कि अब वे समूहों में जंगल जाते हैं। पलामू के रामगढ़ थाना क्षेत्र की रहने वाली आशा और मनीता देवी पिछले कई वर्षों से जंगल से महुआ चुनती हैं और इसे बाजार में बेचती है। महुआ चुनने के बाद ये अक्सर जंगलों में लकड़ी भी चुनती है, लेकिन इस बार दोनों महुआ चुनने के दौरान खौफ में रही है।

जंगल में महुआ चुनने के लिए नहीं जा पाईं। जबकि महुआ का सीजन धीरे धीरे खत्म हो रहा है। वे दोनों जिस इलाके में महुआ चुनती हैं उस इलाके में तेंदुआ कभी देखा नहीं गया. आशा और मनीता बताती हैं कि उनकी तरह दर्जनों महिलाएं हैं जो खौफ के साए में जंगल जाती हैं लेकिन सभी समूह में और एकजुट होकर जाती हैं। दिसंबर 2022 से जनवरी 2023 के अंतिम सप्ताह तक तेंदुआ ने पलामू ने प्रमंडल के कई इलाकों में तबाही मचाई थी। आदमखोर तेंदुआ को मारने के लिए हैदराबाद के मशहूर छोटे नवाब सफत अली खान को भी बुलाया गया था। पहली बार पलामू प्रमंडल के इलाके में किसी तेंदुआ को आदमखोर घोषित किया गया था। वो चंदवा छत्तीसगढ़ के इलाके से पलामू प्रमंडल में दाखिल हुआ था और एक महीने के बाद इलाके को छोड़कर भाग गया था।

आईजी ने फीता काटकर बेलचंपा में किया पेट्रोल पंप का शुभारंभ

नवीन मेल संवाददाता

विश्रामपुर। रविवार को गढ़वा जिला अंतर्गत बेलचंपा में नव निर्मित मां पेट्रोल पंप का शुभारंभ किया गया। जिसमें बतौर मुख्य अतिथि पलामू जोन के आईजी राज कुमार लकड़ा ने फीता काट कर शुभारंभ किया। वहीं विशिष्ठ अतिथि के रूप में जिला नजारत पदाधिकारी नीलेश कुमार,पूर्व चिकित्सा पदाधिकारी कैन्हैया कुमार गौड़,पूर्व मुखिया पंकज कुमार पासवान,पूर्व थाना प्रभारी करुणा शंकर दुबे कि मौजूदगी रही। आईजी श्री लकड़ा ने कहा कि किसी भी नए संस्थान का खुलना क्षेत्र वासियों के लिए रोजगार सृजन के साथ साथ इलाके को भी प्रगति के पथ पर अग्रसर करता है।वहीं मां पेट्रोलियम के प्रोपराइटर प्रीतम

गौड़,सुजीत उपाध्याय व शमशेर आलम ने कहा कि मेरे नव निर्मित संस्थान मां पेट्रोलियम में क्वांटिटी व क्वालिटी से किसी भी तरह का कोई समझौता नहीं किया जाएगा। अतः ग्राहकों को पूर्णतः संतुष्ट करना हमारी पहली प्राथमिकता है। मौके पर मिथलेश पासवान,विपिन सिंह, अशोक उपाध्याय, रंजीत उपाध्याय, कशमुदिन अंसारी, मौलाना शमशुल बरी, कमलेश सिंह सहित कई लोग मौजूद थे।

NEWS इन ब्रीफ

शपथ समारोह का आयोजन

मेदिनीनगर। ज्ञान मंदिर पब्लिक स्कूल बायपास रोड डाल्टनगंज में पलामू जिला प्राइवेट स्कूल डायरेक्टर एसोसिएशन का शपथ ग्रहण समारोह का आयोजन किया गया। एसोसिएशन के सभी पदाधिकारी पूर्व चुनाव के अनुसार अपने पद तथा गोपनीयता की शपथ लीये ! सभी पदाधिकारियों ने शपथ लेते हुए अपने विचार व्यक्त किये व एसोसिएशन को आगे बढ़ाने हेतु संकल्प लिए कि सभी सदास्य विद्यालयों का समस्याओं का निदान किया जाएगा! सत्र 2023-26 के लिए नवनियुक्त पदाधिकारियों का नाम इस प्रकार है :- अध्यक्ष -विनोद कुमार मिश्रा उपाध्यक्ष - इजहारुल हक अंसारी सचिव -विमल कुमार ,सह सचिव पंकज कुमार एव कोषाध्यक्ष उदय कुमार सुमन ,मीडिया प्रभारी राजन पांडे कार्यालय सचिव राजीव रंजन दुबे संगठन सचिव शशि रंजन मिश्रा एव संरक्षक विनोद कुमार गुप्ता, रजनीकांत पाठक ,रवींद्र तिवारी तथा 29 सदस्य विद्यालय मौजुद रहे।

गुलबाग स्टेडियम के सौन्दर्यीकरण का शिलान्यास

हुसैनाबाद। पलामू जिले के हुसैनाबाद शहर के वार्ड-14 स्थित गुलबाग स्टेडियम के सुंदरीकरण कार्य का शिलान्यास नगर पंचायत अध्यक्ष शशि कुमार, उपाध्यक्ष ग्यासुद्दीन सिद्दीकी, वार्ड पार्षद सुनीता देवी व राजद के प्रदेश सचिव जाकिर अली उर्फ राज अली ने संयुक्त रूप से नारियल फोड़ कर किया। इसका निर्माण नगर विकास एवं आवास विभाग के द्वारा करीब 52 लाख रुपए की लागत से किया जायेगा। इस मौके पर नगर अध्यक्ष शशि कुमार ने कहा कि स्टेडियम मैदान के सुंदरीकरण कार्य हो जाने से खिलाड़ियों व खेल प्रेमी दर्शकों के साथ साथ आमलोगों को भी काफी सुविधा उपलब्ध होगी। शहर में चल रही विकास की कई योजनाओं से शीघ्र ही हुसैनाबाद शहर नये रूप में दिखने लगेगा। मौके पर नगर उपाध्यक्ष ग्यासुद्दीन सिद्दीकी ने कहा कि शहर को विकास के हर मामले में अग्रणीय बनाना हमारा लक्ष्य है। इस मौके पर मनोज शर्मा, आलोक सिन्हा, सुबोध कुमार, आशीष कुमार, दिनेश कुमार, डॉ. अजय,चिराग पासवान, संजीत कुमार, शमीम कुरैशी, प्रवीण कुमार, धनु कुमार, शक्ति पासवान, राजकुमार राज, राहुल तिवारी समेत कई लोग मौजूद थे।

समाजसेवी ने घायल वृद्ध महिला की मदद की

मेदिनीनगर :स्थानीय स्टेशन रोड पर एक सब्जी विक्रेता वृद्ध महिला को अज्ञात वाहन ने धक्का मार दिया । जिससे वह बुरी तरह घायल होकर अचेत हो गईं थी। समाज सेवी कोमल कुमार अंकू ने अपने साथियों के साथ मिलकर वृद्ध महिला का अस्पताल में ईलाज करवाया। महिला को चोट काफी गंभीर थी महिला के सर में 12 टांके पड़े हैं। समाजसेवी ने महिला को सुरक्षित वाहन से उन्हें उनके पड़वा मोड़ स्थित आवास पर भिजवाया।

इतिहास - नागरिक विषय की दूसरी सूची प्रकाशित

नवीन मेल संवाददाता

मेदिनीनगर। जेएसएससी द्वारा शनिवार देर शाम इतिहास- नागरिक विषय के 72 अभ्यर्थियों की दूसरी सूची प्रकाशित की गयी। पलामू के कई प्रतीक्षारत अभ्यर्थियों का भी चयन किया गया। आयोग के द्वारा सभी अभ्यर्थियों को जिला विकल्प के लिये जल्द ही लिंक उपलब्ध कराया जाएगा। ज्ञात हो कि इतिहास नागरिक विषय में पूर्व में भी आयोग के द्वारा 597 अभ्यर्थियों की मेरिट जारी की जा चुकी है। जिसमें 590 अभ्यर्थियों का चयन अंतिम रूप से किया गया है। आयोग के द्वारा अन्य विषयो की अंतिम मेधा सूची भी लगातार जारी की जा रही है।

राधा कृष्ण मंदिर समिति का गठन

नवीन मेल संवाददाता

मेदिनीनगर। स्थानीय बारालोटा पांकी रोड स्थित भवानी नगर मोहल्ले में राधा कृष्ण मंदिर समिति का गठन हुआ। इसको लेकर मुहल्लेवासियों की एक बैठक राधा कृष्ण मंदिर के प्रांगण में हुई। बैठक में मंदिर के भवन निर्माण की चर्चा की गयी। मौके पर नई कमेटी का गठन किया गया। जिसके अध्यक्ष अवधेश शुक्ला (पत्रकार), उपाध्यक्ष नागेंद्र भारती और बबन सिंह बनाये गये। इसके

अलावा बैठक में सचिव अरविंद गुप्ता ,कोषाध्यक्ष अरविंद कुमार पांडे ,संगठन सचिव धनंजय जयसवाल, कार्यालय सचिव अरविंद ठाकुर, मीडिया प्रभारी सोनू सिंह, अंकेक्षक राजेंद्र जयसवाल, सह अंकेक्षक अजय कुमार झा को बनाया गया। इसके अलावा एक संरक्षक मंडल की भी घोषणा की गयी। जिसमें मनोज प्रजापति (वार्ड पार्षद) ,परशुराम प्रसाद ,ओम प्रकाश गुप्ता ,अरुण कुमार वर्मा, अवधेश कुमार सिंह और सुरेंद्र कुमार झा को संरक्षक घोषित किया गया। इसके अलावा एक कार्यकारिणी समिति का गठन किया गया। जिसमें रामप्रवेश सिंह, शंभू जायसवाल ,जितेंद्र नारायण सिन्हा ,कयास ठाकुर शामिल हैं।

जीआरपी थाना ने चोरी के आरोप में युवक को भेजा जेल

नवीन मेल संवाददाता

मेदिनीनगर। जीआरपी थाना की पुलिस ने ट्रेन में चोरी करने के मामले में एक युवक को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया है। जबकि 2 चोर भागने में सफल हो गए। इस संबंध में जानकारी देते हुए जीआरपी थाना प्रभारी अशोक कुमार ने बताया कि शनिवार को सूचना मिला था की कजरी निवासी बबलू कुमार सिंह अपने परिवार व बच्चो के साथ बरवाडी डेहरी ऑन सोन सवारी पैसेंजर ट्रेन में सवार होकर डेहरी अपने रिश्तेदार के घर जा रहे थे। इसी बीच कजरी रेलवे स्टेशन पर तीन चोर ट्रेन पर सवार हो गये। ट्रेन में सवार होकर चोरों ने बबलू सिंह की पत्नी से कहा कि आप अपना बैग ऊपर रख दीजिए ऊपर जगह खाली है। इसके बाद एक चोर नीचे बैठ गया। और 2 चोर ट्रेन के ऊपर छज्जे पर बैठ गए। इसके बाद दोनों चोरों ने ऊपर रखे हुए बैग को पेपर से ढक दिया। इसी बीच बबलू सिंह की पत्नी बाथरूम चली गई और उधर से आकर देखा तो सभी चोर ट्रेन से गायब थे। चोरों के गायब होने पर उन्हें शंका हुआ उन्होंने अपना बैग खोलकर देखा तो उसमें से सोना चांदी का गहना गायब था। इसके बाद बबलू सिंह और उनकी पत्नी चोर को इधर-उधर ट्रेन में खोजने लगे। इसी बीच सीगसीगी रेलवे स्टेशन पर पता चला कि एक चोर ट्रेन की दूसरी बोगी में बैठा हुआ है। इसके बाद उन्होंने तुरंत इसकी जानकारी जीआरपी

थाना को दी। घटना की जानकारी मिलते ही जीआरपी थाना की पुलिस एक चोर धर्मेंद्र कुमार मंडल पिता पूरण मंडल पता बिहार थाना महेशपुर जिला खगड़िया को गिरफ्तार किया गया। जीआरपी थाना के थाना प्रभारी अशोक कुमार ने बताया कि पकड़े गए चोर धर्मेंद्र मंडल अपने दो अन्य साथियों का भी नाम बताया है। जिसमें ईश्वर साव पिता महेंद्र साव थाना महेशपुर जिला खगड़िया बिहार का रहने वाला है वही दूसरा चोर पिंटू साव मुंगेर जिला बिहार के रहने वाले है। उन्होंने बताया कि 2022 में धर्मेंद्र मंडल को बिहार मुफसिल थाना की पुलिस ने दारू बेचने के आरोप में गिरफ्तार कर इसे जेल भेजा दिया गया था। वहीं 17/4/2022 को धर्मेंद्र मंडल रांची चोपन एक्सप्रेस में एक यात्री के बैग से सोने चांदी के गहने चोरी कर फरार हो गया था। यात्री के द्वारा इस घटना से संबंधित मामला जीआरपी थाना में दर्ज कराया गया था। पकड़े गए चोर ने अपना जुर्म कबूल किया है। पुलिस ने पकड़े गए चोर के पास से 2100 रुपया नगद,एक मोबाइल फोन बरामद किया है। जीआरपी थाना प्रभारी ने यात्रियों को जागरूक करते हुए कहा है कि पकड़े गए चोर ट्रेन में बैठे नए उम्र के शादीशुदा महिला,पुरुष को टारगेट करते हैं। वह इस घटना के बाद जीआरपी थाना की पुलिस फरार दोनों चोरों की तलाश में जुट गई है।

परशुराम सेना ने किया आभार व्यक्त

नवीन मेल संवाददाता

मेदिनीनगर। शहर में भगवान परशुराम जन्मोत्सव शोभायात्रा को सफल बनाने में योगदान करने वाले सभी लोगों का राष्ट्रीय परशुराम सेना युवा वाहिनी ने आभार व्यक्त किया है। शोभायात्रा आयोजन कमेटी के अध्यक्ष संतोष तिवारी (पिंकू तिवारी) के द्वारा जारी बयान में कहा गया है कि टेंट हाउस के सभी कर्मचारी, विद्युत व्यवस्थापक, खाना बनाने वाले सभी कारीगर, बाहर से आए हुए सभी कलाकार, पेयजल उपलब्ध कराने वाले सभी लोगों का राष्ट्रीय परशुराम सेना युवा वाहिनी दिल से आभार व्यक्त करती है। श्री तिवारी ने जिला प्रशासन का भी शोभायात्रा सफल बनाने में योगदान देने व विधि व्यवस्था बनाने के लिए आभार व्यक्त किया है। युवा वाहिनी ने पलामू प्रमंडल के विभिन्न क्षेत्रों से आए सभी आगुंतकों का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि समाज ने अपनी पूरी सहभागिता दिखाते हुए युवा वाहिनी के कंधे पर बड़ी जिम्मेदारी सौंपी है। श्री तिवारी ने कहा कि सामाजिक दायित्व निभाने के लिए राष्ट्रीय परशुराम सेना युवा वाहिनी सदैव तत्पर रहेगी।उन्होने युवा वाहिनी के संरक्षक अर्जुन पांडेय,प्रदेश अध्यक्ष देवेन्द्र तिवारी समेत युवा वाहिनी के सभी पदाधिकारीयों व सभी सदस्यों का विशेष आभार व्यक्त किया जिन्होंने कड़े परिश्रम से शोभायात्रा को सफल बनाने में अपना बहुमूल्य योगदान दिया है।

मालगाड़ी की चपेट में आकर युवक की मौत

मेदिनीनगर। शहर थाना क्षेत्र के दो नंबर टाउन निवासी विजय राम के पुत्र अमित कुमार चंद्रवंशी उम्र करीब 40 वर्ष की मालगाड़ी की चपेट में आकर मौत हो गई। जानकारी के अनुसार युवक अमित कुमार शनिवार की बीती रात रेलवे ट्रैक पार कर रहा था इसी बीच वह मालगाड़ी की चपेट में आ गया।जिसमें घटनास्थल पर ही उसकी मौत हो गई। घटना की जानकारी मिलते ही जीआरपी थाना के एएसआई रविंद्र उरांव और कालिया उरांव रेलवे स्टेशन पहुंचकर शव का पंचनामा कर शव को पोस्टमार्टम के लिए मेदिनीनगर सदर अस्पताल भेज दिये।

पुत्र की स्मृति में खोली पनशाला

नवीन मेल संवाददाता

मेदिनीनगर। पलामू के जिला नाजिर रामराज राम के द्वारा अपने छोटे पुत्र स्वर्गीय सचिन पासवान की स्मृति में रविवार को पनशाला की शुरूआत की गई। दीप प्रज्जवलित कर एवं राहगीरों को पानी पिला व मिठाई खिलाकर पनशाला का उद्घाटन किया गया। बता दें कि पिछले वर्ष सड़क हादसे में जिला नाजिर के छोटे पुत्र सचिन का निधन हो गया था। अपने पुत्र की मौत पर नाजिर और उनका पूरा परिवार दुखी है, लेकिन इस दुख को बांटने के लिए उन्होंने उसकी स्मृति में पनशाला खोली, ताकि प्यासे लोगों को पानी मिले और दिवंगत सचिन की आत्मा को शांति पहुंचे। पनशाला का उद्घाटन करते हुए सचिन की मां शाहपुर की पूर्व पंचायत समिति सदस्य लालमुनी देवी काफी भावुक हो गई और रोने बिलखने लगी। मौके पर मुख्य रूप से उपस्थित सांसद प्रतिनिधि भोला पांडे ने कहा कि आज सचिन की याद में जो पनशाला खोली गयी वो वाकई में बहुत ही सराहनीय कार्य है तथा सचिन के प्रति सच्ची श्रद्धांजलि है। कार्यक्रम में वार्ड 31 की पार्षद सह जोन 7 की अध्यक्ष प्रमिला देवी वार्ड 32 पार्षद अनिशा खातून,, सहायक अवर निरीक्षक रामजी पासवान, सचिन चंद्रवंशी, अनिल जयसवाल, सत्यजीत जयसवाल, कृष्णा पासवान, प्रमोद चंद्रवंशी, अनिल पासवान, राकेश अग्रवाल, राजेंद्र पासवान, दिनेश पासवान, मनीष कुमार, सुजीत कुमार, रंजन कुमार, मुकेश चंद्रवंशी रोहित कुमार, आरो राज, संजय जयसवाल, प्रदीप जयसवाल, विकास जयसवाल, रामव्रत विश्वकर्मा, शुभम चंद्रवंशी, चंदन पासवान अमित पासवान अर्जुन पासवान वीरेंद्र पासवान, दिनेश पासवान, महेश पासवान, सुखाडी टाइड, उर्मिला देवी सहित दर्जनों लोग उपस्थित थे।

दानवीर भामाशाह की प्रतिमा लगाने की मांग

मेदिनीनगर।अखिल भारतीय तेली साहू महासभा की पलामू इकाई के तत्वावधान में पलामू महिला जिलाध्यक्ष के आवास पर भामाशाह की जयंती मनायी गयी। इसकी अध्यक्षता महिला जिलाध्यक्ष सीटू गुप्ता ने की। समारोह के मुख्य अतिथि दुर्गा प्रसाद एवं विशिष्ट अतिथि शशि भूषण प्रसाद गुप्ता थे । इस मौके पर सीटू गुप्ता ने कहा कि तेली जाति का इतिहास गौरवमयी रहा है । भारत में दानवीर की उपाधि दो ही लोगों को मिली है प्रथम महाभारत के राजा कर्ण तथा दूसरी उपाधि भामाशाह को मिली। उन्होंने भामाशाह की आदम कद प्रतिमा लगाने का प्रस्ताव रखा जो सर्वसम्मति से पारित हुआ । महापौर अरुणा शंकर से दानवीर भामाशाह की आदमकद प्रतिमा मेदिनीनगर के किसी मुख्य चौक पर लगवाने की मांग की गयी । जिलाध्यक्ष शशि भूषण गुप्ता ने दानवीर भामाशाह जी की जयंती पर प्रकाश डाला।

आंधी में गिरा लिप्टस का पेड़, दो मकान क्षतिग्रस्त

नवीन मेल संवाददाता

हरिहरगंज। प्रखंड के कटैया पंचायत अंतर्गत रामपुर गांव में आई आंधी में लिप्टस का एक विशालकाय पेड़ उखड़ कर मकान के ऊपर जा गिरा। जिससे दो मकान क्षतिग्रस्त हो गये। घटना से गांव में अफरा-तफरी मच गयी। गनीमत रही कि हादसे में किसी प्रकार की जानहानि नहीं हुयी। भुक्तभोगी संगीता देवी तथा मैत्री देवी ने बताया कि तेज आंधी के कारण पेड़ टूटकर कर मकान पर गिर गया। जिसकी चपेट में आने से उक्त दोनो के मकान क्षतिग्रस्त हो गए। संगीता देवी के कच्चा खपरैल घर का छज्जा टूटने के साथ ही दीवार भी क्षतिग्रस्त हो गई। इनके मकान से सटे मैत्री देवी का मकान भी क्षतिग्रस्त हो गया। दीवार टूट गयी और छज्जा भी गिर गया। वही पंचायत समिति सदस्य शैलेंद्र कुमार सिंह उर्फ शीलू सिंह ने घटनास्थल का निरीक्षण कर पीड़ितों को हर संभव मदद दिलवाने का आश्वासन दिया। पंचायत समिति सदस्य ने बताया कि अंचल पदाधिकारी को इसकी सूचना दे दी गयी है। पीड़ित परिवारों को सीओ से आर्थिक मदद दिलवाने की मांग की जायेगी। इस मौके पर सुरेश सिंह, गुड्डू कुमार, शारदा देवी, लक्ष्मीनिया देवी सहित कई लोग मौजूद थे।

क्या शहर का विकास सांप्रदायिकता के रथ पर सवार होकर किया जा रहा है?

नवीन मेल संवाददाता

मेदिनीनगर : मेदिनीनगर नगर निगम का शहर की सुन्दरता बढाने में बेहतर योगदान है। हम पलामू उपायुक्त महोदय से चन्द सवाल पुछना चाह रहे है। क्या डालटनगंज शहर का विकास साम्प्रदायिकता के रथ पर सवार हो कर हो रही है? पुरे देश के स्तर पर पलामू जिला साम्प्रदायिक सद्भावना के लिए चर्चा में रहा है। हिन्दु के अलावा मुस्लिम, बौद्ध, ईसाई, सिख की बडी आबादी निगम क्षेत्र में निवास करती है। आज कोयल रिवर फ्रंट का उद्घाटन है। पुरे जोरशोर से प्रचार चल रहा है, कि गंगा आरती का आयोजन होगा। इस निर्माण में कोई एक समुदाय का पैसा लगा है या सरकारी फंड से निर्माण किया गया है। अगर सरकारी फंड से निर्माण किया गया है तो उपायुक्त महोदय गंगा आरती का अनुमति कैसे दिए? बाकी अन्य धर्मों को नजरअंदाज क्यो किया जा रहा है। सर्व धर्म समभाव का आयोजन नही हो सकता था?अब गांधी मैदान पार्क का निर्माण निगम से कराया गया है, मगर गरीबों के पहुंच से बाहर कीया जा रहा है। क्या निगम का टैक्स गरीब लोग नही दे रहे हैं? तो फिर टिकट क्यो? आसपास की बडी आबादी मोर्निंग व इभनिंग वाक करने जिसमें महिला पुरुष बच्चे बुढे सभी हैं, जाते हैं। तो किराया क्यो वसुला जाएगा? अब डालटनगंज का चिर प्रचलित साहित्य समाज चौक जिसका शिलान्यास 10-15 वर्ष पुर्व स्व राम कुमार सिह, स्व मंगल किशोर छोटू, व तारकेश्वर आजाद सरिखे लोगों ने तत्कालीन गृहमंत्री सुबोधकांत सहाय जी से जय प्रकाश चौक बतौर शिलान्यास कराया था। अब उक्त चौक का नाम बदला जा रहा है। ऐसे ही बैरिया चौक पर से बाबु जगदेव प्रसाद की प्रतिमा हटाने की साजिश की गयी थी। मगर आन्दोलन के दवाव में निगम ने अपना निर्णय बदला।हम अमन पसंद मेदिनीनगर के नागरिकों को आह्वान करते हैं कि शहर के अमन पर धब्बा लगाने व इतिहास से छेड़छाड़ करने वाले के खिलाफ मुहीम तेज करे।

विहिप की बैठक का समापन

नवीन मेल संवाददाता

मेदिनीनगर। कार्यालय में विश्व हिंदू परिषद व बजरंग दल और उसके अन्य आयामों के प्रमुखों की एक बैठक आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता जिला उपाध्यक्ष अजीत पाठक और संचालन जिला मंत्री दामोदर मिश्र ने किया । बैठक में निर्णय लिया गया कि बैंक खाता खोलने में चूंकि परेशानी आ रही है, इसलिए इसका प्रस्ताव पुनः एक बार बनाकर प्रांत को भेजा जाये। कार्यक्रमों में 29 अप्रैल को दुर्गा वाहिनी व मातृशक्ति के नेतृत्व में सीता नवमी कार्यक्रम आयोजित किया जायेगा । आगामी 21 मई से 31 मई तक विश्व हिंदू परिषद का प्रशिक्षण वर्ग तथा 24 मई से 31 मई तक बजरंग दल का प्रशिक्षण वर्ग चक्रधरपुर में संचालित होगा । उसमें हर प्रखंड से विश्व हिंदू परिषद व बजरंग दल के दायित्वधारी अधिकारियों का हिस्सा लेना अनिवार्य है। इसी तरह से दुर्गा वाहिनी और मातृ शक्ति का प्रशिक्षण वर्ग क्रमशः 4 जून से 10 जून तक और 7 जून से 10 जून तक रांची स्थित धुर्वा के सरस्वती शिशु विद्या मंदिर में संचालित किया जायेगा।

चैनपुर वासियों को मिला रतन इलेक्ट्रॉनिक्स का तोहफा

नवीन मेल संवाददाता

मेदिनीनगर। शहर में लगातार 25 वर्षों से इलेक्ट्रॉनिक्स की दुनिया में तहलका मचाने वाले रतन इलेक्ट्रॉनिक का दूसरा शोरूम चैनपुर में रविवार को खुला। रतन इलेक्ट्रॉनिक के दूसरे शोरूम का उद्घाटन झारखंड विधानसभा के पूर्व अध्यक्ष इंदर सिंह नामधारी और उनके पुत्र दिलीप सिंह नामधारी ने फीता काटकर संयुक्त रूप से किया। इस अवसर पर पूर्व विधानसभा अध्यक्ष इंदर सिंह नामधारी ने कहा कि चैनपुर जैसे क्षेत्र में रतन इलेक्ट्रॉनिक जैसे प्रतिष्ठित प्रतिष्ठान का शोरूम खुलना चैनपुर के विकास का घोतक है। इससे चैनपुर वासियों को लाभ मिलेगा। उन्होंने शोरूम प्रतिष्ठान के प्रोपराइटर प्रेम सिंह नामधारी व हरजी नामधारी को शुभकामना दी। इस अवसर पर रतन इलेक्ट्रॉनिक्स के प्रोपराइटर प्रेम सिंह नामधारी और हरजी नामधारी ने कहा कि अब चैनपुर वासियों और आसपास के क्षेत्रों के ग्रामीणों को डालटेनगंज जाने की जरूरत नहीं है। उनके इलेक्ट्रॉनिक सामान के जरूरत का हर सामान एक छत के नीचे फाइनेंस सुविधा के साथ बिना ब्याज के उपलब्ध है। उन्होंने कहा कि लोग इलेक्ट्रॉनिक सामानों की खरीदारी के लिए शहर की ओर जाते थे। लेकिन अब रतन इलेक्ट्रॉनिक स्वयं गांव वासियों की सेवा के लिए, उनकी जरूरतों को पूरा करने के लिए गांव की ओर कदम बढ़ा दिया है। मालूम हो कि रतन इलेक्ट्रॉनिक्स ग्राहकों की हर खरीदारी पर कूपन देगा और निश्चित इनाम भी मिलेगा। प्रतिदिन लकी ड्रा निकाला जाएगा और लोगों को पुरस्कार प्रदान किया जाएगा। इलेक्ट्रॉनिक्स शोरूम खुलने के इस अवसर पर पलामू जिला के प्रसिद्ध समाजसेवी सोनू सिंह नामधारी, इंडियन रोटी बैंक के प्रदेश संयोजक झामुमो के युवा नेता दीपक तिवारी, समाजसेवी परवेज अख्तर, रतन सिंह नामधारी, संत अवतार सिंह, सिमरन कौर, रतन सिंह नामधारी,सतवीर कौर, जिसा के अध्यक्ष अविनाश वर्मा, संतोष यादव, वेद प्रकाश कमलापुरी, काशी प्रसाद, नारायण यादव, दिलीप कश्यप व साहब सिंह नामधारी समेत दर्जनों गणमान्य लोग उपस्थित थे। सभी ने प्रोपराइटर को बधाई और शुभकामना देते हुए कहा कि चैनपुर वासियों को इलेक्ट्रॉनिक सामानों के लिए अब शहर की ओर नहीं जाना पड़ेगा। उनके गांव घर में ही सब सामान प्राप्त होगा।

आयोजन शिक्षा व दहेज विरोध को लेकर किया जागरूकता

कानू विकास महासंघ के सम्मेलन का समापन

नवीन मेल संवाददाता

मेदिनीनगर। रविवार को झारखंड कानू विकास महासंघ का पलामू जिला स्तरीय सम्मेलन हुआ। स्थानीय जीएलए कॉलेज रोड स्थित ग्रीन वैली इंटरनेशनल स्कूल परिसर में सम्मेलन का आयोजन किया गया। मुख्य अतिथि महासंघ के प्रदेश अध्यक्ष प्रमोद कुमार ने दीप प्रज्वलित कर सम्मेलन का उद्घाटन किया। आयोजन समिति के लोगों ने अतिथियों एवं समाज के प्रबुद्ध जनों को सम्मानित किया। कार्यक्रम की अध्यक्षता महासंघ के पलामू जिला अध्यक्ष हरिद्वार शाह ने की। संचालन अवधेश विद्यार्थी एवं मुरारी साव ने संयुक्त रूप से किया। सम्मेलन में कानू समाज की दशा और दिशा पर विस्तार से चर्चा हुई। महासंघ के प्रदेश अध्यक्ष प्रमोद कुमार ने कहा कि झारखंड में कानू समाज अत्यंत ही दयनीय स्थिति में है। इस समाज के लोगों की संख्या काफी अधिक है लेकिन सरकार जातीय जनगणना कराने के पक्ष में नहीं है। इस वजह से समाज को नुकसान हो रहा है। उन्होंने बताया कि महासंघ अपने स्तर से जातीय जनगणना करा रही है। इस

कार्य में लगे लोग झारखंड के सभी जिलों में रहने वाले कानू समाज के परिवारों का सर्वेक्षण कर रहे हैं। इस दौरान परिवार की शैक्षणिक एवं आर्थिक स्थिति का भी ब्योरा तैयार किया जा रहा है। उन्होंने साफ तौर पर कहा कि समाज के लोगों की जागरूकता और एकजुटता से ही दशा और दिशा में बदलाव आएगा। यह सम्मेलन पलामू जिला में कानू समाज के लोगों को एकजुट करने में कारगर साबित होगा। वशिष्ठ प्रसाद ने कहा कि दहेज प्रथा सामाजिक कोढ़ है। इसकी वजह से लड़कियों की शादी में काफी परेशानी हो रही है। दहेज प्रथा को समाप्त करने के लिए समाज के लोगों को जागरूक होना होगा। मुरारी साव ने 6 माह के अंदर 21 जोड़ीयों की सामूहिक शादी निशुल्क कराने की घोषणा की। सम्मेलन में वक्ताओं ने बच्चों को बेहतर शिक्षा देने, सामाजिक कुरीतियों को मिटाने एवं आपसी जागरूकता एवं एकजुटता पर जोर दिया। शिक्षा के बिना किसी भी समाज का कल्याण नहीं हो सकता, ऐसी स्थिति में कानू समाज के लोगों को चाहिए कि वे अपने बच्चों को बेहतर शिक्षा दें। जब बच्चे संस्कार युक्त शिक्षा ग्रहण करेंगे तो उनके अंदर समझ विकसित होगी और समाज के विकास के लिए प्रयासरत रहेंगे । राजनीतिक क्षेत्र में युवाओं को अपनी सक्रियता बढ़ाने की जरूरत है। वही दहेज रहित शादी एवं सामूहिक विवाह की परंपरा को विकसित करने पर जोर दिया गया। सम्मेलन में रांची से आए कानू समाज के कंचन साहू, बबलू गुप्ता, कन्हाई साव, संजय साव, राजू ,अरुण कुमार, उमेश कुमार, राम बहादुर साव, गोवा से दिलीप साहू गढ़वा के प्रमोद कुमार, वार्ड पार्षद सुषमा कुमारी आहूजा ,बिपिन बिहारी, ओम प्रकाश गुप्ता,चंद्रशेखर , गोपाल प्रसाद, दशरथ प्रसाद ,मनोज कुमार सहित कई लोगों ने विचार व्यक्त करते हुए समाज के लोगों को जागरूक एवं एकजुट होने पर जोर दिया। सम्मेलन में जिले के शहरी एवं ग्रामीण इलाकों से काफी संख्या में कानू समाज के महिला पुरुष शामिल थे।

वीर कुंवर सिंह की पौत्र वधू बोली, गौरवशाली रहा है क्षत्रिय समाज कर इतिहास

नवीन मेल संवाददाता। श्री बंशीधर नगर

अखिल भारतीय क्षत्रिय महासभा के तत्वावधान में रविवार को महासभा कार्यालय के समीप बाबू वीर कुंवर सिंह जयंती समारोह का आयोजन किया गया। जयंती समारोह का शुभारंभ बाबू वीर कुंवर सिंह की तस्वीर पर वीर कुंवर सिंह की पौत्र वधू पुष्पा सिंह ने माल्यार्पण व दीप प्रज्वलित कर किया।

जयंती समारोह को संबोधित करते हुएपुष्पा सिंह ने कहा कि क्षत्रिय समाज का इतिहास गौरवशाली रहा है। क्षत्रिय समाज के लोगों ने देश की एकता, अखंडता को लेकर अपनी जान की परवाह कभी नहीं की। उन्होंने कहा कि वीर कुंवर सिंह ने देश को आजाद कराने के लिये अंतिम सांस तक संघर्ष किया। उन्होंने कहा कि समाज के सभी लोगों को एकजुट होने की जरूरत है। उन्होंने कहा कि आये दिन हमारे समाज के लोगों को विभिन्न मुकदमों में फंसाया जा रहा है। उन्होंने कहा कि हमारे पुत्र की हत्या पिछले वर्ष हो गई थी, जिसे आज तक न्याय नहीं मिल पाया है। उन्होंने कहा कि राजनीतिक पार्टियां हमारे समाज में एकता नहीं होने के कारण राजनीतिक इस्तेमाल करती है। हमारी समस्याओं पर कोई ध्यान नहीं देता है। उन्होंने कहा कि हमें एकजुट होकर अपने गौरवशाली इतिहास को बनाये रखने की जरूरत है। सीमावर्ती राज्य उत्तर प्रदेश के सोनभद्र से आये करणी सेना के अध्यक्ष राहुल सिंह ने कहा कि इतिहास के साथ छेड़छाड़ कर महाराणा प्रताप, वीर कुंवर सिंह की जगह अकबर को महान बताया जाता है, जबकि हमारे पूर्वजों ने देश के लिये जान तक न्योछावर कर दिया है। देश की अखंडता के लिये अपनी रियासत को कुर्बान कर दिया। उन्होंने कहा कि हमें आरक्षण की जरूरत नहीं है, बल्कि हमारा उद्देश्य देश को आरक्षण मुक्त कराना है। उन्होंने अभिभावकों से क्षत्रिय गौरव की कहानी अपने बच्चों को बताने की बात कही। कार्यक्रम को कई अन्य लोगों ने भी संबोधित किया। विशिष्ट अतिथि करिवाडीह की मुखिया मनसा देवी, शैलेंद्र प्रताप देव, रूपेश सिंह, अवध बिहारी सिंह, ममता सिंह, ललन देव, विजय सिंह, राणा प्रताप देव, अमित प्रताप देव, पंकज सिंह, चंचल प्रताप देव, बंगाली सिंह, बंटू सिंह, राकेश सिंह, विक्की देव, रविन्द्र प्रताप देव, कामेश्वर प्रताप देव, प्रशांत सिंह, देवेंद्र सिंह, विकास देव, मिथिलेश सिंह, प्रभात कुमार देव, बिकू सिंह, अरुण सिंह, विक्रमादित्य सिंह, अशोक सिंह, भूपेंद्र प्रताप देव, ईश्वरी सिंह, अजय कुमार सिंह, जितेंद्र सिंह, संजय सिंह सहित बड़ी संख्या में विभिन्न प्रखंडों से अखिल भारतीय क्षत्रिय महासभा के लोग उपस्थित थे। समारोह की अध्यक्षता अखिल भारतीय क्षत्रिय महासभा के अध्यक्ष इंदल सिंह व संचालन आशुतोष सिंह ने किया।

अखिल भारतीय क्षत्रिय महासभा के तत्वावधान में रविवार को महासभा कार्यालय के समीप बाबू वीर कुंवर सिंह जयंती समारोह का आयोजन किया गया।

मेराल व गढ़वा प्रखंड की विभिन्न पंचायतों में ईद मिलन समारोह आयोजित

विभिन्नता में एकता की पूरे विश्व में मिसाल है भारत : मिथिलेश ठाकुर

नवीन मेल संवाददाता। मेराल

मेराल व गढ़वा प्रखंड की विभिन्न पंचायतों में रविवार को ईद मिलन समारोह आयोजन किया गया। इन कार्यक्रमों में गढ़वा विधायक झारखंड सरकार के पेयजल एवं स्वच्छता मंत्री मिथिलेश कुमार ठाकुर शामिल हुए। मंत्री ने लोगों से गले मिलकर ईद की मुबारकबाद दी। मेराल प्रखंड के चामा मदरसा के मैदान में आयोजित ईद मिलन समारोह में तीन पंचायत चामा, दुलदुलवा तथा तिसरटेटुका पंचायतकाफी संख्या में लोग शामिल थे। मंत्री ने सभी को ईद की मुबारकबाद दी तथा लोगों का कुशलक्षेम जानने के बाद क्षेत्र के विकास के लिए अपनी प्रतिबद्धता दुहराई। इसके बाद मंत्री लोवादाग मुखिया के घर के समीप आयोजित ईद मिलन समारोह में शामिल हुए। जहां लोवादाग तथा पदुआ पंचायत के लोग शामिल थे। तत्पश्चात बाना व मेराल प्रखंड मुख्यालय के ईदगाह टोला के मदरसा प्रांगण तथा गढ़वा प्रखंड के तिलदाग में आयोजित ईद मिलन समारोह में शामिल होकर लोगों को ईद की मुबारकबाद दी।

मौके पर मंत्री ठाकुर ने कहा कि हमारा देश विभिन्नताओं में एकता का देश है। हम सभी धर्म, संप्रदाय के लोग एक साथ मिलजुल कर सभी पर्व-त्योहार को मनाते हैं ताकि हमारी एकजुटता, अखंडता और आपसी भाईचारा बनी रहे। इसके लिए भारतवर्ष दुनिया भर में जाना जाता है। उन्होंने विपक्ष पर निशाना साधते हुए कहा कि लोग आज कुर्सी के लिए भाई-भाई को जाति संप्रदाय के नाम पर बांट रहे हैं। उन्होंने अपनी प्रतिबद्धता को दोहराते हुए कहा कि मेरी कोशिश रहती है कि प्रत्येक सरकारी योजनाओं का लाभ हर घर तक पहुंचा सकूं। हर गांव, टोला, पंचायत का विकास मेरा लक्ष्य है। 2024 तक गढ़वा विधानसभा बदला-बदला सा नजर आएगा। गंगा जमुनी तहजीब की इस देश में हम अपने भाइयों को जाति धर्म संप्रदाय के नाम पर बंटने नहीं देंगे। हम सभी मिलजुल कर देश की अपनी परंपरा आपसी भाईचारा, एकता एवं सद्भावना को हमेशा बनाए रखेंगे। मौके पर उपस्थित दोनों समुदाय के लोगों ने सेवई खाकर दावत का लुप्त उठाया।

आयोजित ईद मिलन समारोह में मुख्य रूप से कारी कमालुद्दीन, मेराल पूर्वी मुखिया राम सागर मेहता, दिलजान शेख, शंभू राम, बीस सूत्री प्रखंड अध्यक्ष शंभू प्रसाद, मौलाना यासीन, अतहर अली, दशरथ प्रसाद, मनोज ठाकुर, सुनील कुमार कालिया, मिथिलेश देव, जफीर अंसारी, नजमुद्दीन अंसारी, सूर्य प्रकाश, विनोद प्रसाद, महिला नेत्री रेखा चौबे, आराधना सिंह, करीब अंसारी, मैनुल्लाह अंसारी, मुस्ताक अंसारी, किताबुद्दीन अंसारी, लक्ष्मी विश्वकर्मा, लक्ष्मण साह, विजय दुबे, यासीन अंसारी, मकसूद अंसारी, जलालुद्दीन, दिलजान शेख, हैसियत अंसारी, नबीज अंसारी, हेमंत कुमार सिंह, फनीराज गुप्ता, मनसरेश यादव, मो. साहेब, नसीम अंसारी, मैनुल्लाह अंसारी, किताबुद्दीन अंसारी, फिरोज अंसारी, पूरन तिवारी, दिनेश दुबे, लक्ष्मी विश्वकर्मा, भीखम चंद्रवंशी, नारद साव, लक्ष्मण साव, मुस्ताक अंसारी, उमर अंसारी, कलाम अंसारी, मुख्तार अंसारी, मुन्ना राम, दशरथ प्रसाद, राजेश बैठा, बबलू सिंह, नजमुद्दीन अंसारी, वकील अंसारी, मोहम्मद अली, रियाज अंसारी, अजय गुप्ता, ज्ञानरंजन, कौस्तुभ तिवारी, अभिषेक कुमार, राही अंसारी, रजनीगंधा सहित काफी संख्या में लोग उपस्थित थे।

न आवास योजना मद की राशि जमा हुई, न ही लाभुक पर कार्रवाई

डंडाई। लाभुक के पास प्रधानमंत्री आवास योजना मद की राशि वापस करने को लेकर बीडीओ सोमा उरांव की ओर से भेजा गया नोटिस कागज का टुकड़ा बन कर रह गया है। लाभुक राम दुलारी देवी द्वारा उक्त मद की राशि 125000 रुपये ना तो प्रखंड के नजारत खाते में जमा किया गया और ना ही बीडीओ की ओर से लाभुक के खिलाफ अब तक किसी भी तरह की कार्रवाई ही की गई है। जबकि लाभुक राम दुलारी देवी को भेजे गए नोटिस में एक सप्ताह के अंदर उक्त योजना मद की पूरी राशि को प्रखंड के नजारत खाते में जमा करने का सख्त निर्देश दिया गया था।

साथ ही नोटिस के माध्यम से उन्हें कड़ी चेतावनी भी दी गई थी कि ससमय राशि जमा नहीं करने पर उनके खिलाफ प्राथमिकी से लेकर अन्य तरह की भी विधि सम्मत कार्रवाई की जाएगी, लेकिन लाभुक पर किसी भी तरह की कार्रवाई नहीं किया जाना सवाल खड़ा करता है। इतना ही नहीं, राशि वापसी को लेकर दूसरी बार लाभुक के पास रिमाइंडर भी नहीं भेजा गया है। मामले में उप विकास आयुक्त राजेश कुमार राय ने कहा कि यह मामला मेरे संज्ञान में है। बीडीओ द्वारा योजना मद की पूरी राशि वापस करने को लेकर लाभुक के पास नोटिस भेजा गया है, लेकिन अब तक वह राशि किन कारणों से सरकारी खाते में जमा नहीं हुई है। मामले की पड़ताल कर आगे की कार्रवाई की जाएगी।

अवैध बालू लदे दो ट्रैक्टर के साथ चार गिरफ्तार

नवीन मेल संवाददाता। भवनाथपुर

थाना पुलिस ने गुप्त सूचना के आधार पर रविवार की अहले सुबह दो अवैध बालू लदे ट्रैक्टर के साथ गाड़ी मालिक व चालकों को गिरफ्तार कर भवनाथपुर थाना लाया। सीओ रामाशंकर श्रीवास्तव द्वारा प्राथमिकी दर्ज करते हुए न्यायालय को सुपुर्द कर दिया है।

घटना के बारे में सीओ रामा शंकर श्रीवास्तव व थाना प्रभारी रामेश्वर उपाध्याय ने बताया कि रविवार को गुप्त सूचना मिली कि केतार की ओर से दो अवैध बालू के साथ ट्रैक्टर भवनाथपुर की ओर आ रहे हैं। सूचना के आलोक में सशत्र बल के साथ प्रस्थान किया, जहां सिघीताली के आगे पटनीदामर के पास दो बालू लदे ट्रैक्टर को पकड़ा गया, जिसमें गाड़ी नंबर जे एच 14बी 8169 चालक मनोज साह ग्राम खोनहर केतार व मालिक राजकुमार गुप्ता खोनहर दूसरा ट्रैक्टर नंबर जेएच14 एच 1652 चालक सुमंत कुमार गुप्ता, मालिक राजेश कुमार गुप्ता दोनों खोनहर निवासी को गिरफ्तार कर थाना लाया गया। प्राथमिकी दर्ज करने के बाद चारों आरोपियों को न्यायालय में में पेश किया गया है। उन्होंने कहा कि सरकार की ओर से अवैध खनन पर रोक के बाउजूद लोग अवैध खनन कर रहे हैं, जिन्हें अब बख्शा नहीं जाएगा।

अल्का मैरेज गार्डेन के निकट पनशाला का हुआ उद्घाटन

नवीन मेल संवाददाता। श्री बंशीधर नगर

भीषण गर्मी को देखते हुये-जायंट्स ग्रुप ऑफ श्री बंशीधर नगर की ओर से रविवार को अल्का मैरेज गार्डेन के निकट पनशाला खोला गया। इसका उद्घाटन श्री सद गुरु जगजीत सिंह नामधारी महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. धर्मचंदलाल अग्रवाल ने फीता काटकर व राहगीरों को पानी पिलाकर किया। इस मौके पर उन्होंने कहा कि इस भीषण गर्मी में राहगीरों को पानी पिलाना पुण्य का काम है। इस पनशाला के खुलने से राहगीरों को पेयजल के लिये परेशानी का सामना नही करना पड़ेगा। मौके पर जायंट्स ग्रुप के अध्यक्ष रंजन कुमार

छोटू, सचिव अनूप कुमार निराला, कोषाध्यक्ष सुजीत कुमार, हेमंत प्रताप देव, विनोद कुमार कांस्यकार, राहुल जायसवाल, हृदयानंद कमलापुरी, अश्विनी कुमार, उमेश कुमार देव, शंकर प्रसाद, ध्रुव कुमार, राजेश प्रसाद, चंदन जायसवाल, आशीष कुमार, अभय कुमार, सुमित कुमार, अंकित कुमार, अजित कुमार, रविंद्र प्रसाद, शिवम कुमार, साहिल कुमार, गौतम कुमार आदि उपस्थित रहे।

धुरकी में महुआ शराब की भट्ठी ध्वस्त उपकरणों को भी किया नष्ट

नवीन मेल संवाददाता। धुरकी

धुरकी पुलिस ने अवैध जावा महुआ शराब के कारोबार पर रोक लगाने को लेकर थाना प्रभारी सदानंद कुमार के नेतृत्व में रविवार को छापामारी अभियान चलाया गया। अभियान के दौरान इसीन पुलिस ने थाना क्षेत्र के कद वा उर्फ लिखनी धा वरा में संचालित अवैध महुआ शराब की भट्ठी को ध्वस्त किया। इस दौरान पुलिस ने महुआ शराब बनाने के लिए रखा हुआ 60 किलो जावा महुआ को नष्ट करते हुए महुआ शराब बनाने में प्रयुक्त होने वाले उपकरणों को नष्ट किया। जबकि पुलिस के पहुंचने से पूर्व ही इसमें संलिप्त लोग फरार

हो गए। मौके पर थाना प्रभारी सदानंद कुमार ने कहा कि किसी भी हाल में अवैध महुआ शराब का कारोबार नहीं होने दिया जायेगा। इस पर रोक लगाने के लिए पुलिस क्षेत्र में लगातार छापामारी अभियान चलाकर शराब के अवैध कारोबारियों पर कड़ी कार्रवाई करेगी। अभियान में पुलिस जवान शामिल थे।

मोटरसाइकिल दुर्घटना में युवक हुआ घायल

भवनाथपुर। भवनाथपुर-श्रीबंशीधर नगर मुख्य पथ पर छमिलवा के पास मोटरसाइकिल दुर्घटना में 20 वर्षीय युवक घायल हो गया। घायल रामकुमार सिंह कोलहुआ निवासी का नाम शामिल है। जानकारी के अनुसार रामकुमार सिंह कोल्हुआ अपने गांव से भवनाथपुर आ रहा था, छमिलवा के समीप अनियंत्रित होकर पेड़ से टकरा गया जीसे रामकुमार सिंह गंभीर रूप से घायल हो गया। घायला अवस्था में रामकुमार सिंह को 108 एंबुलेंस से भवनाथपुर असपताल में भर्ती कराया गया, जहां डॉक्टर ने इलाज के बाद गंभीर स्थिति देखते हुए गढ़वा रेफर कर दिया।

संक्षिप्त समाचार

बस खुलने के समय को लकर चालक को पीटकर किया घायल

नवीन मेल संवाददाता। गढ़वा

गढ़वा शहर के मझिआंव रोड बस स्टैंड में रविवार को मारपीट की घटना में विशाल बस का चालक राहुल मिश्रा घायल हो गया। वह डुमरसोता गांव निवासी गोपाल मिश्रा का पुत्र है। सदर अस्पताल में उसका इलाज चल रहा है। इस संबंध में राहुल मिश्रा ने बताया कि बस खुलने के समय को लेकर भोलेनाथ बस के दो स्टाफ ने मिलकर उसके साथ मारपीट की है। उसके दाये हाथ समेत शरीर के विभिन्न हिस्सों में चोट लगी है।

भूमि विवाद में एक घायल, चल रहा इलाज

गढ़वा। गढ़वा थाना क्षेत्र के टंडवा टांड़ीपर गांव निवासी अरुण कुमार रजक पिता स्व.जय प्रकाश बैठा रविवार को मारपीट की घटना में गंभीर रुप से घायल हो गया। सदर अस्पताल में उसका इलाज चल रहा है। इस संबंध में अरुण कुमार रजक ने बताया कि उसका अपने भाई सुग्रीम बैठा के साथ भूमि विवाद है। इसे लेकर सुग्रीम बैठा, उसके पुत्र विकास रजक व आकाश रजक ने मिलकर अरुण कुमार रजक को पीटकर गंभीर रुप से घायल कर दिया।

किशोर घायल, अस्पताल में भर्ती

गढ़वा। गढ़वा थाना क्षेत्र के नवादा गांव निवासी सदानंद बिंद के पुत्र कुश कुमार रविवार को घायल हो गया। सदर अस्पताल में उसका इलाज चल रहा है। बताया गया कि कुश कुमार अपने घर में ही लकड़ी से सामान बनाने का काम कर रहा था। इस दौरान बंसीला छिटककर उसके पैर को जख्मी कर दिया।

युवक ने कीटनाशक खाकर आत्महत्या करने का किया प्रयास

नवीन मेल संवाददाता। गढ़वा

मझिआव थाना क्षेत्र के बकोईया गांव निवासी कईल चौधरी के पुत्र प्रभु चौधरी ने कीटनाशक खाकर आत्महत्या करने का प्रयास किया। उसे इलाज के लिए गढ़वा सदर अस्पताल में भर्ती किया गया है। घटना के संबंध में परिजनों ने बताया कि प्रभु चौधरी शराब के नशे में आकर कीटनाशक खा लिया। इसकी जानकारी मिलने के बाद परिजनों ने सदर अस्पताल में भर्ती करवाया।

मां की फटकार पर युवती ने खाया जहर

नवीन मेल संवाददाता। गढ़वा

पलामू जिले के पांडू थाना क्षेत्र के लेदुका गांव निवासी संजय चौधरी की पुत्री शोभा कुमारी ने कीटनाशक खाकर आत्महत्या करने का प्रयास किया। उसे इलाज के लिए गढ़वा सदर अस्पताल में भर्ती किया गया है। घटना के संबंध में बढ़िया ने बताया कि शोभा कुमारी की मां घरेलू कामकाज करने को लेकर उसे डांट फटकार की थी। इसी बात से आक्रोशित होकर शोभा कुमारी ने कीटनाशक खा लिया। घटना की जानकारी मिलने के बाद परिजन उसे सदर अस्पताल में भर्ती करवाया।

नियुक्ति | खरौंधी पहुंचने पर देवदत्त प्रसाद का हुआ स्वागत

उपप्रमुख संघ के जिलाध्यक्ष बने आर्य

नवीन मेल संवाददाता। खरौंधी(गढ़वा)

खरौंधी प्रखंड़ के उपप्रमुख देवदत प्रसाद आर्य को जिला उपप्रमुख संघ के अध्यक्ष पद पर चुने जाने पर प्रखंड़ के लोगों ने हर्ष व्यक्त किया है एवं उन्हें बधाई दी है। खरौंधी पहुचने पर लोगों ने जिला अध्यक्ष देवदत प्रसाद आर्य का लोगों ने भव्य स्वागत किया गया। रविवार को जिला मुख्यालय स्थित उत्सव गार्डन में जिला उप प्रमुख संघ की बैठक आयोजित की गई।

बैठक के दौरान जिला अध्यक्ष का चुनाव कराया गया। जिले में नवनिर्वाचित जिले के खरौंधी प्रखंड़ के उपप्रमुख देवदत्त प्रसाद आर्य को सर्व सहमति से जिला उपप्रमुख संघ का अध्यक्ष चुना गया।वही भंडरिया प्रखंड के उपप्रमुख श्रद्धा देवी को उपाध्यक्ष गढ़वा उपप्रमुख फैजुल

अंसारी को सचिव को उपसचिव आरती देवी रमकंडा, कोषाध्यक्ष अंजलि देवी, डंडई, उपकोषाध्यक्ष नंदू चौधरी, डंडा, संयोजक धर्मेंद्र प्रसाद यादव, धुरकी, उपसंयोजक अर्जुन पासवान सगमा, मीडिया प्रभारी पिंटू टोप्पो भवनाथपुर, प्रवक्ता शम्भू सिंह खरवार केतार को बनाया गया है। मौके पर मौके पर नवनिर्वाचित अध्यक्ष देवदत्त प्रसाद आर्य ने कहा कि जिले के सभी प्रखंडो के प्रतिनिधियों को हम साथ लेकर चलेंगे। प्रखंड़ के प्रतिनिधि हमारे एक परिवार हैं और उस परिवार के लोगों के लिए हम 24 घंटे खड़े हैं। कोई भी प्रखंड़ में किसी भी जनप्रतिनिधियों के साथ समस्या होती है। तो वह सीधा संपर्क करें। उनके हर समस्याओं का समाधान में संघ खड़ा रहेगा। देवदत प्रसाद आर्य संघर्ष के उपज है। राजनीति में कई दशक से सक्रिय रूप से भूमिका निभाई है। बधाई देने वाले में जिला परिषद सदस्य सह झामुमो सचिव धर्मराज पासवान, बिनोद यादव, हिफाजत अंसारी, अभिजीत किशोर, संतोष कुमार सिंह, अजय बैठा, अरविंद पासवान, राकेश उराँव, बाबूलाल पासवान, कृष्णा गुप्ता, अभिमन्यु कुमार, अरविंद कुमार, डॉ गिरवर गुप्ता, पंकज कुमार, सिया राम, सतेंद्र राम, अजित यादव सहित कई लोग शामिल हैं।

चतरा जिले के विभिन्न प्रखंडों में मनी भामाशाह जयंती

नवीन मेल संवाददाता। इटखोरी/सिमरिया (चतरा)

दानवीर भामाशाह की जयंती रविवार को चतरा जिले के इटखोरी, सिमरिया व गिद्धौर आदि प्रखंडों में समारोहपूर्वक मनाई गई। इटखोरी प्रखंड अंतर्गत मलकपुर में प्रयाग साव के नेतृत्व में दानवीर भामाशाह की जयंती मनाई गई।

इस मौके पर सिमरिया विधानसभा केनेता जितन राम, जिप सदस्य सरिता देवी, उप प्रमुख संजय कुमार गुप्ता आदि उपस्थित थे। इस दौरान सभी ने दानवीर भामाशाह के चित्र पर श्रद्धासुमन अर्पित कर उनके बताए मार्ग पर चलने का संकल्प लिया। मौके पर भरत साव, जिला उपाध्यक्ष संतोष साहू, जिला सचिव राखी गुप्ता, जिला उपाध्यक्ष युवा मोर्चा प्रमोद साहू, राजेश गुप्ता, कृष्णा साहू, कुसुम लता गुप्ता, प्रखंड कोषाध्यक्ष कर्नाकर साहू, प्रखंड अध्यक्ष युवा मोर्चा सुधीर साहू, ईश्वर साहू, सतीश शाह, अनिल साहू, हरि साहू, मनोज साहू के साथ प्रखंड कार्यकारिणी सदस्य आदि उपस्थित थे।

वहीं सिमरिया प्रखंड के सबानो, पगार, बानासाड़ी, सेरंदाग के अलावा अन्य पंचायत में दानवीर भामाशाह की जयंती धूमधाम से मनाई गई। सबानो में आयोजित कार्यक्रम का संचालन जिला कार्यसमिति सदस्य अशोक कुमार ने किया। वहीं जयंती कार्यक्रम का शुभारंभ पंचायत अध्यक्ष जगदीश साव, पंचायत सचिव प्रेमचंद साहू, प्रखंड उपाध्यक्ष तुलसी प्रसाद साहू, अर्जुन साहू, प्रखंड सचिव प्रदीप कुमार आदि ने दीप प्रज्वलित कर तथा भामाशाह के चित्र पर माल्यार्पण और पुष्प अर्पित कर किया। कार्यक्रम में बतौर मुख्य अतिथि झारखंड के पूर्व कृषि मंत्री योगेंद्र साव, पूर्व जिलाध्यक्ष धर्मेंद्र साहू, जिला संरक्षक देवनंदन साहू, नवीन साहू, अमित कुमार साहू, पूर्व प्रखंड अध्यक्ष प्रदुमन साहू, प्रखंड अध्यक्ष ईश्वरी साहू, नरेश साव आदि शामिल थे।

कार्यक्रम में शामिल पूर्व जिलाध्यक्ष ने कहा कि आगामी 28 अप्रैल को चतरा में दानवीर भामाशाह की जयंती मनाई जाएगी, जिसमें देश और प्रदेश स्तर के प्रमुख लोग शामिल होंगे, जिसमें समाज के सभी लोगों को शामिल होने के लिए बुलायस गया।

कोयला तस्करी के आरोप में दो लोग गिरफ्तार, तीन मोटरसाइकिल जब्त

बालूमाथ में मोटरसाइकिल से दिन-प्रतिदिन कोयला तस्करी की सूचना पर पुलिस ने की कार्रवाई

नवीन मेल संवाददाता। बालूमाथ

बालूमाथ थाना पुलिस ने मोटरसाइकिल से कोयला तस्करी के आरोप में दो लोगों को गिरफ्तार करने में सफलता पाई है।

बालूमाथ थाना प्रभारी प्रशांत प्रसाद ने बताया कि बालूमाथ में मोटरसाइकिल से दिन प्रतिदिन कोयला तस्करी की सूचना मिल रही थी। इस पर त्वरित कार्रवाई करते हुए थाना क्षेत्र के पचपेड़ी ग्राम के पास मोटरसाइकिल से कोयला ले जाते दो युवक पिंटू कुमार पिता हेमराज साव ग्राम कुर्रा थाना टंडवा दूसरा मनोज कुमार पिता कोलेश्वर साव ग्राम टोटी हेशला को गिरफ्तार किया गया है, जबकि तीसरा युवक भागने में सफल रहा। मौके से तीन मोटरसाइकिल जब्त की गई है। प्रत्येक मोटरसाइकिल में लगभग दो क्विंटल कोयला लदा हुआ है। इसकी बाजार में अनुमानित कीमत 4-5 हजार रुपया लगाई जा रही है। गिरफ्तार अभियुक्तों को लातेहार कारा भेज दिया गया है।

ज्ञात हो कि पुलिस क्षेत्र में हो रहे मोटरसाइकिल से कोयला तस्करी को रोकने के लिए हर संभव प्रयास कर रही है। पहले भी कोयला तस्करी के आरोप में कई लोगों को जेल भेजा जा चुका है। पुलिस द्वारा मोटरसाइकिल से कोयला तस्करी पूरी कार्रवाई से कोयला तस्करों पर हड़कंप है। मोटरसाइकिल से कोयला तस्करी कर आसपास के भट्टा पर बेचा जाता है, जिसकी पुलिस अनुसंधान जारी है। वहीं इस छापेमारी अभियान में बालूमाथ थाना पुलिस के पेट्रोलिंग वाहन के साथ-साथ पुलिस के कई जवान शामिल रहे।

NEWS इन ब्रीफ

कंप्यूटर इंस्टीट्यूट सेंटर का उद्घाटन

हंटरगंज(चतरा)। चतरा जिले के हंटरगंज प्रखंड अंतर्गत पाण्डेयपुरा स्कूल रोड के पास सहेंद्र कंप्यूटर इंस्टीट्यूट सेंटर का रविवार को शुभारंभ किया गया। सेंटर का उद्घाटन मुखिया रेणु देवी के द्वारा विधिवत फीता काट कर किया गया। इस अवसर पर मुखिया ने कहीं कि आज के समय में शिक्षा के साथ कंप्यूटर की शिक्षा भी बहुत जरूरी है। क्यों की कंप्यूटर आज की सबसे अहम जरूरत बन गयी है। इसके बिना अब जीवन की कल्पना नहीं की जा सकती है। कंप्यूटर संचालक सहेन्दर कुमार ने कहा की अभी शुरूआती दौर में सीसीसी, डीसीए, एडीसीए, डीटीए व डीएफए ट्रेनिंग कोर्स संचालित किया जा रहा है। कार्यक्रम में सुनील रजक, शिक्षक पवन प्रसाद, सतेन्द्र यादव, शिक्षिका रेखा देवी, गौतम शमिल थे।

दुवारी गांव की 92 वर्षीय वृद्धा की मौत

गिद्धौर (चतरा)। गिद्धौर प्रखंड क्षेत्र के दुवारी पंचायत निवासी फूलमती देवी 95वर्ष पति मतल ठाकुर के निधन पर शेक व्याप्त हो गया है। परिजनों के अनुसार वृद्धा लंबे समय से बीमार चल रही थी। फूलमती देवी के निधन पर नाई समाज के लोगों ने शोक व्यक्त किया है। शोक व्यक्त करने वालों में महेश ठाकुर, टोपन ठाकुर, लखन ठाकुर, सुदामा ठाकुर, अमृत ठाकुर, सुरेश ठाकुर, अजय ठाकुर, चांदो ठाकुर व मनीष ठाकुर आदि का नाम शामिल है।

उपायुक्त व डीएसई से लगाई गुहार

एमडीएम की रसोईये ने सचिव पर लगाया मनमानी का आरोप

नवीन मेल संवाददाता। इटखोरी (चतरा)

चतरा जिला अंतर्गत इटखोरी प्रखंड क्षेत्र के सरकारी स्कूलों में मध्याह्न भोजन (एमडीएम) बनाने वाली रसोईया को पदमुक्त करने का मामला लगातार प्रकाश में आ रहा है। ताजा मामला जिले के इटखोरी प्रखंड अंतर्गत नवादा पंचायत के नावाडीह उमवि का मामला सामने आया है।

नावाडीह उमवि की रसोईया मालती देवी व कुन्ती देवी ने उपायुक्त अबु इमरान व जिला शिक्षा अधीक्षक सह अनुमंडल शिक्षा पदाधिकारी को आवेदन देकर न्याय की गुहार लगाई है। आवेदन में कहा गया है कि हमलोग दोनों रसोईया 20 वर्षों से उमवि नावाडीह में कार्यरत हैं और समन्वय बनाकर भोजन बनाने का कार्य करते आ रहे हैं। लेकिन विद्यालय के प्रधानाध्यापक सह सचिव अमर किशोर सिंह और पंचायत समिति सदस्य पति महेन्द्र रविदास महिला शिक्षिका गीता कुमारी ग्रामीणों के साथ साठ-गांठ कर गलत तरीके से राजनीति के तहत जानबुझकर विभाग पर दबाव डालकर 22 फरवरी 2023 को बैठकर कर हटा दिया गया है और नये रसोईया का चयन कर लिया गया है। हमदोनों रसोईया 2002 से 100 रुपए मानदेय पर कार्य करते आ रहे हैं। वर्तमान सरकार ने हमलोंगें के मानदेय में 2000 की बढ़ोतरी एवं 10 माह के बदले 12 माह का मानदेय और 60 वर्ष तक की सेवा करने का घोषणा किया है।

आगे आरोप लगाया गया है कि मध्याह्न भोजन का सारा सामान संयोजिका के घर में रखा जाता है तथा अमर किशोर सिंह के पदस्थापन के उपरांत हमदोनों रसोईया को नीची जाति समझकर मानसिक शोषण करते आ रहे हैं और गांव में गंदा राजनीति तथा छोटे-छोटे गलती को गांव के लोगों साथ सार्वजनिक करते है, ताकि ग्रामीण रसोईया को हटा सके। आवेदन में बताया गया है कि कुन्ती देवी के पति बिरेन्द्र साव व बच्चे दिव्यांग है। ज्ञात हो कि इससे पहले मलकपुर पंचायत के उत्कर्मित मध्य विद्यालय खौराकला के रसोईया महिला सविता देवी ने प्रधानाध्यापिका पर मनमानी तरीके से पदमुक्त करने का आरोप लगाई थी। जिसकी जांच चल रही है।

अज्ञात वाहन की टक्कर से बाइक सवार दो की मौत

चंदवा। एनएच-75 स्थित चंदवा थाना क्षेत्र के अंतर्गत सेन्हा गांव के समीप शनिवार की देर शाम सड़क दुर्घटना में दो युवकों की मौत हो गई, जबकि एक युवक गंभीर रूप से घायल हो गया, जिसे स्थानीय लोगों ने कुडू प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र पहुंचाया। मृतकों की पहचान सुकेश मुंडा (18) -पिता बुतरू मुंडा, अजय यादव (18)-पिता स्व. सुकरा यादव के रूप में हुई है। दोनों हेसला लाधुप-थाना चंदवा निवासी है। घायल की पहचान सुमन गंझू -पिता स्व. डोमन गंझू हेसला लाधुप निवासी के रूप में हुई है। रविवार सुबह दोनों शवों का अंत्यपरीक्षण कर परिजनों को सौंप दिया गया।

जानकारी के अनुसार एक बाइक पर सवार होकर तीनों युवक कुडू की ओर से हेसला गांव की ओर जा रहे थे। इसी क्रम में विपरीत दिशा से आ रहे अज्ञात वाहन ने कांति झरना द्वार के ठीक सामने उनकी बाइक को जोरदार टक्कर मार दी। घटना इतनी जबरदस्त थी कि घटनास्थल पर ही दो युवकों की मौत हो गई। घटना के बाद आसपास के ग्रामीणों ने घटनास्थल पर ही एनएच को जाम कर दिया। इसके बाद चंदवा एवं कुडु थाना की पुलिस घटनास्थल पहुंची और ग्रामीणों को समझा बुझाकर सड़क जाम को खुलवाया। दो युवकों की मौत की खबर सुनकर उनके परिवारों में कोहराम मच गया।

पूर्व भाजपा विधायक की माता का रिम्स में निधन

नवीन मेल संवाददाता। बारियातु

लातेहार विधानसभा क्षेत्र के पूर्व विधायक सह भाजपा नेता प्रकाश राम की माता जीरा देवी (85) का रविवार की सुबह इलाज के दौरान रिम्स रांची में निधन हो गया। पार्थिव शरीर को अंतिम दर्शन के लिए बारियातु स्थित पूर्व विधायक के पैत्रिक आवास पर लाया गया। जहां बारियातु के आसपास के गांव समेत, बालूमाथ, चंदवा, हेरहंज, लातेहार, चतरा, सिमरिया, हजारीबाग, रांची, मेदिनीनगर समेत अनेक जगहों से लोगों का हुजूम उमड़ पड़ा। पूर्व विधायक ने बताया कि उनकी माता का घर में गिर जाने से हड्डी फ्रैक्चर होने के बाद कुछ दिनों से रिम्स में इलाज चल रहा था। इलाज के दौरान ही सुबह अंतिम सांस ली।

जीरा देवी अपने पीछे दो पुत्र पूर्व विधायक प्रकाश राम व बारियातु जिप सदस्य रमेश राम व 6 पुत्रियों को छोड़ गयी है। अंतिम दर्शन के लिए भाजपा प्रदेश प्रवक्ता प्रतुलनाथ शाहदेव, चतरा के पूर्व विधायक जनार्दन पासवान, बालूमाथ एसडीपीओ अजित कुमार, चतरा लोकसभा क्षेत्र की पूर्व प्रत्यासी सह भाजपा नेत्री नीलम देवी, जिला परिषद सदस्य प्रियंका देवी, लाल कौशल नाथ शाहदेव, जुनैद अनवर, सिमरिया के पूर्व प्रत्यासी बिनोद बिहारी पासवान, बारियातू थाना प्रभारी मुकेश चौधरी, नरेंद्र चौबे, सुरेश सिंह, कुडु अंचल अधिकारी प्रवीन सिंह, भाजपा नेता चेतलाल रामदास, भाजपा जिला महामंत्री पंकज सिंह, अहद खान, पूर्व उपप्रमुख संजीव सिन्हा, राजद नेता सुरेश राम, महेंद्र प्रसाद लातेहार, चंदवा सांसद प्रतिनिधि महेंद्र प्रसाद, राजकुमार पाठक, हाफिज मो एहसान, चंदवा भाजपा मंडल अध्यक्ष अमित गुप्ता, सुरेंद्र प्रसाद वैद्य, हेरहँज भाजपा मंडल अध्यक्ष मनीष जायसवाल, अजय सिंह, बारियातू मंडल अध्यक्ष लव कुमार सिंह आदि शोक व्यक्त किया।

मंजुआखाड़ में चापाकल खराब पेयजल के लिए ग्रामीण परेशान

नवीन मेल संवाददाता। बारियातु

प्रखंड के फूलसु पंचायत अंतर्गत मतकोमा के मंजुआखाड़ टोला में पिछले एक माह से चापाकल खराब रहने के कारण पेयजल के लिए ग्रामीण काफी परेशान हैं। ग्रामीण नेमा गंझु, आरती देवी, बबिता देवी, संदीप गंझु, फूलदेव गंझु, ललिता देवी, धानो देवी सहित अन्य ग्रामीणों ने बताया कि मतकोमा टोला मे चापानल पिछले एक माह से खराब पड़ा हुआ है, जिसके कारण हम सभी ग्रामीणों को बहुत दूर से पानी लाकर पेयजल की जरूरत पूरी करनी पड़ रही है। वहीं अन्य कार्य के लिए भी काफी कठनाई हो रही है। इधर गर्मी भी अपनी दस्तक जोरों पर दे रही है। हमलोग बारियातु प्रखंड के अंतिम छोर के गांव मतकोमा स्थित मंजुआखाड़ टोला में निवास करते हैं। मंजुआखाड़ के ग्रामीणों ने उपायुक्त से चापाकल मरम्मत करवा पेयजल सुविधा बहाल कराने की मांग की है।

गंभीर बीमारी से ग्रस्त बच्चे को मदद की दरकार

इटखोरी(चतरा)। इटखोरी प्रखंड अंतर्गत शहरजाम पंचायत के बिष्णापुर गांव निवासी किसान सुबोध प्रजापति का 3 वर्षीय पुत्र देव कुमार प्रजापति गंभीर बीमारी से ग्रस्त है। देव कुमार का इलाज रांची एचसीजी हॉस्पिटल में चल रहा था। तीव्र ल्यूकेमिया बीमारी है। इस बीमारी में बोन मैरो ट्रांसप्लांट कराने की जरूरत है। पिता सुबोध प्रजापति ने बताया कि इलाज के लिए मुंबई के सीटीसी हॉस्पिटल में 12 से 15 लाख रुपये अनुमानित खर्च लगेगा। मैं इतनी बड़ी राशि जुटाना संभव नहीं है। पिता ने बालक की तस्वीर और बैंक खाता 84056802051 व आइएफसी एसबीआइएन ओआरआरभीसीजीबी सहित मोबाइल नंबर 9967098371 (फोन पे) साझा कर मद की अपील आम लोगों से की है।

मनिका में आंबेडकर चौक पर बाबा साहेब की विशाल प्रतिमा लगेगी

नवीन मेल संवाददाता। मनिका

प्रखंड मुख्यालय स्थित आंबेडकर चौक के प्रांगण में रविवार को आंबेडकर चेतना मंच की ओर से डॉ. भीमराव आंबेडकर की विशाल प्रतिमा लगाने को लेकर बैठक की गई। बैठक सविता दास की अध्यक्षता में हुई।

बैठक में आंबेडकर चेतना मंच के सचिव मिथिलेश पासवान ने कहा कि मनिका प्रखंड मुख्यालय में डॉ. भीमराव आंबेडकर की विशाल प्रतिमा स्थापित की जाएगी। वहीं प्रतिमा के अनावरण में सभी वर्गों के लोगों को शामिल करेंगे। उन्होंने बताया कि संविधान दिवस से पहले ही डॉ. भीमराव आंबेडकर की विशाल प्रतिमा स्थापित कर दी जाएगी। मौके पर आंबेडकर चेतना मंच के सचिव मिथिलेश पासवान, संदीप पासवान, सविता दास, कृष्णा कुमार राम, विजेंद्र कुमार, मिथिलेश कुमार रवि, अरविंद कुमार, रंजीत कुमार, पप्पू कुमार, रामकृष्ण कुमार रमन समेत कई लोग उपस्थित थे।

आस्था | ईद मिलन समारोह में बोले एसडीपीओ

अल्लाह का तोहफा है ईद का त्योहार

नवीन मेल संवाददाता। बालूमाथ

एक महीने निरंतर परवरदिगार के हुक्म से रोजा रखने के बाद रमजान की विदाई के उपलक्ष्य में ईद जैसा त्योहार अल्लाह का अपने बंदों के लिए बेहतरीन उपहार है।

उक्त बातें बालूमाथ एसडीपीओ अजित कुमार गालिब कॉलोनी स्थित झामुमो नेता मो. इमरान के आवास पर आयोजित ईद मिलन समारोह में कही। उन्होंने कहा कि बालूमाथ की धरती सौहार्द की मिशाल है। यहां के लोगों के दिलों में एक दूसरे के प्रति बेशुमार प्यार है। एसडीपीओ ने कहा कि नफरत को प्यार से ही मात दी जा सकती है। पुलिस इंस्पेक्टर शशि रंजन कुमार ने कहा कि बालूमाथ सामाजिक सौहार्द के मामले में अन्य जगहों के लिए एक मिशाल है। बालूमाथ थाना प्रभारी प्रशांत प्रसाद ने कहा कि ईद के मौके पर लोगों के दिलों और चेहरों में जो खुशी है वो सालों भर कायम रहे यही मेरी चाहत है। बारियातू थाना प्रभारी मुकेश चौधरी ने कहा कि जैसी आवाज लगती है, वैसा मिजाज बनता है। और जैसा मिजाज बनता है, वैसा समाज बनता है। मौके पर मदरसा खैरुल उलूम के सर्परस्त हाजी मो इस्लाम, पत्रकार कमरुल आरफी, एसआई दुति कृष्ण महतो, निशांत कुमार, मो अशफाक, मो जुल्फिकार, मो वसीम समेत कई लोग मौजूद थे।

शराब दुकान कर्मियों ने लगाया पूर्व कोऑर्डिनेटर पर वसूली का आरोप

नवीन मेल संवाददाता। लातेहार

जिले में शराब की दुकान में बहाली के नाम पर प्राइम वन कंपनी के पूर्व कोऑर्डिनेटर रंजीत प्रसाद पर सिक्योरिटी मनी के नाम पर 50000 रुपये लेने का लगाया गया है। यही नहीं, मानदेय दिलाने के नाम पर अलग से 2000 की उगाही करने का आरोप भी लगाया है। प्राइम वन कंपनी में कार्यरत शराब कर्मचारी अमर साव व राकेश यादव ने पूर्व कोऑर्डिनेटर रंजीत प्रसाद पर आरोप लगाया है कि सिक्योरिटी मनी के नाम पर हम लोगों से 50000 रुपये लिए गए। यह भुगतान रंजीत प्रसाद के फोन पे राजन प्लाई बोर्ड मनिका स्थित दुकान के माध्यम से लिया गया था। इसके साथ ही 20000 रुपये नकद भुगतान हमने किया है। हमारे पास इसके सारे प्रमाण हैं। इसके बावजूद हमें बार-बार आश्वासन मिलने के बाद भी आज तक न तो हमारा पैसा वापस मिला और न ही मानदेय का भी भुगतान नहीं हुआ है। वहीं अमर ने प्राइम वन कंपनी के कोऑर्डिनेटर रंजीत पर आरोप लगाते हुए कहा कि बीते दिनों वह हमारे साथ दुकान से घर वापस जा रहे थे। चंदवा में हमें बंधक बनाकर मारपीट की गई और जबरन हमसे फोन पे पर 19000 रुपये डलवाए गए। जब हम पुलिस कंप्लेन के लिए गए तो हमसे बोला कि मैं पैसा वापस कर दूंगा, लेकिन आज तक न तो हमें पैसा वापस मिला और न ही हमें मानदेय मिला। रंजीत प्रसाद की ओर से हमें ओवर रेटिंग करने का का दबाव दिया जाता था और साथ में शराब में मिलावट करने के लिए भी बोला जाता था। इस तरह से नहीं करने पर हमें धमकी दी जाती थी कि काम से निकाल दिए जाओगे वरना मिलावट करना ही होगा। जब हमने पत्रकारों से रंजीत प्रसाद की शिकायत की तब वह फोन कर कहता है कि पत्रकारों को कुछ मत बताना बोल देना। यह कोई मामला नहीं है। तुमको नौकरी में रखेंगे भी और पैसे भी वापस करेंगे। बार-बार फोन करने के बाद भी वह फोन नहीं उठाते।

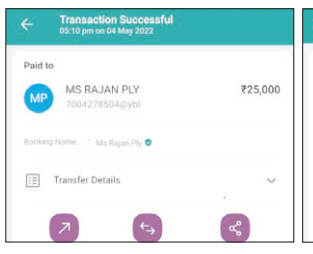

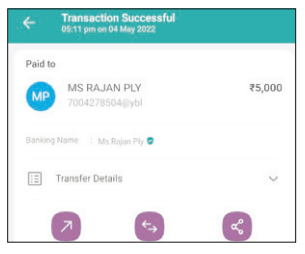

लातेहार में पेड़ से लटका मिला युवक का शव, हत्या की आशंका

लातेहार। सदर थाना क्षेत्र स्थित डूडंगी गांव में रविवार सुबह पेड़ पर लटका एक युवक का शव बरामद हुआ है। मृतक की पहचान राजीव सिंह के रूप में हुई है। लातेहार पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए सदर अस्पताल भेज दिया है। पुलिस मामले की जांच में जुटी हुई है। परिजनों ने हत्या की आशंका जतायी है।

सदर थाना प्रभारी चंद्रशेखर चौधरी ने बताया कि प्रथम दृष्टया यह आत्महत्या का मामला लग रहा है। बताया कि परिजनों के अनुसार राजीव सिंह का किसी दूसरी लड़की से प्रेम प्रसंग था। इसको लेकर उसकी पत्नी से उसकी कहासुनी हुई थी। गुस्से में वो घर से बाहर निकल गया था और रात भर घर नहीं लौटा। सुबह उसका शव पेड़ से लटका मिला। हालांकि पुलिस ने कहा कि वह इस मामले से जुड़ी हुई हर बिंदु की जांच कर रही है।

वीर कुंवर सिंह का विजयोत्सव मनाया गया

नवीन मेल संवाददाता। भंडरा

रणबांकुरा बाबू वीर कुंवर सिंह जी का विजय उत्सव ग्राम भैसमुन्दो के समुदायिक भवन में क्षत्रिय महासभा द्वारा विवेक सिंह की अध्यक्षता में मनाया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ बालकृष्णा सिंह के द्वारा माल्यार्पण एवं दीप प्रज्वलित कर किया गया। मौके पर उन्होंने कहा कि बाबू वीर कुंवर सिंह 80 वर्ष की उम्र में अंग्रेजों के दांत खट्टे किए थे। उन्होंने कभी अंग्रेजों की गुलामी स्वीकार नहीं की। इस उम्र में उन्होंने तत्कालीन पूरे बिहार के क्षत्रियों को एकजुट कर आजादी की लड़ाई में कूदा और अंग्रेजों के दांत खट्टे किए। तत्कालीन बिहार के अपने सम्राज्य क्षेत्र से उन्होंने अंग्रेजों को भागने पर मजबूर किया। युद्ध के दौरान गंगा पार करते हुए उनके हाथ में अंग्रेजो के द्वारा चलाई गई गोली लगी। तब उन्होंने भारत माता की जयघोस करते हुए अपने हाथ खुद अपने तलवार से काटते हुए गंगा मैया को समर्पित कर

दिया। उनके विचारों और साहसिक कदम को हमारे आने वाली पीढ़ियों को जानना चाहिए ताकि समय-समय पर अपने पूर्वजों की वीर गाथा को जान सके और लोगों को बता सकें। इस अवसर पर बालकृष्णा सिंह, अभिषेक सिंह, विवेक सिंह, आनंद सिंह, मधुसूदन सिंह, अटम सिंह, सूरज, राजेश, सुदन, मनोज, संध्या कुमारी, रूपेश सिंह आदि लोग उपस्थित थे।

बाल विवाह रोकथाम व ट्रैफिकिंग को लेकर किया जागरूकता

बांसजोर। कैलाश सत्यार्थी चिल्ड्रन फाउंडेशन एवं छोटा नागपुरी कल्याण निकेतन सिमडेगा एवं बांसजोर के थाना प्रभारी के सहयोग से रविवार को बाल विवाह की रोकथाम एवं अक्षय तृतीया और ईद के मद्देनजर थाने में बैठककी गई। इसमें थाना प्रभारी के साथ थाने के कर्मचारी मौजूद थे। सभी को बाल मजदूरी, यौन उत्पीड़न, 18 साल से कम आयु की बच्चियों एवं बच्चों को लेकर जागरूकता जागरूक किया गया। बताया कि लोगों को टोल फ्री नंबर चाइल्ड लाइन 1098 पर कॉल करके बच्चियों को बाल विवाह और दूसरों के चंगुल में फंसे बच्चियों में माताओं को मदद पहुंचाया जा सके।

बोलबा प्रखंड के अलिंगुड गांव में मनाई गई वीर कुंवर सिंह जयंती

नवीन मेल संवाददाता। बोलबा

बोलबा प्रखंड के अलिंगुड गाँव के चबूतरे पर बीर कुंवर सिंह की जयंती मनाई गई। इस मौके पर समाज के सदस्य लखन सिंह, गौरी शंकर सिंह एवं विश्वा सिंह ने संयुक्त रूप से बाबू बीर कुंवर सिह के चित्र पर माल्यार्पण किया गया। इसके साथ ही उनके जीवनी पर प्रकाश डाला गया।

बताया गया कि उनका जन्म बिहार के भोजपुर जिला के जगदीशपुर मे जन्म हुआ था। उन्होने अस्सी वर्ष की उम्र मे ईस्ट इन्डिया कंपनी के अंग्रेजी हुकूमत से लोहा लिया था। पहली स्वतंत्रता संग्राम 1857 के जिसे सिपाही विद्रोह कहा जाता है। उसमें बिहार का प्रतिनिधित्व किया था। यही प्रयास को आगे बढाते हुए भारत को 1947 मे अंग्रेजों की गुलामी से आजादी मिली। आज भी हमारे समाज को उनके आदर्शों से शिक्षा लेनी है। इस मौके पर कार्यक्रम मे लखन सिंह, गौरीशंकर सिंह, विश्वा सिंह, दीपक सिंह, नान्हू सिंह, विदुर सिंह, विजय कुमार सिंह, सोनू प्रधान एवं सुरेश महतो व अन्य समाज के सदस्य मौजूद थे।

NEWS इन ब्रीफ

निकाली गई स्वच्छता पर जागरूकता रैली

बोलबा। बोलबा प्रखंड मुख्यालय में राष्ट्रीय पंचायती राज दिवस के मौके पर स्वच्छता पर जागरूकता रैली निकाली गई। इस मौके पर समसेरा पंचायत के मुखिया सुरजन बड़ाईक, कस्तूरबा गांधी आवासीय विद्यालय के वार्डन कमला कुमारी आदि मौजूद थे।

डायोसिस संडे स्कूल दिवस का आयोजन

बानो। सीएनआई चर्च बानो में डायोसिस संडे स्कूल दिवस मनाया गया। कार्यक्रम में पुरोहित जैकलीन बोदरा, जिला परिषद बिरजो कंडुलना, संडे स्कूल के अधीक्षक अनूप मिंज, उकौली मुखिया कृपा हेमरोम, आमुस कंडुलना उपस्थित थे।

समिति का विस्तार

सिमडेगा। सिमडेगा में रविवार को राष्ट्रीय परशुराम सेना भार्गव के सिमडेगा जिला कार्यकारी कमेटी का विस्तार किया गया। इसमें बुद्धिजीवी मंच जिला अध्यक्ष लाल बाबा, जिला कार्यकारी जिलाध्यक्ष चंदन प्रसून, सिमडेगा जिला कार्यकारी सचिव उदय पाठक, सिमडेगा जिला संरक्षक रणधीर रंजन, सिमडेगा जिला संगठन प्रभारी धनंजय सिंह, सिमडेगा जिला महामंत्री निरंजन सिंह को बनाया गया।

आदिवासी लोहरा समाज की हुई बैठक

कोलेबिरा। प्रखंड के नवाटोली बगीचा में रविवार को आदिवासी लोहरा समाज की एक बैठक हीरा राम आदिवासी लोहरा समाज के जिला उपाध्यक्ष के अध्यक्षता में हुई। बैठक में मुख्य रूप से गुमला और सिमडेगा जिले के संयुक्त वार्षिक सम्मेलन एवं जाति प्रमाण पत्र निर्गत होने में हो रही परेशानी पर चर्चा की गई।

कब्रिस्तान घेराबंदी को लेकर हुई बैठक

कुरडेग। प्रखंड के सरईपानी जीएल चर्च कब्रिस्तान घेराबंदी के संबंध में रविवार को ग्रामीणों की बैठक हुई। इसमें बताया गया कि कब्रिस्तान में वर्तमान स्वरूप आगामी दिनों में दफनाने के लिए बिल्कुल जगह नहीं है। चारों ओर गैरमजरूआ जमीन जो है उसे शामिल करते हुए कब्रिस्तान की भूमि का विस्तार किया जाएगा और भूमि की मापी कराते हुए घेराबंदी कराई जाएगी।

शव मिलने से क्षेत्र में फैली सनसनी

सरहुल देखने आई वृद्ध महिला की सड़क दुर्घटना में हुई मौत

नवीन मेल संवाददाता। सेन्हा

सेन्हा थाना क्षेत्र के मुर्की तोड़ार पंचायत अन्तर्गत तोड़ार पखन टोली ग्राम में वृद्ध महिला का शव मिलने पर क्षेत्र में सनसनी फैल गई। वहीं ग्रामीणों द्वारा इसकी सूचना सेन्हा थाना प्रभारी को दी गई। घटना की सूचना पर धनंजय कुमार पासवान एवं पु0आ0नि0 संतोष कुमार दलबल के साथ घटना स्थल पहुंच शव को कब्जे में लेते हुए पोस्टमार्टम के लिये सदर अस्पताल लोहरदगा भेजा गया। साथ ही जांच में पुलिस जुट गई। शव की पहचान डोका निवासी स्व. रोजना उराँव की 76 वर्षीय पत्नी एते उराइन के रूप में की गई। बताया जाता है कि वृद्ध महिला तोड़ार ग्राम में सरहुल देखने आई हुई थी। देर शाम तक उसे गांव में देखा गया था, परंतु घर जाने के दौरान किसी गाड़ी की चपेट में आने से उसकी मौत घटना स्थल पर हो गया। बता दें कि शव के दोनो हाथ में गम्भीर चोट के निशान हैं। साथ ही अंदरूनी चोट होने की बात कही जा रही है। वहीं थाना प्रभारी धनंजय कुमार पासवान ने कहा कि शव को देखने से प्रथम दृष्टया सड़क दुर्घटना में मौत होने की संभावना लग रही है। फिलहाल शव को पोस्टमार्टम हेतु सदर अस्पताल भेजा जा रहा है। पोस्टमार्टम के पश्चात ही मौत होने का कारण पता चल पायेगा। शव को पोस्टमार्टम के लिये भेज पुलिस अग्रतर कारवाई में जुटी हुई है।

बूढ़ा पहाड़ में भंवर मधुमक्खी के काटने से एक महिला गंभीर

नवीन मेल संवाददाता। बोलबा

बोलबा प्रखंड के अवगा बूढ़ा पहाड़ गांव में भंवर मधुमक्खी के काटने से एक महिला हुई गंभीर रूप से घायल हो गयी। उसे इलाज के लिए बोलबा अस्पताल लाया गया। घटना के संबंध में मिली जानकारी के अनुसार रविवार की सुबह 9:00 बजे बूढ़ा पहाड़ गांव की एक महिला सफिरा केरकेट्टा एवं उसका पति अजीत केरकेट्टा ने बूढ़ा पहाड़ जंगल की ओर चिरौंजी तोड़ने गया था। इसी क्रम में भंवर मधुमक्खी ने हमला कर दिया। इसमें सफिरा केरकेट्टा उम्र 40 वर्ष ने गंभीर रूप से घायल हो गया। इस मौके पर घायल कोई इलाज के लिए तत्काल ग्रामीणों की सहायता से अस्पताल लाया गया। जहां डॉक्टर देबातोष भुटिया की देखरेख में इलाज चल रहा है बताया गया कि भंवर मधुमक्खी बुढ़ापहाड़ जंगल से अस्पताल तक पीछा करते हुए कुछ संख्या में अस्पताल के अंदर भी घुसते देखा गया। मरीज की हालत में कुछ सुधार आया है।

कुजाम, चिरोडीह माइंस में लोडिंग कार्य एवं कांटा बंद रहेगा : एसो.

लोहरदगा। लोहरदगा गुमला ट्रक ऑनर एसोसिएशन के पदाधिकारियों और कार्यकारिणी सदस्यों की एक बैठक पतराटोली में संपन्न हुई। इसमें इस बात पर चर्चा की गई कि हिंडाल्को कंपनी अपने तय किए गए वादे से मुकर रही है एवं तानाशाही रवैया अपना रही है, जिसके विरोध में कुजाम एवं चिरोडीह माइंस में 22 अप्रैल से जो कांटा जाम किया गया है, वह अनिश्चितकाल के लिए जारी रहेगा और लोडिंग कार्य भी 24 अप्रैल से अनिश्चितकालीन बंद रहेगा। इसके अलावा हिंडाल्को कंपनी अगर 26 अप्रैल तक एसोसिएशन की मांगों को नहीं मानती है तो उसके बाद अम्तिपानी एवं विमरला के ट्रकों का परिचालन भी ठप कर दिया जाएगा, जिसकी सारी जवाबदेही कंपनी की होगी।

विदित है कि एसोसिएशन कंपनी से कुजाम एवं चिरोडीह माइंस में सामान ट्रिप की मांग कर रहा है जबकि कंपनी अपने वादे के मुताबिक पीछे हट रही है। बैठक में मुख्य रूप से लोहरदगा गुमला ट्रक ओनर एसोसिएशन के अध्यक्ष कवलजीत सिंह, उपाध्यक्ष अभय सिंह, रहमत अंसारी, मोहम्मद गुड्डू, राजेश शर्मा, जन्नु मुंडा, बरज सिंह, इनामुल अंसारी, मुंतजीर आलम, तारीक खान, इरशाद खान, मोहम्मद मुन्ना, सुनील साहू, तारकेश्वर महतो, मोनू शराफ, गंगा प्रसाद, मोहम्मद तसलीम आदि उपस्थित रहे।

शिव मंदिर निर्माण को लेकर हुआ भूमि पूजन

नवीन मेल संवाददाता। सिमडेगा

सिमडेगा सदर प्रखंड अंतर्गत बड़ाबरपानी गांव में रविवार अक्षय तृतीया के मौके पर भव्य शिव मंदिर निर्माण कार्य को लेकर भूमि पूजन का आयोजन किया गया। भूमि पूजन में मंदिर निर्माण समिति के अध्यक्ष अरुण सिंह सपत्नीक एवं देवेंद्र अग्रवाल सपत्नीक यजमान की भूमिका निभाई। जबकि पुरोहित के रूप में संजय पाठक ने सभी प्रकार के धार्मिक अनुष्ठान संपन्न कराएं।

वहीं इस कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में विश्व हिंदू परिषद के जिला अध्यक्ष कौशल राज सिंह देव रामरेखा धाम के कार्यकारी अध्यक्ष अमरनाथ बामलिया विहिप कोषाध्यक्ष मुरारी प्रसाद एवं पंचायत के मुखिया रेखा निराली बरवा उपस्थित हुए। इस मौके पर धर्म सभा का आयोजन हुआ जहां पर मुख्य अतिथि के रूप में आए भीम के जिला अध्यक्ष कौशल राज सिंह देव ने कहा कि बड़ाबरपानी गांव में लंबे समय से लोगों का सपना था। वहीं रामरेखा धाम के कार्यकारी अध्यक्ष अमरनाथ बामलिया ने हर संभव सहयोग देने की बात कही। पंचायत के मुखिया ने भी आए हुए लोगों का आभार व्यक्त किया। मौके पर अध्यक्ष के रूप में अरुण सिंह, उपाध्यक्ष संतोष साहू, ओम प्रकाश प्रसाद, रमेश माझी, अनुज केरकेट्टा, मणि भूषण सिंह, सचिव अनिल प्रसाद, सचिव पंकज दास, कोषाध्यक्ष देवानंद सिंह, संगठन मंत्री अशोक दास, धनेश्वर नायक, पवन जैन विकास साहू, शिशु मंदिर के प्राचार्य राजेंद्र साहू, लहरु सिंह, सत्यनारायण प्रसाद श्रद्धानंद बेसरा राम आदि उपस्थित रहे।

कोयल नदी से अवैध बालू उठाव करता ट्रैक्टर जब्त

नवीन मेल संवाददाता। सेन्हा

सेन्हा थाना क्षेत्र के कंडरा कोयल नदी से अवैध बालू उठाव पर कारवाई करते हुए सेन्हा थाना प्रभारी धनंजय कुमार पासवान द्वारा एक ट्रैक्टर को जब्त कर थाना लाया। ईद पर्व को लेकर सुरक्षा व्यवस्था का जायजा लेने के लिये प्रशासन क्षेत्र में भ्रमण कर रही थी। उसी दरमियान कोयल नदी से बालू का उठाव किया जा रहा था। इस पर थाना प्रभारी का नजर पड़ते ही त्वरित कारवाई कर टैक्टर को पकड़ा लेकिन चालक कोयल नदी में गाड़ी छोड़ भाग गया। जब्त टैक्टर में रजिस्टेशन नम्बर अंकित नहीं है। वहीं थाना प्रभारी धनंजय कुमार ने कहा अवैध रूप से बालू का उठाव ट्रैक्टर चालक एवं लेबर के द्वारा किया जा रहा था। और पुलिस गाड़ी देख गाड़ी को छोड़ चालक एवं लेबर भाग निकला। ट्रैक्टर के विरुद्ध खनन अधिनियम के तहत कारवाई हेतु अंचलाधिकारी को सूचित किया गया है।

बैठक में वन अधिकार कानून 2006 पर चर्चा

सिमडेगा। सदर प्रखंड के गरजा पंचायत के गरजा ग्राम में रविवार को वनाधिकार समिति की बैठक अपलुस एक्का की अध्यक्षता में किया गया।इस बैठक में झारखंड जंगल बचाओ आंदोलन जनसंगठन एवं ग्राम सभा मंच के मीडिया प्रभारी खुशीराम कुमार को बुलाया गया था। इस अवसर पर खुशीराम कुमार ने कहा कि वनाधिकार कानून 2006 एक केंद्रीय कानून है जो जम्मू और कश्मीर को छोड़कर सम्पूर्ण भारत देश में लागू है। जिसे हमें हर हाल में पालन करना होगा। ये कानून हमारे लिए रक्षा कवच के रुप में है। इसलिए हमें अपने जंगलों की जैव विविधता की रक्षा करने के साथ साथ सरंक्षण,संवर्धन और प्रबंधन करते हुए रक्षा करना होगा जिससे कि पृथ्वी के साथ साथ पर्यावरण बची रहे।

बिजली तार टूटने से ग्रामीणों को करना पड़ रहा परेशानी का सामना

नवीन मेल संवाददाता। सेन्हा

सेन्हा प्रखंड क्षेत्र के बुटी पंचायत ग्राम स्थित खेत में 11 हजार बिजली तार टूट कर गिरने से खतरा बना हुआ है। बिजली का तार गिरने से मवेशी व चरवाहा या अन्य किसी के साथ अप्रिय घटना हो सकता है। फिलहाल कोई हताहत नहीं हुआ है, परंतु ग्रामीणों की बीच समस्या और भय बना हुआ है।

वहीं ग्रामीणों ने कहा कि आए दिन बिजली का तार जहां तहां टूट कर गिर रहा है। इसकी सूचना लगातार विभाग को मिलने के बाबजूद ग्रामीणों के बीच वैकल्पिक व्यवस्था कराने में विभाग नाकाम साबित हो रहा है।

जानकारी देते हुए 11 हजार बिजली तार को दुरुस्त करवाने की मांग की गई है, परंतु आज तक विभाग का ध्यान आकृष्ट नहीं हुआ। बुटी पंचायत क्षेत्र में लगतार बिजली तार टूट कर गिरने से बिजली बाधित तो हो रही है। वहीं खतरा होने का भय बना हुआ है। हाल ही में 11 हजार बिजली तार टूट कर कोराम्बे गोरा टोली गांव से बाहर खेत में गिरने से जंगली जंतुओं की मौत हो चुकी थी।

पुण्यतिथि पर शहीद खड़िया को दी श्रद्धांजलि

सिमडेगा। वीर शहीद तेलंगा खड़िया की पुण्यतिथि के मौके पर रविवार को तेलंगा खड़िया स्मारक समिति के द्वारा सिमडेगा के घोड़बहार स्थित स्मारक स्थल पर माल्यार्पण करते हुए श्रद्धांजलि दी गई। मौके पर समिति के मतियास कुल्लु उनके जीवनी पर प्रकाश डालते हुए कहा इनका जन्म गुमला जिले के सिसई प्रखंड के मुरगू गांव में फरवरी 1806 में हुआ था। उन्होंने अंग्रेजो के खिलाफ जुरी पंचायत का गठन करते हुए अंग्रेजों से लोहा लेते हुए उन्हें परा किया था। बताया जाता है कि अंग्रेजो ने वीर शहीद तेलंगा खड़िया को मारने के लिए चार हजार रु. का प्रलोभन बोधन सिंह को दिया था। जिन्होंने 23 अप्रैल 1880 ई. में सरना पूजा स्थल पर गोली से मारकर वीर शहीद की हत्या कर दी थी।

मदद जय श्री राम समिति ने मरीज के लिए किया रक्तदान

धर्मांतरण पर जल्द लगे रोक : दीपक

नवीन मेल संवाददाता। लोहरदगा

जय श्रीराम समिति ने अपने सामाजिक दायित्वों का निर्वहन करते हुए समिति के सदस्यों ने दो यूनिट रक्तदान कर मरीज के इलाज में मदद की। मिली जानकारी के अनुसार पतराटोली निवासी बुधवा उरांव की पुत्री सीता कुमारी एवं बसार टोली कृषि मार्केट निवासी स्वर्गीय चमरू उरांव की पत्नी सुखमनिया उरांव दोनों सदर अस्पताल में इलाजरत थे। डॉक्टर ने खून की कमी बताई। परिवार के लोग काफी परेशान होकर जय श्रीराम समिति से संपर्क किए। समिति के सदस्य अनुज मेहता एवं जिला कोषाध्यक्ष सुनील अग्रवाल ने एक एक यूनिट ब्लड देकर मानवता का परिचय दिया।

इस मौके पर नगर अध्यक्ष दीपक साहू ने कहा कुछ लोग गरीबों के

मजबूरी का लाभ उठाकर सेवा एवं इलाज के नाम पर धर्मांतरण का खेल खेलते हैं। जो आज भी निरंतर जारी है। वैसे लोगों से बचने की आवश्यकता है। राज्य सरकार जल्द से जल्द संज्ञान ले। जिन्हें भी ब्लड की आवश्यकता हो या किसी भी परेशानी में हो वह जय श्रीराम समिति से संपर्क कर सकते हैं। समिति समस्या का हल करने का प्रयास करेंगी। मौके पर कार्यकारी अध्यक्ष ओम महतो,जिला महामंत्री अजय साहू, दीपक साहू आशीष कुमार रजनीश उरांव नगर कार्यकारी अध्यक्ष लाल नितेश नाथ शाहदेव, करण महतो,दशरथ उरांव आदि लोग मौजूद थे।

वन विभाग ने कुएं से जहरीले सांप का सुरक्षित रेस्क्यू किया

सेन्हा। कुएं में जहरीला सांप गिरने की सूचना पर वन विभाग टीम सेन्हा महतो मूहल्ला स्थित देवी महतो के बारी पहुंच कुएं से जहरीला सांप को निकाल कर सुरक्षित जंगल में छोड़ा। जानकारी के अनुसार सेन्हा प्रखंड ग्राम स्थित महतो मूहल्ला के समीप देवी महतो का बरी स्थित कुएं में जहरीला सांप गिरने की सूचना वन परिसर पदाधिकारी को ग्रामीणों के द्वारा दिया गया। कुएं में सांप गिरने की सूचना पर वन परिसर पदाधिकारी नंदकिशोर कुमार अपने टीम के साथ पहुंच ग्रामीणों की मदद से सांप को कुएं से निकाल कर बक्सीडीपा जंगल में सुरक्षित छोड़ा। वहीं वन परिसर पदाधिकारी नंदकिशोर कुमार ने सांप की प्रजाति का नाम बताते हुए कहा कि यह जहरीला नाग सांप है। काफी समय तक पानी में होने के कारण थक गया है और काफी गुस्सा में है। जो किसी को भी डस सकता था।

कलश यात्रा के साथ शुरू हुआ तीन दिवसीय श्रीराम महायज्ञ

नवीन मेल संवाददाता। सेन्हा

सेन्हा प्रखंड क्षेत्र के उगरा पंचायत स्थित मेढो ग्राम में अक्षय तृतीया के पावन अवसर पर कलश यात्रा के साथ तीन दिवसीय श्रीराम यज्ञ प्रारम्भ किया गया। आयोजित कलश यात्रा में 251 महिलाओं ने भाग लिया। कलश यात्रा मेढो स्थित हनुमान मंदिर से आरम्भ हुआ जो कोयल नदी तट पहुंच जल का देव वरुण का आवाहन कर गंगा पूजन और आरती के पश्चात नदी से जल उठा कर मंदिर तक लाया गया।

यज्ञ के मुख्य यजमान रविन्द्र सिंह कलश यात्रा के दौरान लुढ़कते हुए नदी तट तक पहुंचे और नदी से पुनः लुढ़कते हुए ही मंदिर प्रांगण वापस आए। यज्ञाचार्य सूर्यनारायण पाठक ने बताया की कलशयात्रा के साथ यज्ञ प्रारम्भ हो गया है। पंचांग पूजन,मंडप प्रवेश वेदी पूजन और

महाआरती की जाएगी उसके पश्चात 36 घंटे का अखंड हरिकीर्तन प्रारम्भ किया जायेगा। 24 अप्रैल को मंडपस्थ देवताओं का पूजन और संध्या मे महाआरती की जाएगी। यज्ञ के तीसरे दिन मंडपस्थ देवताओं का पूजन, अखंड हरिकीर्तन का समापन, हवन, पूणार्हुति और महाआरती के साथ यज्ञ की समाप्ति की जाएगी। यजमान रविन्द्र सिंह ने बताया की 1997 से प्रत्येक वर्ष जन कल्याण के लिए यज्ञ करते है। कोरोना काल में दो वर्ष यज्ञ का आयोजन नहीं हो पाया था। यज्ञ के दौरान प्रत्येक दिन भंडारा चलता रहेगा। जिसमें सभी श्रद्धालु भक्त यज्ञ स्थल पहुंच भंडारे का प्रसाद ग्रहण कर पुण्य का भागीदार बन सकते हैं।

पीसी का कारोबार चरमराया तो लेनोवो ने कर्मचारियों की छंटनी शुरू की

एजेंसी। नई दिल्ली।
वैश्विक प्रौद्योगिकी ब्रांड लेनोवो ने कथित तौर पर कर्मचारियों की छंटनी शुरू कर दी है, क्योंकि आर्थिक मंदी के बीच उसके पीसी व्यवसाय को काफी नुकसान हुआ है। सीआरएन में एक रिपोर्ट के मुताबिक, लेनोवो में नौकरी में कटौती लगभग 115 मिलियन डॉलर की लागत-कटौती योजना का हिस्सा है। लेनोवो के सीईओ यांग युआनकिंग ने फरवरी में खर्च में व्यापक कमी के हिस्से के रूप में आने वाले कार्यबल समायोजन के बारे में सूचित किया था। कंपनी के 2022 वित्तीय वर्ष के अंत में लगभग 75,000 कर्मचारी थे। कंपनी के एक प्रवक्ता ने एक बयान में कहा, जैसा कि हमारे सीईओ युआनकिंग यांग ने हमारी सबसे हालिया तिमाही कमाई की घोषणा में कहा था, हम परिचालन व्यय को कम कर रहे हैं और आवश्यक और उचित कार्यबल समायोजन कर रहे हैं। प्रवक्ता ने डब्ल्यूआरएल टेकवायर को बताया, हम उन क्षेत्रों में निवेश करना जारी रखते हैं जो विकास और कंपनी के समग्र परिवर्तन को गति देते हैं। पीसी और स्मार्टफोन बाजारों में गंभीर गिरावट के कारण 31 दिसंबर को समाप्त तिमाही में कंपनी का राजस्व 24 प्रतिशत (वर्ष-दर-वर्ष) घटकर 15.3 बिलियन डॉलर और शुद्ध आय 437 मिलियन डॉलर रह गई। कंपनी ने भविष्य में कुल लागत में कटौती के हिस्से के रूप में नौकरी में कटौती का संकेत दिया था। लेनोवो सीएफओ वोंग वाई मिंग ने वैश्विक आर्थिक चुनौतियों के संगम और बाजार की मांग में गतिशील बदलाव पर मंदी का दोष माना था। इंटरनेशनल डेटा कॉर्पोरेशन (आईडीसी) के अनुसार, मार्च तिमाही (क्यू1 2023) में, कमजोर मांग, अतिरिक्त इन्वेंट्री और बिगड़ते मैक्रोइकॉनॉमिक माहौल के परिणामस्वरूप पारंपरिक पीसी के वैश्विक शिपमेंट में 56.9 मिलियन रिकॉर्ड किया गया, जो पिछले साल की समान तिमाही की तुलना में 29 प्रतिशत की भारी गिरावट है। लेनोवो 22.4 प्रतिशत बाजार हिस्सेदारी के साथ वैश्विक पीसी बाजार का नेतृत्व करता है, इसके बाद एचपी इंक 21.1 प्रतिशत और डेल टेक्नोलॉजीज 16.7 प्रतिशत पर है। रिपोर्ट के अनुसार,

विकास और मांग में ठहराव भी आपूर्ति श्रृंखला को बदलाव करने के लिए कुछ जगह दे रहा है क्योंकि कई कारखाने चीन के बाहर उत्पादन विकल्प तलाशने लगे हैं। यदि प्रमुख बाजारों में मंदी अगले वर्ष तक खिंचती है, तो सुधार धीमा हो सकता है।

सॉफ्टवेयर कंपनी एफ5 करेगी 9 फीसदी कर्मचारियों की छंटनी

एजेंसी। सैन फ्रांसिस्को
अमेरिका की सॉफ्टवेयर कंपनी एफ5 ने वैश्विक स्तर पर अपने 9 फीसदी यानी करीब 623 कर्मचारियों की छंटनी करने की घोषणा की है। एफ5 के प्रेसिडेंट सीईओ और डायरेक्टर फ्रेंकोइस लोकोह-डोनो ने कर्मचारियों को लिखे एक ईमेल में कहा, जैसा कि हम पिछले छह महीनों से देख रहे है, यह साफ है कि बढ़ती ब्याज दरें, जियोपॉलिटिकल इवेंट्स और मैक्रोइकॉनॉमिक अनिश्चितता ने हमारे कस्टमर्स के खर्च करने के पैटर्न को प्रभावित किया है। हम पूरी तरह से आश्वस्त नहीं है कि यह हालात कब तक बने रहेंगे, हम यह भी नहीं जानते कि जब यह सब सामान्य हो जाएगा, तब कैसा दिखेगा। इस अनिश्चितता के चलते भविष्य के विकास को खतरे में डाले बिना हमें अपनी लागत कम करने के उपाय करने चाहिए। कंपनी के अनुसार, कर्मचारियों की संख्या में कटौती से अमेरिका, ईएमईए (यूरोप, मध्य पूर्व और अफ्रीका), ऑस्ट्रेलिया, जापान, न्यूजीलैंड, कनाडा, लैटिन अमेरिका, एपीसीजे और भारत सहित विभिन्न क्षेत्रों के कर्मचारी प्रभावित होंगे। इसके अलावा,

सॉफ्टवेयर फर्म ने कहा कि वह विच्छेद लाभों पर 45 मिलियन डॉलर खर्च करने की योजना बना रही है और अपने कर्मचारियों की संख्या कम करने से 130 मिलियन डॉलर की वार्षिक बचत की उम्मीद करती है। प्रभावित होने वालों को उनकी वित्तीय वर्ष 2023 के दूसरी तिमाही एमबीओ पेआउट और 1 मई स्टॉक वेस्ट, आउटप्लेसमेंट असिस्टेंस, जहां संभव हो एफ5 लैपटॉप और आव्रजन समर्थन के लिए उचित मुआवजा मिलेगा। इसके अलावा, कंपनी ट्रैवल और एक्सपेंस बजट में और कटौती लागू करेगी और कंपनी के बड़े आंतरिक आयोजनों को वर्चुअल फॉर्मेट में शिफ्ट करेगी।

भारत में 26 मार्च को लॉन्च होगी वीवो 90 सीरीज

नई दिल्ली। चाइनीज टेक कंपनी वीवो भारतीय बाजार में 26 अप्रैल को 'वीवो 90 सीरीज' के दो स्मार्टफोन लॉन्च करेगी। इसमें वीवो 90 और वीवो 90 प्रो शामिल हैं। कंपनी ने ऑफिशियल और ई कॉमर्स वेबसाइट फ्लिपकार्ट पर 'वीवो 90 सीरीज' को टीज कर लॉन्च इवेंट की जानकारी दी है। लॉन्च से पहले कंपनी ने कई टेक रिव्यूअर्स को स्मार्टफोन टेस्ट करने के लिए दिया है, जो फोन के कैमरे का सैंपल और स्मार्टफोन की डिजाइन को सोशल मीडिया प्लेटफार्म ट्विटर पर शेयर कर रहे हैं। रिव्यूअर्स की ओर से शेयर किए जा रहे फोटोज और वीडियो को कंपनी भी अपने ऑफिशियल ट्विटर अकाउंट से कमेंट करते हुए शेयर कर रही है। टीजर में वीवो 90 सीरीज लेदर फिनिश के साथ ब्लैक कलर में दिखाई दे रहा है, जिसमें राउंड सेप में एक गोल रियर कैमरा मॉड्यूल दिया गया है। अभी तक वीवो ने स्मार्टफोन के स्पेसिफिकेशन के बारे में ऑफिशियल तौर पर कोई भी जानकारी नहीं दी है। हालांकि, मीडिया रिपोर्ट में स्मार्टफोन के स्पेसिफिकेशन के बारे में कई जानकारी सामने आ गई है। आइए इन्हीं रिपोर्ट्स के अनुसार स्मार्टफोन के स्पेसिफिकेशन के बारे में जानते हैं।

कोच्चि में 25 अप्रैल को पीएम मोदी वाटर मेट्रो को दिखाएंगे हरी झंडी

पटरी पर नहीं, पानी पर दौड़ेगी

प्रोजेक्ट में लगे 1136 करोड़

एजेंसी। कोच्चि
प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी 25 अप्रैल (मंगलवार) को केरल के कोच्चि में देश की पहली वाटर मेट्रो सर्विस का उद्घाटन करने वाले हैं। पोर्ट सिटी कोच्चि में वाटर मेट्रो सर्विस को 1,136.83 करोड़ रुपए की लागत से तैयार किया गया है। इस प्रोजेक्ट के तहत कोच्चि सिटी से आस-पास के 10 आइलैंड्स को जोड़ा जाएगा। इस कभी न रुकने वाली कनेक्टिविटी का यह काम बैटरी-ऑपरेटेड इलेक्ट्रिक हाइब्रिड बोट्स से किया जाएगा। केरल के मुख्यमंत्री पिनाराई विजयन ने शनिवार को कोच्चि वाटर मेट्रो को राज्य का 'ड्रीम प्रोजेक्ट' बताया है। एक ट्वीट में उन्होंने कहा कि साउदर्न स्टेट्स के ट्रांसपोर्ट एंड टूरिज्म सेक्टर्स के लिए अच्छा समय आने वाला है। विजयन ने लिखा, 'वर्ल्ड क्लास कोच्चि वाटर मेट्रो अपनी जर्नी के लिए तैयार है। यह कोच्चि में और उसके आसपास के 10 आइलैंड्स को जोड़ने वाला केरल का ड्रीम प्रोजेक्ट है। कोच्चि वाटर मेट्रो प्रोजेक्ट में 78 इलेक्ट्रिक बोट्स और 38 टर्मिनल्स हैं, जिसकी लागत 1,136.83 करोड़ रुपए है। इस प्रोजेक्ट को गवर्नमेंट ऑफ केरल और KfW (एक जर्मन फंडिंग एजेंसी) ने फंड किया है।' डाह एक जर्मन फंडिंग एजेंसी है। इस प्रोजेक्ट के पहले फेज में जल्द ही हाई कोर्ट-वाइपिन टर्मिनल्स से व्याटिला-कक्कनाड टर्मिनल्स तक सर्विस शुरू की जाएगी। यात्री 'कोच्चि-1' कार्ड का यूज करके कोच्चि मेट्रो और वाटर मेट्रो दोनों में यात्रा कर सकते हैं। इसके अलावा वे डिजिटल तरीके से टिकट बुक भी कर सकते हैं। पीएम मोदी 24 और 25 अप्रैल को मध्य प्रदेश, केरल, दादरा एंड नगर हवेली और दमन एंड दीव का दौरा करेंगे। 25 अप्रैल को वह तिरुवनंतपुरम सेंट्रल स्टेशन पर तिरुवनंतपुरम और कासरगोड के बीच केरल की पहली वंदे भारत एक्सप्रेस को हरी झंडी दिखाएंगे। यह ट्रेन तिरुवनंतपुरम, कोल्लम, कोट्टायम, एर्नाकुलम, त्रिशूर, पलक्कड़, पठानमथिट्टा, मलप्पुरम, कोझिकोड, कन्नूर और कासरगोड जैसे 11 जिलों को कवर करेगी। वहीं कोच्चि वाटर मेट्रो के अलावा प्रधानमंत्री डिंडीगुल-पलानी-पलक्कड़ सेक्शन का रेल इलेक्ट्रिफिकेशन का उद्घाटन भी करेंगे। इट मोदी तिरुवनंतपुरम में डिजिटल साइंस पार्क की आधारशिला भी रखेंगे।

एफपीआई ने अप्रैल में भारतीय शेयर बाजार में बढ़ाया निवेश

एजेंसी। नई दिल्ली
विदेशी निवेशकों की ओर से अप्रैल में भारतीय शेयर बाजार में 8643 करोड़ रुपये का निवेश किया गया है। भारत शेयर बाजार में ये निवेश ऐसे समय पर किया गया है, जब अप्रैल की शुरुआत में शेयर बाजार में सकारात्मक रुझान देखा गया था। इससे पहले मार्च के महीने में अमेरिका के जीक्यूजी पार्टनर्स की ओर से अदाणी ग्रुप की कंपनियों में 15,000 करोड़ रुपये से अधिक का निवेश करने के कारण एफपीआई निवेश 7936 करोड़ रुपये का रहा था मॉर्निंगस्टार इंडिया के एसोसिएट डायरेक्टर - मैनेजर रिसर्च हिमांशु श्रीवास्तव ने कहा कि मौजूदा समय की परिस्थितियां भारत जैसी अर्थव्यवस्थाओं का समर्थन करती हैं। इस कारण अप्रैल में भारत में विदेशी निवेश का सकारात्मक रुख देखने को मिला है। वहीं, वर्तमान में भारतीय शेयर बाजार में शेयरों के वैल्यूएशन भी तर्कसंगत हो गए हैं। एक अन्य जानकार ने कहा कि निफ्टी ने पिछले 17 से 18 महीनों में शून्य रिटर्न दिया है। इस कारण वैल्यूएशन तर्कसंगत दिख रहे हैं। जियोजित फाइनेंशियल सर्विसेज के विजयकुमार ने कहा कि मार्च तिमाही के नतीजों को देखकर लगता है।

विदेश

अर्जेंटीना में डेंगू से 40 से ज्यादा लोगों की मौत

एजेंसी। अर्जेंटीना
अर्जेंटीना में डेंगू बुखार के गंभीर प्रकोप ने 40 से अधिक लोगों की जान ले ली है जबकि 60,000 से अधिक लोग संक्रमित हो गए हैं। मीडिया रिपोर्टों में यह जानकारी दी गई है। डेंगू सबसे आम वायरल संक्रमण है जो एडीज एजिप्टी मच्छर के काटने से फैलता है। यह उष्णकटिबंधीय और उपोष्णकटिबंधीय जलवायु में अधिक आम है। डेंगू के लक्षणों में बुखार, सिरदर्द, मतली और जोड़ों में दर्द शामिल हैं। बीबीसी की रिपोर्ट के अनुसार, चिली और बोलीविया के साथ अर्जेंटीना की सीमाओं के पास साल्टा, तुकुमन और जुजुय के उत्तर-पश्चिमी प्रांतों में सबसे अधिक मौतें दर्ज की गई हैं। अर्जेंटीना में आखिरी बड़ा प्रकोप 2020 में हुआ था। हालांकि, देश के स्वास्थ्य मंत्रालय ने कहा है कि डेंगू के मामले बढ़ने अब बंद हो गए हैं। इस बीच, स्वास्थ्य अधिकारियों ने लोगों से मच्छर रोधी उपाय अपनाने का आग्रह किया है, जिसमें दरवाजे और खिड़कियों पर मच्छरदानी लगाना, कीटों को दूर भगाने वाली दवाओं का उपयोग और जिसमें मच्छरों का प्रजनन हो सकता है पानी के ऐसे कंटेनरों को हटाना शामिल है। उन्होंने डेंगू के प्रसार को रोकने के लिए प्रमुख प्रकार के मच्छरों पर विकिरण का प्रयोग भी किया है। विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) के अनुसार, हाल के दशकों में दुनिया भर में डेंगू के मामलों में नाटकीय रूप से वृद्धि हुई है। दुनिया की लगभग आधी आबादी अब डेंगू के खतरे में है और हर साल अनुमानित 10-40 करोड़ लोग इससे संक्रमित होते हैं।

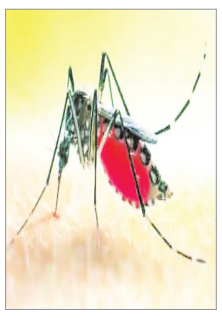

जापान में पहली बार गर्भपात की गोली को मिली मंजूरी

एजेंसी। जापान
जापान में स्वास्थ्य मंत्रालय के एक पैनल ने देश में पहली बार गर्भपात की गोली को मंजूरी दी है। जापान टाइम्स की रिपोर्ट के अनुसार, जापानी पैनल ने ब्रिटेन की लाइनफार्मा इंटरनैशनल लिमिटेड द्वारा निर्मित 'मेफीगो पिल' को गर्भपात की गोली को मंजूरी दी है हालांकि इसे स्वास्थ्य मंत्री की मंजूरी मिलनी बाकी है। मेफीगो पिल को जापानी महिलाओं के प्रजनन अधिकारों की बढ़ती मांग के बीच सर्जरी के विकल्प के रूप में देखा जा रहा है। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, स्वास्थ्य मंत्रालय के एक पैनल ने इस फैसले से पहले ऑनलाइन एक सर्वे कराया, जिसमें 12,000 सार्वजनिक टिप्पणियों को एकत्रित कर उन पर समीक्षा की गई। जिसके बाद इस कदम की घोषणा की गई. जापान टाइम्स की रिपोर्ट के अनुसार, स्वास्थ्य मंत्री से अंतिम मंजूरी मिलने की उम्मीद है। गौरतलब है कि लगभग 30 सालों से विदेशों में गर्भपात की गोलियों का उपयोग किया जाता रहा है। करीब 80 से अधिक देशों में गर्भपात की गोलियां उपलब्ध हैं। ऐसे में जापान की इस बात को लेकर हमेशा आलोचना होती रहती थी। जापान टाइम्स ने बताया कि 1988 में इस तरह की गोली को मंजूरी देने वाला फ्रांस पहला देश था। विश्व स्वास्थ्य संगठन ने भी गर्भपात की गोली का समर्थन करते हुए इसे सुरक्षित बताया है, बावजूद इसके जापान में गर्भपात की गोलियों पर प्रतिबन्ध है। जापान में अभी तक सर्जिकल प्रक्रिया ही गर्भपात के लिए एकमात्र विकल्प उपलब्ध है।

इंडोनेशिया में एक ही दिन में आए भूकंप के दो झटके

एजेंसी। इंडोनेशिया
यूरोपियन मेडिटेरेनियन सिस्मोलॉजिकल सेंटर ने जानकारी दी कि रविवार (23 अप्रैल) की सुबह इंडोनेशिया के केपुलुआन बाटू में लगभग 6 तीव्रता के दो भूकंप आए हैं। केपुलुआन बाटू में रविवार को 6.1 की तीव्रता का पहला भूकंप आया. इसके कुछ ही घंटों बाद 5.8 तीव्रता का दूसरा भूकंप आया। यूरोपियन मेडिटेरेनियन सिस्मोलॉजिकल सेंटर ने जानकारी दी कि पहले भूकंप का केंद्र 43 किमी धरती के नीचे और दूसरे भूकंप का केंद्र 40 किमी की गहराई में था। हालांकि, इस भूकंप से किसी भी तरह के जानमाल के जानमाल का नुकसान नहीं हुआ है। इंडोनेशिया में अक्सर भूकंप आते रहते है। इंडोनेशिया में इस हफ्ते शुक्रवार को एक और शक्तिशाली भूकंप के झटके महसूस किए गए हैं। जर्मन रिसर्च सेंटर फॉर जियोसाइंसेज के अनुसार, रिक्टर स्केल पर भूकंप की तीव्रता 6.0 दर्ज की गई थी। ये भूकंप भूकंप भारतीय समयानुसार दोपहर 3:51 पर महसूस किया गया था। इंडोनेशिया में भूकंप आने का सबसे बड़ा कारण ये है कि वो एक बेहद ही संवेदनशील जगह पर स्थित है, जहां पर भूकंप आते रहते है। इस जगह को फायर ऑफ रिंग भी कहते हैं। भूकंप आने की सबसे बड़ी वजह है कि धरती के नीचे ऐसे कई टेक्टॉनिक प्लेट्स होते है, जो आपस में टकरा जाते है। इसके बाद कंपन पैदा होता है, जिसे झटके महसूस होते है। धरती के नीचे सारी चीजें तरल पदार्थ में मौजूद है, जिसके वजह से भी प्लेट तैरते हुए आपस में टकरा जाती हैं।

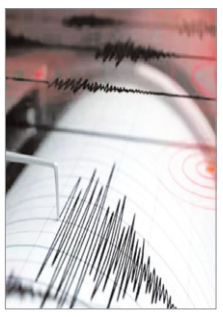

तुर्की सैनिकों ने सीरिया व इराक में 21 आतंकियों को मार गिराया: रक्षा मंत्री

अंकारा। तुर्की के सैनिकों ने उत्तरी सीरिया और इराक में चार दिनों में 21 'आतंकवादियों' को मार गिराया। तुर्की के रक्षा मंत्री हुलुसी अकार ने यह जानकारी दी। समाचार एजेंसी शिन्हुआ की रिपोर्ट के अनुसार, अर्ध-आधिकारी अनादोलु एजेंसी ने अकार के हवाले से कहा कि इराक के जैप क्षेत्र में तीन आतंकवादी मारे गए। अकर ने तुर्की के विकास में बाधा डालने के लिए कुर्दिस्तान वर्कर्स पार्टी (पीकेके) को साम्राज्यवादियों के हाथों में उपकरण कहते हुए कहा कि तुर्की सरकार पीकेके को खत्म करने के लिए दृढ़ है। उन्होंने कहा कि आतंकवादियों के खिलाफ लड़ाई तब तक खत्म नहीं होगी, जब तक कि तुर्की की सीमाओं और देश की सुरक्षा सुनिश्चित नहीं हो जाती। पीकेके तीन दशकों से अधिक समय से तुर्की सेना के साथ सशस्त्र संघर्ष में शामिल है और तुर्की, अमेरिका और यूरोपीय संघ द्वारा इसे एक आतंकी संगठन घोषित किया गया है।

अमेरिका की झील में डूबे दो भारतीय छात्रों के शव बरामद

न्यूयॉर्क। पिछले सप्ताह एक झील से लापता इंडियाना यूनिवर्सिटी के भारत के दो छात्रों का शव बरामद किया गया है। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। इंडियाना डिपार्टमेंट ऑफ नेचुरल रिसोर्सेज ने एक समाचार विज्ञप्ति में कहा कि सिद्धांत शाह, और आर्यन वैद्य 15 अप्रैल को दोस्तों के एक समूह के साथ, इंडियानापोलिस शहर से लगभग 64 मील दक्षिण-पश्चिम में स्थित मोनरो झील में गए थे। तैरने के दौरान वे दोनों झील में डूब गए। 18 अप्रैल को पायनेटाउन मरीना के पूर्व में 18 फीट पानी में शवों को बरामद किया गया। डिपार्टमेंट ऑफ नेचुरल रिसोर्सेज के प्रतिनिधि लेफ्टिनेंट एंजेला गोल्डमैन ने यूएसए टुडे को बताया कि एक को बचाने के प्रयास में दोनों डूब गए थे। बचावकर्ताओं ने सोनार और स्कूबा गोताखोरों का उपयोग करके झील में उनकी खोजबीन शुरू की, लेकिन पहले दिन तेज हवा के कारण इसे रोकने के लिए मजबूर होना पड़ा। बाद में शवों को बरामद किया गया।

लोग परेशान

अमेरिका ने अपने 70 डिप्लोमैट्स को एयरलिफ्ट किया

सऊदी अरब ने सूडान से नागरिकों को निकाला

एजेंसी। खार्तूम
अफ्रीकी देश सूडान में लड़ाई के बीच इंटरनेट बंद कर दिया गया है। 72 घंटे की सीजफायर के बावजूद दोनों तरफ से हमले जारी हैं। इन सब के बीच वहां फंसे लोगों का रेस्क्यू किया जा रहा है। सऊदी अरब ने शनिवार देर रात सूडान में फंसे 158 लोगों को सुरक्षित निकाला। इनमें कई भारतीय भी शामिल हैं। वहीं, रविवार सुबह अमेरिका ने खार्तूम में स्थित अपनी एंबेसी के स्टाफ को सुरक्षित निकाल लिया। अमेरिकी मीडिया उठठ ने एक अधिकारी के हवाले से बताया कि एंबेसी के 70 डिप्लोमैट्स और उनके परिवार को सुरक्षित निकालने के लिए मिलिट्री के एयरक्राफ्ट में एयरलिफ्ट किया गया। सूडान में तख्तापलट के लिए सेना और पैरामिलिट्री- रैपिड सपोर्ट फोर्स (फज्ञ्र) के बीच 9 दिन से लड़ाई जारी है। यहां 15 अप्रैल के बाद से हालात बिगड़ते जा रहे हैं। इसके चलते रेस्क्यू ऑपरेशन में काफी दिक्कतें आ रही हैं। स्वास्थ्यकर्मी भी घायलों तक नहीं पहुंच पा रहे हैं। सऊदी अरब ने भारत समेत पाकिस्तान, कुवैत, कतर, यूएई, मिस्र, ट्यूनीशिया, बुल्गारिया, बांग्लादेश, फिलिपींस, कनाडा, बुर्किना फासो के नागरिकों को भी रेस्क्यू किया है। सऊदी अरब ने भारत समेत पाकिस्तान, कुवैत, कतर, यूएई, मिस्र, ट्यूनीशिया, एक अधिकारी ने बताया कि अमेरिकी एंबेसी को फिलहाल के लिए बंद कर दिया गया है। यहां सभी काम रोक दिए गए हैं। सूडान में अमेरिकी दूतावास के काम दोबारा कब शुरू किए जाएंगे, इस बारे में भी नहीं बताया गया। वहीं, वर्ल्ड हेल्थ ऑर्गनाइजेशन (हल्ठ) की रिपोर्ट के मुताबिक, 15 अप्रैल तक लड़ाई में 400 लोगों की मौत हो चुकी थी। करीब 3500 लोग घायल हुए थे इधर, भारतीयों की सुरक्षित वापसी को लेकर विदेश मंत्री एस जयशंकर ने 18 अप्रैल को सऊदी के फॉरेन मिनिस्टर फैसल बिन फरहान अल सऊद से बातचीत की थी। इसके बाद सऊदी अरब के विदेश मंत्रालय ने शनिवार को कहा कि भारतीयों के साथ ही 12 मित्र देशों के लोग, सूडान से सुरक्षित रूप से पहुंचे हैं। सऊदी अरब ने जिन लोगों को सुरक्षित निकाला है, इनमें डिप्लोमैट्स और इंटरनेशनल ऑफिसर्स भी शामिल हैं। इनके साथ ही सऊदी अरब के 91 नागरिक भी स्वदेश पहुंचे हैं। निकाले गए भारतीयों की संख्या नहीं बताई गई है।

पिज्जा सर्व करते समय रेस्टोरेंट में लगी आग, दो की मौत और 12 घायल

एजेंसी। मैड्रिड
स्पेन की राजधानी मैड्रिड के एक रेस्टोरेंट में शनिवार शाम फ्लैम्बी पिज्जा सर्व करने के दौरान आग लग गई। हादसे में दो लोगों की मौत हो गई 12 लोग घायल हुए। जिस समय ये हादसा हुआ, रेस्टोरेंट में 30 लोग मौजूद थे। आग लगते ही अफरा-तफरी मच गई। चश्मदीद रूथ ने लोकल मीडिया से कहा- वेटर पिज्जा लेकर आया, उसने उस पर अल्कोहल डाला और फिर ब्लोटॉर्च से इसमें आग लगा दी। इसी तरह से फ्लैम्बी पिज्जा सर्व किया जाता है। लेकिन ये आग पास में रखे प्लास्टिक के फूलों तक पहुंच गई और फैल गई मैड्रिड के मेयर ने बताया कि आग लगने से रेस्टोरेंट के एक कर्मचारी और एक

कस्टमर की मौत हो गई। हालांकि ये साफ नहीं है कि मरने वाला कर्मचारी ही कुकिंग ट्रिक दिखा रहा था या नहीं। ये भी साफ नहीं है कि मारे गए कस्टमर ने कौन-सी डिश ऑर्डर की थी। वहीं, 12 घायलों में से 6 लोगों को बहुत ज्यादा चोट आई है। इसमें से एक की हालत गंभीर है। सभी को अस्पताल में भर्ती करवाया गया है। पुलिस इस मामले में जांच कर रही है। फायर ब्रिगेड के चीफ ने बताया कि रेस्टोरेंट में एक ही दरवाजा था। आग दरवाजे के पास ही लगी थी। इसके बाद लोग डर गए और वहां अफरा-तफरी मच गई।

सवाल तो उठेंगे

अतीक और अशरफ अहमद की जिस तरीके से हत्या हुई, जिस तरीके से वहां हथियारबंद पुलिस दस्ता बिना हरकत के खड़ा रहा, उस पर सवाल तो उठेंगे। सवाल इसलिए भी उठेंगे क्योंकि यह योगी सरकार से जुड़ा मसला है और यूपी ही नहीं बल्कि देश-विदेश में इस पर लगातार चर्चा चल रही है। तौकीर अहमद जैसे लोग अपनी तकरीरों में लगातार सरकार को कटघरे में खड़े कर रहे हैं। एक पार्टी चलाने वाले पूर्व आईपीएस अफसर अमिताभ ठाकुर भी इस पर हल्ला बोले हुए हैं। ठाकुर हर तरह के एनकाउंटर को गलत मानने वाले पुलिस अफसरों में शुमार रहे हैं। वैसे भी, जिन लोगों ने अतीक और अशरफ की हत्या की, वो बेहद प्रोफेशनल रहे हैं और सभी के ऊपर आईपीसी की धारा 307 के तहत कम से कम दो केस तो जरूर दर्ज हैं। धारा 307 यानी अटेम्प्ट टू मर्डर अर्थात हत्या की कोशिश का मामला। यूपी के पूर्व डीजीपी विक्रम सिंह भी इस बात को स्वीकार करते हैं कि जिन 21 सेकेंडों में यह सारा कुछ हुआ, उन 21 सेकेंडों में अतीक और अशरफ को बचाते हुए तीनों हत्यारों पर फायरिंग कर उन्हें मौत के घाट उतारा जा सकता था लेकिन ड्यूटी में उदासीनता बरतने के कारण पुलिस बल कुछ नहीं कर पाया और 21 सेकेंड में वह हो गया, जिसकी कल्पना किसी ने नहीं की थी। वह मानते हैं कि 21 सेकेंड काफी होते हैं किसी को भी शूट करने में। अपराधियों ने इस 21 सेकेंड का फायदा उठाया परंतु यूपी पुलिस के जवान इसका फायदा नहीं उठा पाए, अपने प्रोफेशनल होने का सुबूत नहीं दे पाए। उनके अनुसार, अगर वीआईपी ड्यूटी के दौरान कोई शख्स अगर जेब में भी हाथ डालता है तो उसे पकड़ कर पूछ लिया जाता है कि तुमने जेब में हाथ क्यों डाली। जो लोग अतीक की सुरक्षा में तैनात थे, उन्हें शायद इस किस्म की ट्रेनिंग नहीं दी गई थी। यह भी खुद में आश्चर्यजनक है कि जब अतीक और अशरफ को अदालत में हलफनामा देकर जान-माल की रक्षा करने का वचन दिया गया था, तब उनकी सिक्योरिटी में ऐसे अनट्रेंड जवान तैनात क्यों किये गए थे। जाहिर है, मंशा पर सवाल तो उठेगा ही। सबसे बड़ा सवाल यह है कि अगर अतीक और अशरफ को मेडिकल के लिए ले ही जाना था तो उसके लिए रात 10 बजे के बाद का वक्त क्यों चुना गया? अमूमन मेडिकल दिन में या शाम में होता है। ये रात 10 बजे के बाद मेडिकल की जरूरत क्यों पड़ गई? वो (अतीक और अशरफ) तो तंदरुस्त दिख रहे थे। इस संदर्भ में पुलिस जो भी बयान दे रही है, वह गले से उतरता नहीं। अगर मेडिकल जायज था तो भी मान लेते हैं पर इसे कैसे जायज माना जाए कि रात 10 बजे के बाद आप उन्हें प्रेस के सामने खड़ा कर दे रहे हैं? उसकी क्या जरूरत थी? ये क्यों किया गया, किससे पूछ कर किया गया, इसकी भी जांच होनी चाहिए। जब पुलिस को पता था कि अतीक और अशरफ का औरा क्या है, तब उन्हें मीडिया से 10 गज की दूरी पर क्यों नहीं रखा गया? प्रोटोकॉल आफिसर ने इन बातों को ध्यान में क्यों नहीं रखा? एक सवाल और है-जिस वक्त अपराधी गोली चला रहे थे, उसी वक्त पुलिस ने जवाबी कार्रवाई करके तीनों को ढेर क्यों नहीं कर दिया? पुलिस वहां से भागने वाली स्थिति में क्यों आ गई? हथियार जब साथ में था, तब उन्हें किसी के ऑर्डर की कोई जरूरत थी क्या? शायद नहीं।

अमूमन मेडिकल दिन में या शाम में होता है। रात 10 बजे के बाद मेडिकल की जरूरत क्यों पड़ गई। अतीक व अशरफ तो तंदरुस्त दिख रहे थे। इस संदर्भ में पुलिस का बयान गले से उतरता नहीं।

सिंहासन खाली करो कि जनता आती है...

चौबीस अप्रैल, 1974 की वो रात भारतीय साहित्य के इतिहास में काली स्याही से दर्ज है, जब गंगा की गोद में जन्मे हिंदी साहित्य के सूर्य रामधारी सिंह 'दिनकर' नश्वर शरीर को त्यागकर बैकुंठ लोक की ओर चले गये। उस समय संचार के इतने संसाधन तो थे नहीं, धीरे-धीरे लोगों को पता चला कि तिरुपति बालाजी के दर्शन करने के बाद दिनकर ने नश्वर शरीर को त्याग दिया। साहित्य जगत और हिंदी पट्टी में शोक फैल गया। उनका पैतृक गांव सिमरिया रो पड़ा। बिहार के तत्कालीन मुंगेर (अब बेगूसराय) जिला के सुरम्य गंगा तट सिमरिया गांव के सामान्य किसान परिवार में 23 सितम्बर, 1908 को जब मनरूप देवी एवं रवि सिंह के यहां द्वितीय पुत्र जन्म हुआ तो किसी ने सोचा भी नहीं था कि वह एक दिन राष्ट्रीय फलक पर ध्रुव तारा बन चमकेगा। दिनकर जी सदा जमीन से जुड़े रहे और संघर्ष करते हुए राष्ट्र की भावना को निरंतर सशक्त भाषा में अभिव्यक्त कर अपनी अद्वितीय रचनाओं से साहित्य के इतिहास में अमर हो गये। दिनकर को प्रारंभिक शिक्षा गांव तथा बारो स्कूल में करने के बाद आगे की पढ़ाई के लिए गंगा नदी के पार मोकामा उच्च विद्यालय कभी तैरकर तो कभी नाव से आना-जाना पड़ता था। 1933 में उच्च शिक्षा हासिल कर विद्यालय बरबीघा में शिक्षक बन गये। अगले ही साल निबंधन विभाग के अवर निबंधक के रूप में नियुक्त कर दिये गये। इस दौरान उन्हें कवि के रूप में ख्याति मिलने लगी थी। इस ख्याति का पुरस्कार यह मिला कि पांच साल की नौकरी में 22 बार तबादला हुआ। उन्होंने 1943 से 1945 तक संगीत प्रचार अधिकारी के पद और 1947 से 1950 तक बिहार सरकार के जनसंपर्क विभाग में निदेशक के पद पर कार्य किया। 1952 में जब राज्यसभा का गठन हुआ तो जवाहरलाल नेहरू ने दिनकर जी को राज्यसभा के लिए मनोनीत करवा कर अपने पाले में लेने की कोशिश की। 1962 का लोकसभा का चुनाव हारने के बाद ललित नारायण मिश्रा ने जब अपने लिए उनसे इस्तीफा देने का अनुरोध किया तो बगैर कुछ सोचे और समय गंवाए इस्तीफा दे दिया। वर्ष 1963 में वो भागलपुर विश्वविद्यालय के कुलपति बने, लेकिन 1965 में त्यागपत्र दे दिया। उस समय उन्होंने कहा था सीनेट और सिंडिकेट में जब तक वाक युद्ध होता रहा तो उसे सहता रहा, लेकिन जब अंगस्पर्श की नौबत आ गई तो पद का परित्याग कर देना आवश्यक था। इसके बाद दिनकर को 1965 से 1972 तक भारत सरकार के हिंदी विभाग में सलाहकार का दायित्व निर्वहन करना पड़ा। राष्ट्रकवि रामधारी सिंह दिनकर ने 26 जनवरी 1950 को जब लाल किले कि प्राचीर से ''सदियों की ठंडी बुझी राख सुगबुगा उठी, मिट्टी सोने का ताज पहन इठलाती है, दो राह समय के रथ का घघर्र नाद सुनो, सिंहासन खाली करो कि जनता आती है...'' कहा तो पूरे परिदृश्य में सन्नाटा खिंच गया। उन्होंने हमेशा अपनी कविता के माध्यम से समाज को ललकारते हुए कर्तव्य बोध का अहसास कराया। वाल्मीकि, कालिदास, कबीर, इकबाल और नजरुल इस्लाम की गहरी प्रेरणा से राष्ट्र कवि बने दिनकर को राष्ट्रीयता का उद्घोषक और क्रांतिकारी साहित्य का नायक माना जाता है। इस संबंध में उनकी रेणुका, हुंकार, सामधेनी आदि कविताएं प्रमुख हैं। दिनकर ने परशुराम की प्रतीक्षा में युद्ध और शांति का द्वंद कुरुक्षेत्र में नई दृष्टि दी है। संस्कृति के चार अध्याय में भारतीय संस्कृति के प्रति अगाध प्रेम दर्शाया है। 1959 में संस्कृति के चार अध्याय के लिए उन्हें साहित्य अकादमी पुरस्कार मिला। इसी साल तत्कालीन राष्ट्रपति डॉ. राजेन्द्र प्रसाद ने पद्मभूषण प्रदान कर अलंकृत किया। भागलपुर विश्वविद्यालय के चांसलर डॉ. जाकिर हुसैन (बाद में भारत के राष्ट्रपति बने) से साहित्य के डॉक्टर का सम्मान मिला। दिनकर को गुरुकुल महाविद्यालय ने विद्या शास्त्री सम्मान से अलंकृत किया। आठ नवम्बर 1968 को उन्हें साहित्य-चूड़मानी के रूप में राजस्थान विद्यापीठ उदयपुर में सम्मानित किया गया। 1972 में उर्वशी के लिए ज्ञानपीठ पुरस्कार से सम्मानित किया गया। इस सम्मान समारोह में उन्होंने कहा था-''मैं जीवन भर गांधी और मार्क्स के बीच झटके खाता रहा हूं। इसलिए उजाले को लाल से गुणा करने पर जो रंग बनता है, वही रंग मेरी कविता का है और निश्चित रूप से वह बनने वाला रंग केसरिया है।'' द्वापर युग की ऐतिहासिक घटना महाभारत पर आधारित प्रबन्ध काव्य ''कुरुक्षेत्र'' को विश्व के 100 सर्वश्रेष्ठ काव्यों में 74वां स्थान मिला है। प्रतिरोध की आग मद्धिम नहीं हो, इसके लिए रश्मिरथी में कर्ण और परशुराम प्रतीक्षा को दिनकर ने प्रतीकात्मक पात्र के रूप में प्रस्तुत किया है। दोनों में सामंती व्यवस्था का प्रतिकार है ''जब तक मानव-मानव का सुख भाग नहीं सम होगा, शमित न होगा कोलाहल संघर्ष नहीं कम होगा- ''इस तरह आर्थिक गुलामी से भी मुक्ति की गहरी आकांक्षा दिनकर जी के काव्य की मूल प्रेरणा है। भारतीयता के बिम्ब के रूप में हुए महाराणा प्रताप, शिवाजी, चंद्रगुप्त, अशोक, राम, कृष्ण और शंकर का नाम लेते हैं तो दूसरी ओर टीपू सुल्तान, अशफाक, उस्मान और भगत सिंह का भी। भगत सिंह और उनके किशोर क्रांतिकारी साथियों की शहादत के बाद ''हिमालय'' में गांधीवादी विचारधारा के प्रतीक युधिष्ठिर की जगह गांडीवधारी अर्जुन और गदाधारी भीम के शौर्य का अभिनंदन करते हुए उन्होंने कहा था ''रे रोक युधिष्ठिर को न यहां जाने दे उनको स्वर्गधीर, पर फिरा हमें गांडीव गदा लौटा दे अर्जुन भीम वीर।'' चीन के आक्रमण के समय ''परशुराम की प्रतीक्षा'' में शांतिवादियों की आलोचना करते हुए भगत सिंह जैसे क्रांतिवीरों के इतिहास का स्मरण किया है कि ''खोजो टीपू सुल्तान कहां सोए हैं, अशफाक और उस्मान कहां सोए हैं, बम वाले वीर जवान कहां सोए हैं, वे भगत सिंह बलवान कहां सोए हैं।'' शांति की रक्षा के लिए वीरता और शौर्य की आवश्यकता महसूस करते हुए उन्होंने कहा- ''देशवासी जागो, जागो गांधी की रक्षा करने को गांधी से भागो।'' छायावादी संस्कारों से कविता लेखन प्रारंभ करने वाले दिनकर की आरंभिक कीर्ति रेणुका की कुछ कविताओं, हिमालय के प्रति हिमालय, कविता की पुकार में प्रगतिशीलता का उन्मेष दिखाई पड़ता है। किसानों के जीवन की विडम्बना को कविता की पुकार में रूबरू कराते हुए दिनकर ने लिखा- ''ऋण शोधन के लिए दूध घी बेच-बेच धन जोड़ेंगे, बुंद-बुंद बेचेंगे अपने लिए नहीं कुछ छोड़ेंगे।'' गरीबी पर लिखा- ''श्वानों को मिलता दूध भात भूखे बालक अकुलाते हैं, मां की हड्डी से चिपक ठिठुर जाड़ों की रात बिताते हैं।'

26 जनवरी 1950 को जब लाल किले कि प्राचीर से ''सदियों की ठंडी बुझी राख सुगबुगा उठी, मिट्टी सोने का ताज पहन इठलाती है, दो राह समय के रथ का घघर्र नाद सुनो, सिंहासन खाली करो कि जनता आती है।

इन दिनों

सुरेन्द्र किशोरी

बोधि वृक्ष

आईए सुनें भगवान खाटू श्याम की कथा

आप इस पीपल के पेड़ को देख रहे हैं। मेरा यह बाण इसके समस्त पत्तों को चिह्न लगा आयेगा और दूसरा बाण उन्हें बींध देगा। आप चाहें तो मैं धरती पर बिखरे इन सूखे पत्तों को भी बींध सकता हूं।' श्रीकृष्ण यह दृश्य देखने को उत्सुक थे। उन्होंने दो पत्ते तोड़ लिए। एक को हाथ की मुट्ठी में बन्द कर लिया और दूसरे पांव के नीचे दबा लिया। बर्बरीक ने अभिमन्त्रित करके बाण छोड़ा। सभी ने देखा कि पेड़ और धरती का प्रत्येक पत्ता चिन्हित था। श्रीकृष्ण ने मुट्ठी खोली तो हाथ का पत्ता भी चिन्हित था और पांव के नीचे का पत्ता भी। श्रीकृष्ण अत्यधिक विस्मित थे। तब तक बर्बरीक ने दूसरा बाण छोड़ा। प्रत्येक पत्ता बीच में से बिंधा हुआ था। श्रीकृष्ण अकुला उठे और गहरी सोच में पड़ गये कि किस प्रकार से युद्ध में भाग लेने से रोका जाए। आखिर बहुत सोच-विचार के बाद उन्हें एक हल सूझ ही गया। प्रातःकाल वह उठे और याचक का रूप बर्बरीक के पास पहुंचे। वह संध्यावन्दन कर रहे थे। संध्यावन्दन के उपरांत बर्बरीक ने याचक से कहा- 'आज्ञा करो ब्राह्मण देवता, क्या इच्छा है ? 'कुछ दान पाने की इच्छा है महाराज!' ब्राह्मण रूपधारी श्रीकृष्ण ने कहा। 'यहां तो मेरे पास विशेष धन नहीं है, परदेश में हूं। ये बहुमूल्य वस्त्राभूषण हैं, इनकी इच्छा हो तो कहो। मेरे पास में जो कुछ भी होगा, वह मैं तुम्हें दान में अवश्य दूंगा।' 'वस्तु तो वही मांगूगा जो आपके वश में है।' 'तब मुझे कोई इंकार नहीं, चाहे तुम मेरे प्राण मांग लो।' 'प्राण! इतना दम्भ अच्छा नहीं है, महाबली।' 'कह तो दिया।' 'अच्छा, ऐसा है तो मुझे अपना शीश काटकर दे दीजिए।' बर्बरीक यह सुनकर सिहर उठे। इतना कठोर दान भी कहीं मांगा जा सकता है। उन्होंने क्रोध को दबाकर कहा- 'मुझे विश्वास ही नहीं होता कि तुम ब्राह्मण याचक हो। तुमने दान प्रथा को कलंकित किया हे।

(क्रमशः)

हड़ताल का मनोविज्ञान समझने की जरूरत

विरोध - प्रदर्शन, सत्याग्रह, हड़ताल व आंदोलन लोकतंत्र के ऐसे हथियार हैं जो अपनी जिम्मेदारी को भूल बैठे सत्ताधीशों को कुम्भकर्णी नींद से जगाने में अहम भूमिका निभाते हैं। लेकिन हर आंदोलन की अपनी मर्यादा होती है। अपनी आधार भूमि होती है। अपना उद्देश्य होता है। बात-बात पर होने वाले आंदोलन देश का मार्गदर्शन तो करते नहीं, अलबत्ता परेशानी और चिंता का ग्राफ जरूर बढ़ा देते हैं। बिना सिर-पैर के आंदोलनों से वैसे भी किसी का भला नहीं होता। नुकसान अधिकांश जनता का होता है। यातायात जाम में फंसे देश को रोज कितना जान-माल का नुकसान होता है, यह किसी से छिपा नहीं है। किसान आंदोलन के नाम पर जब रेल ट्रैक जाम कर दिये जाते हैं या सरकारी वाहनों को आग के हवाले कर दिया जाता है तो इससे देश की कितनी क्षति होती है, इसे आवेशित आंदोलनकारी नहीं समझ सकते, लेकिन देश को समझना होगा। हड़ताल का अपना मनोविज्ञान होता है। वह कुछ तिकड़मबाजों के लिए तो फायदेमंद होती है लेकिन जरूरी नहीं कि हड़ताल में शामिल हर आंदोलनकारी तक लाभ की किरण पहुंचे ही। जो जिस विभाग से जुड़ा है, उसकी समस्याओं को लेकर हड़ताल हो तो बात समझ में आती है लेकिन सस्ती लोकप्रियता के लिए किसी भी मुद्दे को लपक लेना और उस पर आंदोलन करते हुए देश को परेशानी में डालना किसी भी लिहाज से उचित नहीं है। इसलिए देश में आंदोलनों को लेकर एक आचार संहिता तो बननी ही चाहिए। हड़ताल को देश पर थोपना क्यों जरूरी है, यह बात देश को बताई तो जानी ही चाहिए। हाल ही में सर्वोच्च न्यायालय ने वकीलों की हड़ताल पर न केवल नाराजगी जाहिर की है बल्कि यह भी कहा है कि वकील न तो हड़ताल पर जा सकते हैं और न ही काम बंद कर सकते हैं। शीर्ष अदालत का तर्क है कि वकीलों की हड़ताल से अदालतों में मुकदमों का पहाड़ खड़ा हो जाता है। शीर्ष अदालत के इस तर्क में दम है। यह पहला मौका नहीं जब सुप्रीम कोर्ट ने इस तरह की तल्ख टिप्पणी की है। वर्ष 2019-20 में भी उत्तराखंड के वकीलों की हड़ताल पर सर्वोच्च न्यायालय के न्यायमूर्तियों ने कुछ ऐसी ही टिप्पणी की थी। मौजूदा टिप्पणी भी उत्तराखंड के ही संदर्भ में है। ऐसा भी नहीं कि उत्तराखंड अकेला राज्य है, जहां हड़ताल पर सुप्रीम कोर्ट कोर्ट तल्ख होता नजर आया है। सवाल यह है कि शीर्ष अदालत को बार-बार इस तरह की टिप्पणी करनी क्यों पड़ रही है और अधिवक्ता हड़ताल को लेकर उसके आदेशों की अनदेखी क्यों कर रहे हैं? यह बार और बेंच के बीच समन्वयहीनता नहीं तो और क्या है? उत्तराखंड के वकीलों का 35 साल से हर शनिवार को हड़ताल का सिलसिला चला आ रहा था। जाहिर है कि बार और बेंच के बीच कुछ तो जटिलता है जो ठीक नहीं हो पा रही है। देश की शीर्ष अदालत भी सब समझती है लेकिन वह फुंसी को नासूर बनते भी तो नहीं देख सकती। सो, इस बार के अपने निर्णय में उसने निदान का तत्व भी तलाशने की कोशिश की है। सभी उच्च न्यायालयों को मुख्य न्यायाधीश की अध्यक्षता में वकीलों की शिकायतों के निवारण के लिए राज्यस्तरीय समिति गठित करने के निर्देश दिये हैं। अपने निर्णय में उसने निचली अदालत के वकीलों के हितों और उनकी समस्याओं का भी ध्यान रखा है। जिला स्तर पर भी इस तरह की समिति गठित करने के निर्देश दिये हैं। यह एक स्वस्थ और सकारात्मक पहल है। बार और बेंच के टकराव घटाकर ही न्यायालयों में कामकाज की स्थिति सुचारू हो सकती है।

सियाराम पांडेया 'शांत'

आंदोलन देश का मार्गदर्शन तो करते नहीं, अलबत्ता परेशानी और चिंता का ग्राफ जरूर बढ़ा देते हैं। बिना सिर-पैर के आंदोलनों से वैसे भी किसी का भला नहीं होता। नुकसान अधिकांश जनता का होता है।

मनोविज्ञान

फोटो की दुनिया

ट्वीट-ट्वीट

Keshav Prasad Maurya
@kpmaurya1

हमें अपने लिए ही नहीं आने वाली अपनी पीढ़ियों के लिए जल एवं पर्यावरण का संरक्षण का संकल्प करना होगा।

फेसबुक वॉल से

Mrityunjay Sharma
1 d ·

#AstroAlert
गुरु ने किया मेष राशि में प्रवेश- बना "गुरु चांडाल" योग ! मेष/ मिथुन/ सिंह/ धनु / कुम्भ लग्नवालों को मिलेगा जबरदस्त लाभ

अधिकारों के लिए लड़ने वाला नहीं, कर्तव्यबोध से भरा है भारत

1947 के बाद स्वदेशी, स्वावलंबन, आत्मनिर्भरता, भारतीय भाषाओं और भारतीय जन के सम्मान का जो समय प्रारंभ होना था वह नहीं हो पाया। लोक सेवक, जनसेवक शासक बन बैठे और उनकी मानसिकता वही थी, जो विरासत में मिली थी। इसने देश के स्वाभिमान को जगने नहीं दिया। आजादी के अमृत महोत्सव से अमृतकाल की यात्रा में देश आत्मविश्वास से भरा हुआ है। यह आत्मविश्वास 2014 के बाद हर भारतवासी में आया है जो कुछ समय पहले तक अवसाद और निराशा से घिरा था। भरोसा जगाने वाला यह समय हमें जगा कर कुछ कह गया और लोग राष्ट्रनिर्माण में अपनी भूमिका को रेखांकित और पुर्नपारिभाषित करने लगे। 'इस देश का कुछ नहीं हो सकता' से 'यह देश सब कुछ कर सकता है' तक हम पहुंचे हैं। यह आकांक्षावान भारत है, उम्मीदों से घिरा भारत है, अपने सपनों की ओर दौड़ लगाता भारत है। लक्ष्यनिष्ठ भारत है, कर्तव्यनिष्ठ भारत है। यह सिर्फ अधिकारों के लिए लड़ने वाला नहीं बल्कि कर्तव्यबोध से भरा भारत है। सही मायनों में यह भारत का समय है। भारत में बैठकर शायद कम महसूस हो किंतु दुनिया के ताकतवर देशों में जाकर भारत की शक्ति और उसके बारे में की जा रही बातें महसूसी जा सकती हैं। सांप-सपेरों के देश की कहानियां अब पुरानी बातें हैं। भारत पांचवीं बड़ी आर्थिक ताकत के रूप में विश्व मंच पर अपनी गाथा स्वयं कह रहा है। अर्थव्यवस्था, भू-राजनीति, कूटनीति, डिजिटलीकरण से लेकर मनोरंजन के मंच पर सफलता की कहानियां कह रहा है। सबसे ज्यादा आबादी के साथ हम सर्वाधिक संभावनाओं वाले देश भी बन गये हैं, जिसकी क्षमताओं का दोहन होना अभी शेष है। भारत के 1 अरब लोग नौजवान यानि 35 साल से कम आयु के हैं। स्टार्टअप इकोसिस्टम, जलवायु परिवर्तन के लिए किये जा प्रयासों, कोविड के विरुद्ध जुटाई गई व्यवस्थाएं, जी-20 के अध्यक्ष के नाते मिले अवसर, जीवंत लोकतंत्र, स्वतंत्र मीडिया हमें खास बनाते हैं। चुनौतियों से जूझने की क्षमता भारत दिखा चुका है। संकटों से पार पाने की संकल्प शक्ति वह व्यक्त कर चुका है। अब बात है उसके सर्वश्रेष्ठ होने की। अव्वल होने की। दुनिया को कुछ देने की। निश्चित यह सब कुछ इतना आसान नहीं था। नौकरशाही की जड़ता, राजनीति के सीमित पांच साला लक्ष्य, समाज में फैली गैरबराबरी और असमानता, क्षेत्रीयता, जातीयता की भावनाओं में बंटा समाज लक्ष्यों में बाधक था और आज भी कमोबेश ये संकट बने हुए हैं। भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के राष्ट्रीय मंच पर आगमन के साथ सारा कुछ बदल गया है। आम आदमी सरकारी प्रयासों के साथ देश के व्यापक लोकतंत्रीकरण में सहायक बना है। भारत सड़क, रेलवे, बंदरगाह और हवाई अड्डे जैसे बुनियादी ढांचे के निर्माण के साथ साफ्ट पावर में भी अग्रणी बना है। आप पिछले कुछ सालों में पद्म सम्मानों की सूची का अवलोकन करें तो आपका मन गर्व से भर जायेगा और एक नये भारत को बनता हुआ देख पायेंगें। दिल्ली से निकल देश की संभावनाएं छोटे शहरों और गांवों तक ले जाने के व्यापक प्रयास सब तरफ दिखने लगे हैं। छोटे शहर अपनी संभावनाओं को तलाश रहे हैं, गांव संसाधनों का केंद्र बनने के लिए व्यग्र हैं। नीतिगत फैसलों में गति लाकर देश का चेहरा बदलने के ये प्रयास साधारण नहीं हैं। प्रधानमंत्री इस परिघटना को बहुत उम्मीद से देखते हैं। नरेंद्र मोदी कहते हैं कि- ''भारत ने आज जो कुछ हासिल किया है, वह हमारे लोकतंत्र की ताकत, हमारे संस्थानों की ताकत की वजह से संभव हो पाया है। दुनिया देख सकती है कि भारत में लोकतांत्रिक ढंग से चुनी हुई सरकार निर्णायक फैसले ले रही है। हमने दुनिया को दिखा दिया है लोकतंत्र कितना फलदायी हो सकता है।

प्रो. संजय द्विवेदी

भारत में शायद कम महसूस हो किंतु ताकतवर देशों में जाकर भारत की शक्ति और उसके बारे में की जा रही बातें महसूस की जा सकती हैं। सांप-संपेरों के देश की कहानियां अब पुरानी बातें हैं।

राजनीति

स्वामी, परिजात माइनिंग इण्डस्ट्रीज (इण्डिया) प्रा. लि. की ओर से इसके पब्लिकेशन डिवीजन, रेड़मा मेदिनीनगर (डालटनगंज), से हर्षवर्द्धन बजाज द्वारा प्रकाशित एवं पारिजात माइनिंग इण्डस्ट्रीज (इण्डिया) प्रा.लि. C/O शिवासाईं पब्लिकेशन प्राइवेट लिमिटेड, नियर टेंडर बागीचा पेट्रोल पम्प, रातू, रांची-835222, झारखंड द्वारा मुद्रित. रजिस्ट्रेशन नं. RNI. 61316/94 पोस्टल रजिस्ट्रेशन नं.-13 । प्रधान संपादक : सुरेश बजाज, संपादक : हर्षवर्द्धन बजाज, स्थानीय संपादक : ओम प्रकाश अमरेन्द्र*, प्रेस कार्यालय : रांची रोड, रेड़मा, मेदिनीनगर, (डालटनगंज) पलामू-822102, फोन नम्बर : 07759972937, 06562-240042/ 222539, फैक्स नम्बर : 06562-241176/231257, रांची कार्यालय : 502बी, पांचवी मंजिल मंगलमूर्ति हाईट्स, रानी बगान, हरमू रोड, रांची-83001, फोन नं.- 0651-2283384/ फैक्स : 0651-2283386, दिल्ली कार्यालय : 25-एलएफ, तानसेन मार्ग, नई दिल्ली-1, गढ़वा कार्यालय : मेन रोड, गढ़वा-822114, फोन : 9430164580, लातेहार कार्यालय : रमेश सेनेटरी, मेन रोड, लातेहार -829206, फोन : 9128656020, 7763034341, लोहरदगा कार्यालय : रिलायंस पेट्रोल पंप के बगल में, आशा कॉम्प्लेक्स लोहरदगा- फोन : 7903891779, 8271983099, ई-मेल : rnm_hb@yahoo.co.in, rnm.hvb@gmail.com (*पीआरबी अधिनियम के तहत खबरों के चयन के लिए जिम्मेवार।)

गर्मी में घड़े का पानी पीयें कई तरह के रोग दूर होंगे

जैसे-जैसे गर्मी का तापमान चढ़ने लगा है, वैसे-वैसे मिट्टी के घड़ों व सुराही की मांग भी बढ़ने लगी है। गरीबों के लिए देसी फ्रिज कहे जाने वाले इन मिट्टी के बर्तनों में रखे पानी को पीने से कई बीमारियों में लाभ मिलने के कारण अब आर्थिक संपन्न परिवार के लोग भी विशेषकर गर्मी के मौसम में इन बर्तनों की खरीदारी करने लगे हैं। कारोबारियों की मानें तो इसके कारोबार में अभी मामूली तेजी आयी है। तापमान जैसे-जैसे चढ़ता है, कारोबार में भी वृद्धि होने लगती है। हालांकि कारोबारियों ने यह भी कहा कि बीते वर्ष की तुलना में इस बार गर्मी शुरू होने के साथ कारोबार भी ठीक-ठाक शुरू हुआ है। वैसे गर्मी के मौसम में विशेषकर मध्यमवर्ग व गरीब वर्ग के लिए मिट्टी के घड़े व सुराही गर्मी में वरदान साबित होते रहे हैं। इस बर्तन में बिना खर्च पानी शीतल रहता है। इन बर्तनों का पानी पीने से कई बीमारियां भी ठीक हो जाती हैं।

पित्त संबंधी 40 प्रकार की बीमारियों को भी करता है ठीक

आयुर्वेद रक्षा एवं विकास संस्थान के राष्ट्रीय अध्यक्ष डॉ विवेकानंद मिश्र ने कहा कि गर्मी में मटके का पानी जितना ठंडा होता है, स्वास्थ्य के लिए भी उतना ही फायदेमंद होता है। मटके का पानी कुदरती तरीके से ठंडा होता है, इसलिए यह शरीर के लिए नुकसानदायक नहीं होता। लेकिन, फ्रिज का ठंडा पानी कई तरह की स्वास्थ्य संबंधी समस्याएं पैदा करता है। उन्होंने कहा कि मटके के पानी का तासीर ठंडा होने से गर्मी में भी यह स्वास्थ्य के लिए काफी बेहतर होता है। पाचन की क्रिया को बेहतर बनाने में मदद करता है। साथ ही पित्त संबंधित 40 प्रकार की बीमारियों को भी ठीक करता है। मटके के पानी में आयरन प्रचुर मात्रा में पाया जाता है। इससे शरीर में आयरन की कमी भी दूर होती है। मटके का पानी सेवन से गैस की समस्या से छुटकारा मिल जाता है। डॉ मिश्रा ने कहा कि मटके का पानी ब्लड प्रेशर को भी नियंत्रित रखने में मदद करता है। यह बैड कॉलेस्ट्रोल की मात्रा को कम करके हर्ट अटैक की आशंकाओं को भी कम करता है। मटके का पानी पीने से फोड़े, फुंसी, मुंहासे सहित त्वचा संबंधी कई रोगों की समस्याएं दूर होती है। साथ ही त्वचा में भी चमक आ जाती है। उन्होंने कहा कि मटके का पानी से गले को भी फायदा पहुंचता है। उन्होंने कहा कि इसके सेवन से गले की कोशिकाओं का तापमान अचानक नहीं गिरता, जबकि फ्रीज के पानी के सेवन से गले की कोशिकाओं का तापमान अचानक गिर जाता है।

100 से 250 रुपये

प्रति पीस खुदरा बाजार में घड़े का है भाव

सामान्य व नल लगे घड़े व सुराही इस बार भी बाजार में बिक रहे हैं। नल लगे घड़े (आकार के अनुसार) 100 से 250 रुपये प्रति पीस व सुराही 75 से 150 रुपये तक प्रति पीस खुदरा बाजार में बिक रहा है, जबकि बिना नल के घड़े 80 से दो सौ व सुराही 50 से 125 रुपये तक प्रति पीस खुदरा बाजार में बेचा जा रहा है।

– नीरज कुमार

कैसे लगता है लू, क्या है लक्षण?

लू से बचने के लिए इन उपायों का करें पालन

गर्मी शुरू होते ही लोग ठंडी चीजें ज्यादा खाना-पीना शुरू कर देते हैं। ऐसे में लोग धूप लगते ही ठंडे पानी, कोल्ड ड्रिंक आदी का सेवन करते हैं। जो उन्हें बीमार करती है। हम चाहे कितना भी धूप से बचने की कोशिश करें गर्म हवा के कारण लू जैसी समस्याओं का सामना करना पड़ता है। लू यानि हीट स्ट्रोक गर्मियों में हवा का तापमान सामान्य से ज्यादा होता है, इस वातावरण में चलने वाली हवाएं लू कहलाती है।

लू लगने के क्या है लक्षण

लू लगने पर सिर दर्द, थकावट, उल्टी, बुखार आदि लक्षण दिखाई देने लगते हैं। वहीं व्यक्ति को डिहाइड्रेशन की समस्या भी हो जाती है। ऐसे में खुद के साथ परिवार का ध्यान रखना बेहद जरूरी है खासकर बच्चों का बचाव जरूरी है। यदि किसी व्यक्ति को लू लग जाए तो कुछ घरेलू उपायों से इस समस्या को दूर किया जा सकता है।

कब लगता है लू

गर्मियों में शरीर में पानी की कमी के कारण लू लगता है। इसके अलावा गर्म हवा और धूप में लगातार काम करने या बाहर निकलने, गर्म मौसम में अधिक कपड़े पहनने, शराब का सेवन करने आदि से भी लू लगता है। अधिकतर हीट स्ट्रोक के मामले उन लोगों के साथ देखा गया है जो बिना तरल पदार्थ लिये या खाली पेट बहुत अधिक देर तक तेज धूप में रहते हैं। छोटे बच्चों व बुजुर्गों सहित गर्भवती महिलाओं के लिए विशेषतौर पर सतर्कता बरतने की जरूरत होती है। इसके अलावा मधुमेह, मानसिक बीमारी, ब्लड प्रेशर की दवा का सेवन करने वालों के प्रति भी हीट स्ट्रोक को लेकर सावधानी बरतने की जरूरत है।

लू से बचने के लिए इन उपायों का करें पालन

दोपहर के समय घर से बाहर नहीं निकलें।
खाली पेट अधिक देर तक बाहर नहीं रहें।
खाना में सुपाच्य और हल्के भोजन ही लें।

सूती के बने हुए ढीले व हल्के कपड़े पहनें।
शराब व कैफीन आदि के सेवन से बचें।
खूब पानी पीयें, इलेक्ट्राल का इस्तेमाल करें।
छाते, टोपी या तौलिये से खुद को ढंकें।

हीटस्ट्रोक का हो असर तो रखें ध्यान

हीटस्ट्रोक का असर होने पर व्यक्ति को बुखार आ जाता है। इसके साथ ही उल्टी व दस्त की शिकायत होती है। ऐसे में मरीज का बुखार कम करने के लिए तुरंत पारासिटामोल दवा एवं उल्टी व दस्त होने पर नमक, चीनी व पानी या ओआरएस का घोल लेना चाहिए।

लू लगने पर क्या करें

लू से पीड़ित व्यक्ति को ठंडे पानी से नहलायें।
व्यक्ति के शरीर पर पानी से भिगोकर कपड़ा लपेट दें।
अधिक से अधिक बार पानी व ओआरएस पिलायें।
आवश्यक पड़ने पर तुरंत डॉक्टर से परामर्श लें।
बेल या नींबू का शर्बत लाभकारी है।
कच्चे आम का शर्बत बना कर पीयें।
पानी में नींबू-नमक मिलाकर पीयें।
पानी में ग्लूकोज मिलाकर पीते रहें।
कच्चे आम के लेप से तलवों की मालिश करें।

बच्चों में टाइप टू डायबिटीज का कारण क्या है?

बड़ों में डायबिटीज एक आम समस्या है, लेकिन हाल के दिनों में बच्चों में भी डायबिटीज की परेशानी में बढ़ोत्तरी देखी जा रही है। डाइट के खराब पैटर्न, अनहेल्दी लाइफस्टाइल, अस्त-व्यस्त डेली रूटीन जैसी स्थिति बच्चों और किशोरों में बढ़ रही है और इसका नतीजा डायबिटीज की परेशानी है। ऐसे में वैसे बच्चे जिन्हें डायबिटीज की समस्या है उनके पैरेंट्स को बहुत ही सावधानी से यह चेक करने की जरूरत है कि उनके बच्चे की डाइट कैसी है और किस तरह की चीजें डाइट से बाहर की जानी चाहिए और कौन सी चीजों को एड किया जाना चाहिए। जानें बच्चों में ब्लड शुगर के लेवल को कैसे मैनेज करें और टाइप 2 डायबिटीज को मात देने के लिए क्या उपाय करने जरूरी हैं।

हाई फाइबर फूड्स लें : हाई फाइबर फूड्स शरीर में सूजन को कम करने, इम्यूनिटी को बढ़ाने और ब्लड शुगर लेवल को कंट्रोल करने में मदद कर सकते हैं। हाल ही की एक स्टडी में यह बात सामने आई है कि भोजन से पहले थोड़ी मात्रा में मट्ठा पीने से टाइप 2 मधुमेह वाले लोगों को ब्लड शुगर लेवल को कंट्रोल करने में मदद मिल सकती है।

सेब टाइप 2 डायबिटीज को रोकन में कारगर : सेब पेट भरने वाला फ्रूट है क्योंकि इसमें फाइबर और विटामिन सी की मात्रा अधिक होती है। इसमें टाइप 2 डायबिटीज और हार्ट डिजीज को रोकने के इतिहास के साथ पॉलीफेनोल्स और पौधों पर आधारित कैमिल होते हैं। सेब फ्रुक्टोज का ब्लड शुगर लेवल पर लगभग बहुत कम प्रभाव पड़ता है।

शुगर लेवल को मैनेज करने में मदद करते हैं गाजर : डायबिटीज की समस्या में दैनिक आहार में गाजर को एड कर सकते हैं क्योंकि हालांकि ये स्वाद में मीठे होते हैं लेकिन ब्लड शुगर लेवल को मैनेज करने में मदद भी करते हैं। काबोर्हाइड्रेट से भरपूर होने के बावजूद यह मधुमेह रोगियों के लिए अच्छा है क्योंकि गाजर में स्टार्च नहीं होता है।

कॉम्पलेक्स कार्ब्स में होते हैं फाइबर, मिनरल्स : सिंपल काबोर्हाइड्रेट की तुलना में शरीर को कॉम्पलेक्स काबोर्हाइड्रेट को ऑब्जर्ब करने में अधिक समय लगता है। यही वजह है कि कॉम्पलेक्स काबोर्हाइड्रेट वाले फूड्स पचने में अधिक समय लेते हैं और अक्सर इसमें फाइबर, विटामिन और मिनरल्स शामिल होते हैं। इसलिए, वे तुरंत ब्लड शूगर को प्रभावित करते हैं और मैनेज करने में मदद करते हैं।

बड़े काम के हैं चिया सीड्स : चिया सीड्स खाने में इतनी अच्छी नहीं लगती कि बच्चे स्वेच्छा से खा सकें, लेकिन यह कुछ ऐसा है जो वास्तव में उनके लिए बेहद फायदेमंद हो सकता है। चिया सीड्स को बच्चों के डाइट में शामिल करने के कुछ दिलचस्प तरीके आजमा सकते हैं। चिया सीड्स में हेल्दी फैट, विटामिन, फाइबर और एंटीऑक्सीडेंट प्रचुर मात्रा में होते हैं। डायबिटीज केयर में प्रकाशित एक अध्ययन के अनुसार, चिया सीड्स ब्लड शुगर लेवल को कम करने में मदद कर सकते हैं। इसके अतिरिक्त, यह टाइप 2 डायबिटीज के मरीजों में हार्ट डिजीज के रिस्क को कम करता है।

दही का सेवन है सही : दही का सेवन करने से रोग से लड़ने में मदद मिल सकती है। दही प्रोटीन का एक अद्भुत स्रोत भी है। प्रोबायोटिक्स (अच्छे बैक्टीरिया) के रूप में जाने जाने वाले जीवित सूक्ष्मजीव सभी प्रकार के हानिकारक जीवाणुओं से बचाव में सहायता करते हैं। ये वायरस से लड़ने वाली कोशिकाओं की संख्या बढ़ाकर वे बीमारी से लड़ने में भी मदद करते हैं।

रोजाना करें एक्सरसाइज : डायबिटिक बच्चों को प्रोसेस्ड मीट से बचना चाहिए क्योंकि उनमें फैट और नमक की मात्रा अधिक होती है। इसके अलावा ऐसे बच्चों के लिए यह जरूरी है कि वे घर जरूरी एक्सरसाइज या योग करें और नियमित रूप से सांस लेने की प्रैक्टिस करें। एक्सपर्ट कहते हैं कि हेल्दी फूड्स शुगर स्पाइक्स को रोकने और इंसुलिन प्रतिरोध में सुधार करने में मदद कर सकते हैं जिससे अंततः डायबिटीज के लिए दवाओं पर निर्भरता कम हो सकती है।

नेटवर्क नहीं रहने पर भी कर लेंगे कॉल

जी हां! बस आपके स्मार्ट फोन में वाई फाई कनेक्ट होने की जरूरत है। जिओ में पहले से ही स्मार्टफोन यूजर्स को बहुत सारी फैसिलिटी दी है और अब जिओ वाईफाई कॉलिंग भी आपको यहां पर इस प्रकार का फीचर देता है, जिसके माध्यम से आप कॉल कर सकते हैं। टेक्नोलॉजी की दुनिया दिन पर दिन आगे बढ़ती जा रही है और इसी क्रम में हम आज आपको बताएंगे कि, अगर आपके फोन में नेटवर्क नहीं भी है, तो भी आप कहीं भी आसानी से कॉल कर सकते हैं। जी हाँ, स्मार्टफोन आपको कई तरह से सशक्त बनाता है और आपकी न केवल पर्सनल बल्कि प्रोफेशनल जरूरतों को भी यह जबरदस्त ढंग से पूरा करता है, लेकिन तब आपको दिक्कत हो जाती है जब आपके मोबाइल फोन में नेटवर्क नहीं रहता है। ऐसे में आपकी जरूरी कॉल तक छूट सकती है, लेकिन अब आप परेशान ना हो, बल्कि आप अपने जिओ स्मार्ट फोन में जिओ वाईफाई कॉलिंग की मदद से आसानी से कॉल कर सकते हैं।

जी हां! बस आपके स्मार्ट फोन में वाई फाई कनेक्ट होने की जरूरत है। जिओ में पहले से ही स्मार्टफोन यूजर्स को बहुत सारी फैसिलिटी दी है और अब जिओ वाईफाई कॉलिंग भी आपको यहां पर इस प्रकार का फीचर देता है, जिसके माध्यम से आप कॉल कर सकते हैं।

अगर आप आईफोन यूजर हैं तो आप सबसे पहले सेटिंग में जाइए यहां पर आपको तमाम ऑप्शंस के बीच मोबाइल डाटा के ऑप्शन में जाना होगा। यहीं पर आपको वाईफाई कॉलिंग का ऑप्शन नीचे की ओर नजर आएगा, इसे इनेबल करने के बाद आपको आसानी से कॉलिंग करने का ऑप्शन मिलेगा।

अगर एंड्रॉयड यूजर्स की बात करें तो स्मार्ट फोन के सेटिंग में जाकर वहां कनेक्शन के ऑप्शन पर वाईफाई कॉलिंग ऑप्शन को आपको ऑन करना पड़ेगा, जिसके बाद यह सर्विस इनेबल हो जाएगी।

अगर एयरटेल यूजर्स की बात करें तो वह भी इस फीचर का लाभ उठा सकते हैं। हालांकि एयरटेल यूजर्स को यह सुविधा केवल एयरटेल फाइबर कनेक्शन पर ही दी जाती है, इसकी मदद से वह आगे कॉल कर सकते हैं।

❖ विंध्यवासिनी सिंह

काव्य कोना

न जाने कब

आँ सूओं को सँजो के रखना
न जाने कब, सागर माँग ले।
श्वासों को बचा के रखना
न जाने कब, हवा विरल हो जाये।
नयनों में चाँद की शुभ्रता छिपा लो
न जाने कब, व्योम धूमिल हो जाये।
लहरों की थिरकन मन में सँवार लो
न जाने कब, समुन्दर एकांकी हो जाये।
गीतों की गूँज ध्यान में बसा लो
न जाने कब, भँवरा भूल जाये।
सँभार लो ,कलियों पर भँवरों का नर्तन
न जाने कब, बाँकपन संजीदा हो जाये।

❖ नाग मणि

अनेक रोगों को मिटाता है 'गरमाडो'

वैद्य ब्रजेश कुमार दुबे
पतंजली आरोग्य केन्द्र रेड़मा
डालटनगंज पलामू झारखण्ड
मो. – 7903216488, 9334716688

जड़ी-बूटियों की दिव्यता इस घटना से भी ज्ञात होती है कि रामचरित मानस में लक्ष्मण जी के मूर्च्छित हो जाने पर हनुमान जी द्वारा पवंत से, संजीवनी बूटी लाना तथा लक्ष्मण जी के स्वस्थ्य होने की बात सभी पढ़ते व सुनते हैं। आयुर्वेद के महान, शोधकर्ता 'जीवक' (जिन्होंने भगवान बुद्ध का उपचार किया था) ने जड़ी-बूटियों की उपयोगिता के संबंध में, लम्बे समय तक शोध करने के पश्चात निष्कर्ष दिया कि कोई भी जड़ी-बूटी ऐसा नही है, जो प्राणी मात्र के लिए स्वास्थ्यवर्द्धक एवं जीवन रक्षक न हो अर्थात प्रत्येक जड़ी-बूटी जीवन उपयोगी पाई गई।

उपनिषद का कथन है-

'' यो देवॉग्नौ योडप्सुयो विश्रं भुवनमाविवेश।
या औषधीयु यो वनस्पतिषु तस्मै देवाय नमोनमः ।।''
(श्वेतश्वरोपनिषद 2/1)

अर्थात : जो परमात्मा अग्नि में जल में है, समस्त लोकों में समाविष्ट है, जो सभी औषधियों एवं वनस्पतियों में विद्यमान है उस परमात्मा को नमन है। अब आवश्यकता इस बात की है कि मनुष्य आधुनिकता के अंध दौर में जीव वनस्पति जगत एवं पर्यावरण के बीच तारतम्य को नष्ट न करें अन्यथा उसकी भौतिक प्रगति उसकी जीवन-रक्षा न हो पायेगी। इसलिए पुनः नये सिरे से उपयोगी जीवनदायी वनस्पतियों का आरोपण तथा विकास प्रक्रिया आरंभ करें। इससे दोहरा लाभ है। एक तो मनुष्य को शक्ति व सामर्थ्यों से युक्त नया जीवन मिलेगा और दूसरा वातारण में संव्याप्त प्रदूषण की समस्या सुधरेगी। आयुर्वेद का पुर्नजीवन इस माध्यम से यदि संभव हो सके तो यह मानवता की सबसे बड़ी सेवा होगी। अब मैं राष्ट्रीय नवीन मेल के पाठकों को एक ऐसा रोग का उपचार हेतु कुछ जड़ी-बूटियों से अवगत करा दूं जिससे चमत्कार रूपी शक्ति छुपी हुई है, परन्तु ये वनस्पति हमारे बीच होते हुए भी आज हम शरीर के हर संधियों पर शोथ के साथ-साथ दर्द से कराह रहे होते है और उन दिव्य शक्ति युक्त जड़ियों की उपेक्षा करते रहते हैं और उसे बेकार का वृक्ष समझ उसे नष्ट कर देते हैं। इस जड़ी के अन्दर बहुत बड़ा चमत्कार छुपा हैं आप इसे आजमायें और इसकी शक्ति को देखें। इस औषधिये पौधा का नाम है- ''गरमाडो '' ब्याधिघात, सोनालू तथा पहाड़ी भाषा में ''वाहवोह'' इसके वृक्ष भारतवर्ष में अधिकतर स्थानों पर प्राप्त हो जाते है, इसके पेड़ की गोलाई लगभग तीन फीट होती है तथा इस पेड़ की छाल उतारने पर लाल रंग का रस निकलता है। इसकी जड़ की छाल व जड़ी का कल्प बनाकर सेवन किया जाय तो कितना भी पुराना 'गठिया' क्यों ना हो वह सात दिनों में समाप्त हो जाता है और भविष्य में गठियां रोग नहीं होता। इस जड़ी का कल्प के साथ नागरमोथा चूर्ण , रास्नाचूर्ण और निर्गुण्डी चूर्ण को एक रस कर दें और सुबह-शाम उम्र के अनुसार 2.5 से 5 तक सेवन करें।

टी.बी. की बीमारी दूर करने में इसके मकाबले की अन्य वनस्पति नहीं है, इसकी जड़ को दूध में औटाकर पीने से किसी प्रकार का टी.बी समाप्त हो जाती है। यदि इसकी जड़ को घिस कर दाद पर लगाया जाय, तो कुछ ही दिनों में वह दाद समाप्त हो जाता है। हिमालय के कई क्षेत्रों में स्थानीय लोग इसकी जड़को गदहे के मूत्र में घीसकर चर्म रोगों पर लगाकर धुप में एक घंटे के लिए बैठते है और जलन होने पर एक घंटे बाद पानी के टब में बैठ जाते हैं। एक दिन में ही चर्मरोग से निजात हमेशा के लिए मिल जाता है। इसकी जड़, छाल, फल, फूल, और पत्ते पांचों को जल में पीसकर दाद-खुजली या चर्म विकारों पर लगाने से जादू के समान असर करता है। यदि पेशाब के साथ खून गिरता हो, तो इसके फल का गुदा नाभी पर लेप करने से तुरन्त फायदा होता है। इसके द्वारा श्वांस की रूकावट, कंठमाला कोढ, कर्ण रोग, बालकों का अफारा आदि तुरन्त दूर किया जा सकता है। आंतों के रोग ,कुष्ट, कब्जी गले की तकलीफ आदि में इसकी जड़ महत्पूर्ण औषधि कही गई है।

इसकी गिरी का क्राथ पिलाने से लघु विरेचन होकर श्वांस क रूकावट मिटती है।

इसके पत्तों को गरम करके इसकी पुल्टिस बांधने से सुन्नपन, गठिया और अर्दित में फायदा होता है।

इसके डेढ़ तोले गिरी को इस पानी में औंटाकर ढ़ाई तोले रहने पर उसमें तीन तोले गायक का घी मिलाकर खडे-खडे पीने से अण्ड-वृद्धि में लाभ होता है।

इसकी जड़ को चावलों के पानी के साथ पीसकर सुंघने और लेप करने से कण्ठमाला में काफी फायदा होता है।

इसके क्राथ को कान में डालने से पीव बहना बंद हो जाता है। इसके छिलके को औटाकर उसमें शक्कर मिलाकर पिलाने से गर्भवती स्त्री को आराम से प्रसव हो जाता है।

एक सत्य घटना : ये सन 2008 की घटना है उस समय ग्राम सखुआ गोल्लना (पाटन) के निवासी श्री गणेश तिवारी जी का आर्थिक स्थिति अच्छा नहीं था काफी कष्ट में समय गुजर रहा थे तथा वे बारालोटा , डालटनगंज में अपने साढ़ के मकान में किराये पर रहते थे। एक दिन उन्होंने मुझसे आग्रह किये कि अगर आप मुझे कुछ औषधि से परिचय करा दे तो मेरा भी रोजी रोटी चल सके। मैं उन्हें जंगल में ले जाकर उसी वनस्पति से परिचय कराया और बताया कि ये औषधि पुराना से पुराना गठिया रोग को मात्र सप्ताह पन्द्रह दिन में ठिक कर देता है। खुदा ना खास्ते इनके गांव के ही एक 25 वर्षीय मोर्चा का लड़का छह माह से बेड पर पड़ा हुआ था वों डा. अरूण शुक्ला जी तथा और कई और्थोपैद्रिक डाक्टरों से इलाज करा कर थक चुका था। डा. शुक्ला जी ने उसे अन्त में बोल दिया कि अब तुम्हारा ईलाज अंग्रेजी दवाओं से नहीं है। श्री गणेश तिवारी जी को मौका मिल गया ये उसके घर गये और बिना पैसा का ईलाज शुरू किया पन्द्रह दिनों के अथक प्रयास से वो लड़का खड़ा हुआ और दो माह बाद धान की कटाई हेतु आराजिला चल गया। तिवारी जी का मनोबल बढ़ा और वे अपने साले के साथ-मिल कर पलामू गढ़वा और लातेहार में गाड़ी से प्रचार कराकर करीब-करीब पांच हजार गठिया रोगी को रोग से रोग मुक्त किया और अच्छा धन भी कमाया। ईश्वर ने उनकी जन सेवा से प्रसन्न होकर उनके कष्ट को भी हर लिया और उन्हें सुखी-सम्पन्न बना दिया। इसलिये सभी वैद्य वनस्पतियों पर विश्वास करें और सच्ची लगन के साथ रोगियों की सेवा कर उन्हें रोगमुक्त करें। ईश्वर वद्यों को कष्ट मुक्त करेगें। जय धन्वन्तरी।

KASHYAP'S DENTAL CLINIC

Dr. Vaibhav Kashyap

Oral & Dental Surgeon, C.c. Endodontist & Implantologist Certified Orthodontist, MIDA

" Smiles & More"

छात्र-छात्राओं के लिए 50% की छूट

Facilities

- आरसीटी
- पायरिया का ईलाज
- टेढ़े-मेढ़े दाँतों का ईलाज
- स्माईल डिजाइन
- इनविजिवल क्लिप
- दंत रोपण
- फिक्स दाँत लगाना
- अत्याधुनिक मशीन और तकनीक के द्वारा ईलाज

CHAMBER
SKYLINE - 4006, 4th Floor, Kadru, Opp. Dr. Lal's Hospital, Ranchi
Contact No. : 9199533383, 7903835453
Time : 9 am to 2 pm & 4 pm to 8 pm
Sunday : 9 am to 2 pm
E-mail : vaibhav.kashyap2011@gmail.com

NEWS इन ब्रीफ

दलाई लामा नवंबर में अरुणाचल का दौरा करेंगे

ईटानगर। तिब्बत के निर्वासित आध्यात्मिक नेता दलाई लामा के इस साल नवंबर में अरुणाचल प्रदेश का दौरा करने की संभावना है। मुख्यमंत्री पेमा खांडू ने शनिवार को यह जानकारी दी। मुख्यमंत्री ने ट्वीट किया : शांति के दूत, करुणा के अवतार, ज्ञान के सागर, परम पावन 14वें दलाई लामा के साथ आज सुबह अपने परिवार के सदस्यों के साथ दर्शन करने का सौभाग्य प्राप्त हुआ। इस साल अक्टूबर-नवंबर तक। राज्य और इसके लोगों के लिए उनका आशीर्वाद मांगा। बीजिंग ने हाल ही में गृहमंत्री अमित शाह की 10-11 अप्रैल को अरुणाचल प्रदेश की यात्रा पर अंजाव जिले के किबिथू गांव में 'वाइब्रेंट विलेज प्रोग्राम' (वीवीपी) शुरू करने पर नाराजगी जताई थी, जो चीन और म्यांमार के साथ सीमा साझा करता है।

एकनाथ शिंदे के नेतृत्व वाली सरकार का डेथ वॉरंट जारी !

संजय राउत का दावा : 15-20 दिन में गिर जाएगी सरकार

एजेंसी। मुंबई

शिवसेना (उद्धव बालासाहेब) के नेता संजय राउत ने रविवार को दावा किया कि महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे की सरकार के डेथ वॉरंट जारी हो चुका है और यह सरकार 15-20 दिन में गिर जाएगी। राउत ने पत्रकारों से बातचीत के दौरान कहा कि उनकी पार्टी कोर्ट के आदेश का इंतजार कर रही है। उन्होंने कहा कि हम उम्मीद करते हैं कि हमारे साथ न्याय होगा। राज्यसभा सांसद सुप्रीम कोर्ट के उस केस की बात कर रहे थे, जिसमें शिवसेना के 16

बागी विधायकों की अयोग्यता पर फैसला होना बाकी है। गौरतलब है कि शिवसेना के कई नेताओं ने उद्धव ठाकरे के नेतृत्व को मानने से इनकार करते हुए अपना समर्थन एकनाथ शिंदे गुट को दे दिया था। विधायकों की इसी बगावत के खिलाफ ठाकरे गुट ने सुप्रीम कोर्ट में याचिका दायर कर 16 बागी विधायकों को अयोग्य घोषित करने की मांग की थी। राउत ने कहा, मौजूदा मुख्यमंत्री और उनकी 40 विधायकों की सरकार 15 से 20 दिनों में ही गिर जाएगी। इस सरकार का डेथ वॉरंट जारी हो चुका है। अब बस इस पर फैसला होना है कि इस पर हस्ताक्षर कौन करेगा। पिछले साल जून में ही शिवसेना नेता शिंदे ने महाविकास अघाड़ी सरकार में रहते हुए बगावत कर दी थी। शिंदे ने शिवसेना के 39 विधायकों को लेकर अपना अलग गुट बना लिया था, जिसके बाद महाराष्ट्र की सियासत में भूचाल आ गया था। शिंदे महाविकास अघाड़ी को तोड़ने और भारतीय जनता पार्टी के साथ गठबंधन बनाया था।

...जब एसआई मनजीत कौर ने परिवार की रजामंदी से महिला से की शादी

विशाल गुलाटी। चंडीगढ़

समलैंगिक शादियों को कानूनी मान्यता देने पर सुप्रीम कोर्ट की संविधान पीठ में बहस हो रही है और सरकार के पास यह साबित करने के लिए कोई डेटा नहीं है कि ऐसी शादियां एक शहरी-अभिजात्य वर्ग की अवधारणा है, पंजाब में समाज की आवाज 'प्रतिबिंबित' हुई। जब राज्य पुलिस में एक सब-इंस्पेक्टर मनजीत कौर ने 2017 में एक महिला के साथ शादी के बंधन में बंधी। मीडिया की चकाचौंध के बीच शादी में परिवार के सदस्य और दोस्त शामिल हुए। पुलिस अधिकारी ने पारंपरिक लाल पगड़ी पहनी और उसकी दुल्हन रथ पर सवार होकर आई। इसे हिंदू रीति-रिवाजों के अनुसार मनाया गया। 'दंपति' को न केवल एलजीबीटीक्यू (लेस्बियन, गे, बाइसेक्शुअल, ट्रांसजेंडर और क्वीर) समुदाय से बल्कि मशहूर हस्तियों से भी दुनिया भर में सराहना मिली।

जबकि याचिकाकर्ता समानता के लिए तर्क देते हैं और केंद्र सरकार स्थिरता के आधार पर विरोध करती है, एमनेस्टी इंटरनेशनल ने जवाब दिया कि भारत सरकार की वर्तमान स्थिति समलैंगिक विवाह की मान्यता का विरोध करने का मतलब है कि उदय और पार्थ जैसे समान-लिंग वाले जोड़ों को शादी के अधिकार से वंचित किया जा रहा है। दोनों में से केवल एक को कानूनी रूप से अपने बच्चों के पिता के रूप में मान्यता प्राप्त है। वरिष्ठ अधिवक्ता राजू रामचंद्रन, जो पंजाब की एक दलित महिला, याचिकाकर्ता काजल और हरियाणा की एक ओबीसी महिला, उसकी साथी भावना का प्रतिनिधित्व करते हैं, ने शीर्ष अदालत को सूचित किया कि वे सबूत हैं कि समलैंगिक विवाह एक शहरी अभिजात्य अवधारणा नहीं है।

केंद्र के बयान को लापरवाह, अनावश्यक और असंवेदनशील करार देते हुए रामचंद्रन ने कहा, शादी की संस्था न केवल सामाजिक-आर्थिक अधिकारों का प्रवेश द्वार है, बल्कि अपने माता-पिता के परिवारों से सामाजिक सुरक्षा भी है। पंजाब और हरियाणा उच्च न्यायालय के एक वरिष्ठ अधिवक्ता ने मामले के विचाराधीन होने के कारण नाम न छापने का अनुरोध करते हुए आईएएनएस को बताया कि समलैंगिक जोड़ों को सुरक्षा प्रदान करने के लिए उच्च न्यायालय में याचिकाएं आ रही हैं, जिनका दावा है कि उन्हें उनके परिवारों द्वारा धमकी दी गई थीं। अधिकांश मामलों में उच्च न्यायालय पुलिस को आदेश दे रहा है कि वह खतरे की धारणा पर उनकी दलीलों का फैसला करें। उन्होंने कहा, लेकिन समलैंगिक विवाह के मुद्दे पर बहुत विचार-विमर्श की जरूरत है। अदालत को तब तक कोई फैसला नहीं देना चाहिए जब तक लोग और विशेषज्ञ इसमें शामिल न हों। पिछले महीने उच्च न्यायालय ने चंडीगढ़ पुलिस को जीवन और स्वतंत्रता की सुरक्षा की मांग करने वाली दो महिलाओं की याचिका पर विचार करने का निर्देश दिया था, क्योंकि उनके परिवारों ने उनके समलैंगिक विवाह को मंजूरी नहीं दी थी।

याचिकाकर्ताओं के वकील ने याचिका में कहा कि दोनों अच्छी तरह से शिक्षित हैं और लिव-इन रिलेशनशिप में एक साथ रह रहे हैं। उन्होंने विवाह को औपचारिक रूप नहीं दिया है, क्योंकि समलैंगिक विवाह को वैध नहीं किया गया है। संविधान के अनुच्छेद 21 का हवाला देते हुए, जो विशेष रूप से प्रावधान करता है कि कानून द्वारा स्थापित प्रक्रिया के अलावा किसी भी व्यक्ति को उसके जीवन या व्यक्तिगत स्वतंत्रता से वंचित नहीं किया जाएगा, न्यायमूर्ति गुरविंदर सिंह गिल ने कहा कि राज्य अपने नागरिकों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के अपने कर्तव्य से पीछे नहीं हट सकता है।

महाराष्ट्र भाजपा को सताने लगा है जाति जनगणना का भूत

एजेंसी। मुंबई

जाति आधारित जनगणना की मांग एक बार फिर केंद्र की भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के नेतृत्व वाली सरकार को परेशान करने लगी है। आम चुनावों में बमुश्किल एक साल रह गए हैं और इसलिए वह इस संवेदनशील मुद्दे पर फूंक-फूंककर कदम रख रही है। सर्वप्रथम ब्रिटिश सरकार द्वारा 1871-72 में संपूर्ण जनसंख्या के लिए और बाद में समय-समय पर की जाने वाली इंपीरियल जनगणना में हमेशा जाति-धर्म पर आधारित सामान्य प्रश्नों को शामिल किया गया है। हालांकि, पहली हल्की सामाजिक-आर्थिक जाति जनगणना (एसईसीसी) 1881 में अंग्रेजों द्वारा की गई थी - 140 साल पहले। इसके बाद 1931 में इसी तरह की जनगणना हुई थी। भारत ने 2011 में एक एसईसीसी का आयोजन किया था, लेकिन इसका उद्देश्य मुख्यतः गरीबी रेखा से नीचे (बीपीएल) रहने वाले लोगों की संख्या का पता लगाने और उस समूह के लिए लक्षित कल्याणकारी उपायों या योजनाओं को डिजाइन करना था। हालांकि उसके आंकड़े आज तक सार्वजनिक नहीं किए गए हैं। महाराष्ट्र कांग्रेस अध्यक्ष नाना पटोले ने दिसंबर 2021 में जाति आधारित जनगणना का मुद्दा उठाया और जल्द ही राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (राकांपा) और शिवसेना (उद्धव गुट) ने भी सुर में सुर मिला दिया। पटोले ने हाल ही में कहा, जाति जनगणना का फैसला सर्वसम्मति से (महाविकास अघाड़ी द्वारा) लिया गया था, लेकिन उसके बाद नई सरकार इसके प्रति अनिच्छुक है। कांग्रेस के मुख्य प्रवक्ता अतुल लोंधे ने कहा कि राज्य सरकार ने उस प्रस्ताव को ठंडे बस्ते में डाल दिया है और अब उस पर कोई प्रगति नहीं हो रही है।

जाति जनगणना: बिहार पर लगी हैं सबकी निगाहें

एजेंसी। पटना

बिहार में जाति आधारित जनगणना का दूसरा चरण शुरू होने के साथ ही राज्य के लोग इसके सकारात्मक और नकारात्मक पहलुओं का विश्लेषण करने लगे हैं। 'बुद्धिजीवी समुदाय' का मानना है कि इसमें कुछ खामियां हैं जैसे अत्यंत पिछड़ा वर्ग (ईबीसी), अन्य पिछड़ा वर्ग (ओबीसी) में उप-जातियां, दलित और मुस्लिम समुदायों को गिना जाएगा, लेकिन इसमें उच्च जातियों की उप-जातियों की गणना करने का कोई प्रावधान नहीं है। ऐसे में राज्य सरकार की इस कवायद ने उच्च जातियों के मन में राज्य सरकार की मंशा पर संदेह पैदा किया है। पटना के निजी शिक्षक अशोक कुमार ने आईएएनएस से कहा, राज्य सरकार इस बात से अच्छी तरह वाकिफ है कि ऊंची जाति के विधायक, एमएलसी और सांसद बिहार में अपनी जाति की वकालत नहीं कर सकते। उनका मानना है कि अगर वे ऊंची जाति के लोगों के हित में बात करते हैं, निचली जातियों का उनका वोट बैंक उनसे फिसल सकता है और वे चुनाव हार सकते हैं। कुमार ने कहा, दो से तीन उच्च जाति के विधायक और सांसद राजद, भाजपा, जद-यू, कांग्रेस, हम और अन्य में हैं, लेकिन वे अपनी जातियों के हितों के लिए मुखर नहीं हैं।

उत्तरी कमान के प्रमुख ने कहा

पुंछ हमले के साजिशकर्ताओं को भुगतने होंगे परिणाम

एजेंसी। जम्मू

भारतीय सेना की उत्तरी कमान के जनरल ऑफिसर कमांडिंग इन चीफ (जीओसी-एन-सी) लेफ्टिनेंट जनरल उपेंद्र द्विवेदी ने रविवार को भरोसा दिलाया कि पुंछ आतंकी हमले के साजिशकर्ताओं को जल्द ही नतीजे भुगतने होंगे। लेफ्टिनेंट जनरल द्विवेदी रविवार को उधमपुर के कमांड अस्पताल में पुंछ आतंकी हमले में जीवित बचे लोगों से मिलने पहुंचे। 20 अप्रैल को हुए इस हमले में 5 सैनिक शहीद हुए थे। हमले में बचे लोगों से बातचीत के दौरान, जीओसी ने आश्वासन दिया कि आतंकवादी हमले के लिए जिम्मेदार लोगों के खिलाफ आवश्यक कार्रवाई की जा रही है।

नीतीश-ममता की अहम मुलाकात 25 को

एजेंसी। कोलकाता

पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी और उनके बिहार समकक्ष नीतीश कुमार के बीच 25 अप्रैल को एक अहम बैठक होने की संभावना है। तृणमूल कांग्रेस के अंदरूनी सूत्रों ने कहा कि नीतीश कुमार मंगलवार सुबह कोलकाता आने वाले हैं और उसी शाम दक्षिण कोलकाता में ममता बनर्जी के साथ उनके कालीघाट स्थित आवास पर मुलाकात की पूरी संभावना है।

पश्चिम बंगाल कैबिनेट के एक सदस्य ने कहा कि बैठक में 2024 के लोकसभा चुनाव में विपक्षी एकता पर बात होगी। पिछले कुछ महीनों में, ममता बनर्जी ने 2024 के चुनाव में भाजपा के खिलाफ विपक्षी एकता के मुद्दे पर कई गैर-भाजपा और गैर-

कांग्रेसी नेताओं के साथ कई बैठकें की हैं। पिछले महीने समाजवादी पार्टी के मुखिया अखिलेश यादव ने कालीघाट में उनसे मुलाकात की थी। बैठक में, दोनों नेताओं ने कांग्रेस से दूरी बनाए रखने और 2024 के चुनावों में भाजपा के खिलाफ क्षेत्रीय ताकतों की एकता पर फोकस करने पर सहमति व्यक्त की। अखिलेश से मिलने के तुरंत बाद, ममता बनर्जी ओडिशा गईं और मुख्यमंत्री नवीन पटनायक के साथ बैठक की। इसके बाद जनता दल (सेक्युलर) के नेता एच.डी. कुमारस्वामी ने बनर्जी से मुलाकात की थी। पिछले हफ्ते उन्होंने तमिलनाडु में अपने समकक्ष एम.के. स्टालिन और देश में विपक्ष शासित राज्य में राज्यपालों की भूमिका के खिलाफ विपक्षी ताकतों की एकता पर चर्चा की।

FILMY हलचल

मनोज बाजपेयी ने अपने जन्मदिन पर की 'बंदा' के प्रीमियर की घोषणा

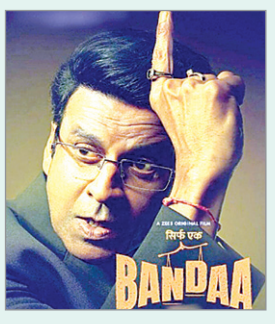

राष्ट्रीय पुरस्कार विजेता अभिनेता मनोज बाजपेयी ने अपने जन्मदिन के मौके पर फैंस को खुशखबरी दी। उन्होंने बताया कि वह जल्द ही फिल्म 'बंदा' में दिखाई देंगे, जिसके बारे में कहा जाता है कि यह सच्ची घटनाओं से प्रेरित है। यह फिल्म एक कोर्टरूम ड्रामा है, जो सीधे ओटीटी पर आएगी और इसमें मनोज एक प्रतिष्ठित वकील की भूमिका निभाएंगे, जिन्होंने सच्चाई और न्याय के लिए सभी बाधाओं के खिलाफ अकेले दम पर लड़ाई लड़ी। फिल्म के बारे में बात करते हुए, निर्देशक अपूर्व सिंह कार्की ने कहा: 'बंदा' में सब कुछ है - एक मजबूत कहानी, मनोज बाजपेयी जैसे शांत और मुखर अभिनेता और एक जबरदस्त सहायक कलाकार। फिल्म जल्द ही ओटीटी प्लेटफॉर्म जी5 पर स्ट्रीम करने के लिए उपलब्ध होगी।

'खतरों के खिलाड़ी' में शिव ठाकरे बने सबसे महंगे कंटेस्टेंट

'बिग बॉस 16' खत्म होते ही शिव के पास नए प्रोजेक्ट्स के लिए ऑफर्स की कतार लग गई है। रोहित शेट्टी ने उन्हें 'खतरों के खिलाड़ी' शो ऑफर किया और जल्द ही वह 'खतरों के खिलाड़ी' के अपकमिंग एपिसोड में नजर आएंगे। अब यह सामने आ गया है कि इस शो के लिए उन्हें कितनी राशि मिलेगी। उल्लेखनीय है कि शिव ठाकरे 'खतरों के खिलाड़ी' के आगामी सीजन के लिए कमर कसते नजर आ रहे हैं। कुछ दिनों पहले दिए एक साक्षात्कार में उन्होंने कहा था, उन्हें आग से नहीं बल्कि पानी से डर लगता है क्योंकि उन्हें तैरना नहीं आता। इसलिए, फिलहाल वह स्विमिंग की प्रैक्टिस कर रहे हैं।

दो टूक | सम्राट चौधरी ने कहा था कि नीतीश की राजनीति को मिट्टी में मिला देंगे

बुद्धि ही नहीं है, जो करना है कर दो : नीतीश

एजेंसी। पटना

भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष सम्राट चौधरी के 'मिट्टी में मिला देंगे' वाले बयान पर मुख्यमंत्री ने पलटवार किया है। उन्होंने कहा कि उनको कहिए न कि करा दीजिए। कौन रोक रहा है? यह सब जो लोग बोलता है। उसका कोई मतलब है क्या? हम कभी इस तरह से बोलते हैं? जो इस तरह के शब्दों का प्रयोग करता है तो समझ लीजिए कि उसे बुद्धि नहीं है। जो मन करे, वह कर लें। जहां करना है, कर दो। जो इच्छा है कर दो। आजकल जो लोग हैं, उन लोगों को बुद्धि बिल्कुल भी नहीं है। श्रद्धेय अटल बिहारी वाजपेई के हम लोग बड़े प्रशंसक रहे हैं। कितना हम प्रशंसा करते हैं और ये लोग ऐसा बयान देते हैं।

कुछ लोग हैं जो सब कुछ को बदल देना चाहते हैं

पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी से मुलाकात के सवाल पर मुख्यमंत्री ने कहा कि समय आने पर सब बता देंगे। जब हम सबलोगों से मिल लेंगे तो आपलोगों को सबकुछ बता देंगे। अभी इस तरह के सवाल का कोई मतलब नहीं है। हम तो ज्यादा-से-ज्यादा विपक्षी दलों को एकजुट करने में लगे हैं। अपने लिए कुछ नहीं चाहते हैं। हमारी कोई व्यक्तिगत इच्छा नहीं है। हम तो पूरे देश के लिए सोच रहे हैं। कुछ लोग पूरे देश के इतिहास को बदलने के चक्कर में हैं। इतनी बड़ी आजादी की लड़ाई लड़ी गई, उसे नई पीढ़ी को जानना चाहिए लेकिन कुछ लोग सबकुछ बदल देना चाहते हैं। जब सबलोग मिलकर रहेंगे तो देश सुरक्षित रहेगा।

बाबू वीर कुंवर सिंह का देश के लिए बहुत बड़ा योगदान है

दरअसल, सीएम नीतीश कुमार वीर कुंवर सिंह आजादी पार्क में आयोजित राजकीय समारोह में शामिल हुए थे। इस समारोह में राज्यपाल राजेन्द्र विश्वनाथ आर्लेकर ने उन्हें भावभीनी श्रद्धांजलि दी। कहा कि वीर कुंवर सिंह जी का यह कार्यक्रम हर साल आयोजित किया ने जाता है। आज यहां भी लोगों ने हमें बुलाया था। इनलोगों ने बाबू वीर कुंवर सिंह जी की मूर्ति स्थापित की है, यह बड़ी खुशी की बात है। बाबू वीर कुंवर सिंह का देश के लिए बहुत बड़ा योगदान है, यह सभी लोगों को मालूम है। दरअसल, शनिवार को भामाशाह की जयंति पर आयोजित कार्यक्रम में सम्राट चौधरी पर जमकर निशाना साधा था। उन्होंने कहा था कि हमारे नेता प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कमिटमेंट किया था कि नीतीश कुमार जी को ही मुख्यमंत्री बनाना है। इसलिए कार्यकताओं ने काफी मेहनत की लेकिन इसके बावजूद नीतीश कुमार जी भाग गए। अब जब वह भाग ही गए तो हमलोग तो उनको राजनीतिक तौर पर नीतीश कुमार मिट्टी में मिलाने का काम करेंगे। 2024 और 25 में हमलोगों को पूरी तरह कमिटमेंट करना होगा कि जिस तरह से यूपी में अपराधी, आतंकवादी और उग्रवादी मिट्टी में मिलाने का काम किया जा रहा है उसी तरह बिहार में राजनीतिक तौर पर नीतीश कुमार जी को मिट्टी में मिलाने का काम किया जाएगा।

दूसरे दिन फिल्म 'किसी का भाई किसी की जान' की कमाई में आया उछाल

बॉलीवुड सुपरस्टार सलमान खान की फिल्म "किसी का भाई किसी की जान" की रिलीज का आज तीसरा दिन है। फिल्म को लेकर फैंस के बीच काफी चर्चा है। फिल्म को रिलीज के पहले दिन अच्छा रिस्पॉन्स नहीं मिला। सभी को उम्मीद थी कि फिल्म रिलीज के दिन अच्छी कमाई करेगी। हालांकि पहले दिन के कलेक्शन के आंकड़े कम थे, लेकिन दूसरे दिन फिल्म के बॉक्स ऑफिस क्लेक्शन में बड़ा उछाल देखने को मिला है। ऐसे में फैंस की उम्मीदें बढ़ा गई हैं। किसी का भाई किसी की जान फिल्म ने दूसरे दिन अच्छी कमाई की है। वेबसाइट सैकनिल्क की रिपोर्ट के मुताबिक, "किसी का भाई किसी की जान" ने रिलीज के दूसरे दिन यानी ईद पर 25 करोड़ का कलेक्शन किया है। सलमान खान की इस फिल्म को ईद के मौके पर फैंस ने खूब प्यार दिया है। फिल्म ने दो दिनों में करीब 40 करोड़ कमा लिए हैं।

रांची के नामकुम में फिर हादसा

ट्रेलर व ट्रक की टक्कर में तीन घायल

नवीन मेल संवाददाता। रांची
नामकुम थाना क्षेत्र में ट्रेलर और 407 ट्रक में जबरदस्त टक्कर हो गई। हादसे में तीन लोग बुरी तरह से जख्मी हो गए हैं। हादसा लाह संस्थान के पास हुआ है। मौके पर पहुंची पुलिस की टीम ने घायलों को अस्पताल भेज दिया है। स्थानीय लोगों ने बताया कि ट्रेलर और 407 ट्रक बेहद तेज गति से लाह संस्थान के पास से गुजर रहे थे, इसी दौरान दोनों में आमने-सामने की टक्कर हो गई। टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि दोनों ही वाहन सामने की ओर से बुरी तरह से क्षतिग्रस्त हो गए। हादसे में दोनों ही वाहनों के ड्राइवर और खलासी बुरी तरह जख्मी हो गए। हादसे की सूचना पर आनन-फानन में नामकुम पुलिस मौके पर पहुंची और वाहन में फंसे ड्राइवर, खलासी को बाहर निकालकर एंबुलेंस के माध्यम से इलाज के लिए अस्पताल भेजा गया।घायलों की स्थिति गम्भीर नहीं: सबसे राहत की बात यह है कि इतने बड़े हादसे के बावजूद घायलों की स्थिति बेहतर है। सभी का इलाज चल रहा है। डॉक्टर के अनुसार समय पर अस्पताल आ जाने की वजह से सभी घायल सुरक्षित हैं। सबसे ज्यादा हादसे इसी सड़क पर: नामकुम स्थित रांची-टाटा रोड हादसों को लेकर हमेशा चर्चा में रहता है। इस सड़क पर आए दिन सड़क हादसे होते रहते हैं। पूर्व में सड़क का चौड़ीकरण नहीं हो पाया था, इसलिए हादसे होते थे लेकिन अब तो बेहतरीन सड़क का निर्माण कर दिया गया है। इसके बावजूद हादसों पर ब्रेक नहीं लग पाया है। केवल जनवरी 2023 महीने से लेकर अब तक इसी रोड पर 10 से ज्यादा लोग अपनी जान सड़क हादसों में गंवा चुके हैं। परिवहन और ट्रैफिक विभाग की तरफ से इस सड़क के ब्लैक स्पॉट को चिन्हित किया गया है। अगर गंभीरता से ब्लैक स्पोट्र्स को चिन्हित कर आगे की कार्रवाई की जाए तो निश्चित रूप से रांची-टाटा रोड पर हादसों का सिलसिला थमेगा।

नवोदय विद्यालय की प्रवेश परीक्षा 29 अप्रैल को होगी

रांची। जवाहर नवोदय विद्यालय की प्रवेश परीक्षा 29 अप्रैल को होगी। इसके लिए एडमिट कार्ड जारी कर दिया गया है। परीक्षा ऑफलाइन मोड में होगी। परीक्षा 2 घंटे की होगी। रिपोटिंग टाइम सुबह 10:30 बजे रखा गया है। परीक्षा दिन के 11:30 बजे से शुरू होगी, जो 1:30 तक चलेगी। झारखंड में यह परीक्षा चार भाषाओं हिंदी, इंग्लिश, उर्दू और ओड़िया में ली जाएगी। परीक्षा में कुल 80 प्रश्न पूछे जाएंगे। रिजनिंग में 40 प्रश्न पूछे जाएंगे, इसके लिए 50 नंबर मिलेगा। वहीं अंकगणित में 20 प्रश्न पूछे जाएंगे, जिसमें 25 नंबर मिलेगा। भाषा में 20 प्रश्न पूछे जाएंगे, जिसमें 25 नंबर दिये जाएंगे। सभी प्रश्न ऑब्जेक्टिव प्रकार के होंगे और प्रत्येक के लिए 1 अंक मिलेगा। कोई निगेटिव मार्किंग नहीं होगी। प्रश्न पत्र में 3 खंड में कुल 100 अंक के 80 प्रश्न होंगे। दिव्यांग छात्रों को अतिरिक्त 40 मिनट का समय दिया जाएगा।

लेजर लाइट और रॉक बैंड ने पृथ्वी को बचाने का दिया संदेश

नवीन मेल संवाददाता। रांची।
विश्व पृथ्वी दिवस के अवसर पर परिवर्तन संस्था की ओर से शनिवार को शेयर द प्लांट, सेव द प्लेनेट कार्यक्रम का आयोजन मोरहाबादी में किया गया। कार्यक्रम में लेजर लाइट शो और रॉक बैंड शो की दमदार प्रस्तुतियों के साथ पृथ्वी के बचाने का संदेश दिया गया। सैकड़ों की संख्या में युवाओं ने कार्यक्रम में शिरकत की और शो का आनंद लिया। साथ ही धरती को बचाने के लिए योगदान देने का संकल्प भी लिया। कार्यक्रम का शुभारंभ मुख्य अतिथि के रूप में सांसद डॉ महुआ माजी, उर्जा सचिव, मुनचुन राय ने किया। डॉ महुआ माजी ने युवाओं को पृथ्वी पर बढ़ रहे पर्यावरण प्रदूषण के असर के बारे में बताया। साथ ही लोगों से अधिक से अधिक पेड़ पौधे लगाने और पृथ्वी के संरक्षण में सहयोग करने की अपील की। उन्होंने कहा कि झारखंड में पहले जितने पेड़-पौधे थे वे अब

घटने लगे हैं। रांची हरियाली ही वह कारण थी, कि यहां लोगों को गर्मी में भी ठंड का एहसास कराती थी, लेकिन पर्यावरण प्रदूषण ने अब परिस्थिति बदल दी है, इसलिए हमें अब फिर से प्रकृति की ओर लौटने का संकल्प लेना चाहिए। इसके बाद शुरू हुआ लेजर शो, जिसने लोगों को मनोरंजित करने के साथ पर्यावरण संरक्षण का संदेशदिया। लखनऊ की टीम लेजर स्पेक्ट्रम के इस शो में दिखाया गया कि कैसे विकास की दौड़ में पर्यावरण और प्रकृति से लोग दूर होते चले गए और आज इसका दंश सभी को झेलना पड़ रहा है। साथ की शो के अंत में बताया गया कि अब प्लांटेशन, पानी संरक्षण और कचड़ा प्रबंध करने हम पृथवी को संरक्षित रख सते हैं। इसके बाद रांची की मिक्स फ्रूट जैम टीम ने रॉक बैंड शो पेश किया। परिवर्त्तन संस्था की श्रेया तिवारी ने बताया कि संस्था की ओर से अबतक 28000 पौधरोपण किया गया है। मौके पर डॉ पूजा सिन्हा, सुबोध सिंह, मृत्यंजय शर्मा, अमित बेहरा, नीतिश सिंह प्रदीप मिर्धा आदि मौजूद थे।

पुलिस द्वारा जब्त वाहनों में लगी आग, नहीं पहुंचा दमकल

बालू-पानी से आग पर पाया काबू

नवीन मेल संवाददाता। रांची
रविवार की सुबह रांची के रातू थाना परिसर के पास आग लगने की वजह से अफरा-तफरी मच गई। इस अगलगी में थाना के द्वारा जब्त किए गए कई वाहन जलकर स्वाहा हो गए। सबसे हैरत की बात तो यह है कि सूचना के बावजूद दमकल के वाहन मौके पर सही टाइम पर नहीं पहुंचे, जिसकी वजह से पुलिसकर्मियों को बालू फेंक फेंक कर आग बुझाना पड़ा।

क्या है पूरा मामला: राजधानी में अगलगी की वारदातों में लगातार बढ़ोतरी हो रही है, पिछले 10 दिनों के भीतर आधा दर्जन स्थानों पर अगलगी की वजह से लाखों का नुकसान हुआ है, अब ताजा मामला रांची के रातू थाना का है। रविवार की सुबह रातू थाना कैंपस के ठीक पास में रखे गए जब्त वाहनों में आग लग गई। इससे पहले कि लोग कुछ समझ पाते आग एक वाहन से लेकर दूसरे वाहन तक फैल गया। इस अगलगी में आधा दर्जन से ज्यादा जब चार पहिया वाहन जलकर स्वाहा हो गए हैं। आग कैसे लगी इन वजहों की पड़ताल की जा रही है। दरअसल थाना के बाउंड्री वॉल के पास ही कई जब्त वाहन रखे गए थे। रविवार की सुबह अचानक एक वाहन में आग लग गई। इससे पहले पुलिसकर्मी कुछ समझते दूसरे वाहनों से भी आग की लपटें उठने लगी। आग को देख पुलिसकर्मियों ने अग्निशमन विभाग की टीम को भी सूचना दी लेकिन समय पर अग्निशमन विभाग का कोई भी दमकल नहीं पहुंचा। आग को तेजी से फैलता देख पुलिसकर्मियों और स्थानीय लोगों ने मोर्चा संभाला और बालू फेंक कर और बाल्टी से पानी डाल आग पर काबू पाने की कोशिश करने लगे। इसमें पुलिसकर्मी और स्थानीय लोग सफल भी रहे और एक घंटे की कड़ी मशक्कत के बाद सभी वाहनों में लगी आग को बुझा दिया गया, लेकिन दमकल नहीं पहुंचा।ऱ्ल फ्ल्लूँबालू से आग पर काबू पाने की कोशिशजब्त वाहन हैं बड़ी समस्या: आपको याद होगा कि पिछले साल जब मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन चाईबासा के एक थाने में गए थे, तो उन्होंने वहां के एसपी से कहा था कि आपका थाना है या कबाड़खाना, सीएम के उस बयान के बाद कुछ दिनों तक पुलिस मुख्यालय से लेकर जिलों के एसपी तक से यह प्रयास शुरू किया गया कि थानों में जब्त किए गए वाहनों को नीलाम किया जाए और उन्हें थानों से हटाया जाए। लेकिन अब यह रफ्तार सुस्त पड़ गई है और थानों में जब्त वाहनों का ढेर लगा हुआ है। पिछले साल में रांची के लालपुर थाने में आग लगी थी जिसमें दर्जनों जब्त बाइक जलकर राख हो गए थे।

मन ही परमात्मा से सम्पर्क स्थापित करने का एकमात्र साधन है

रांची। मन के संकल्प की गति संसार की सभी प्रकार की षक्तियों की गति से तीव्रतर है। वह अन्तरीक्ष को भी चीर कर सूक्ष्मातिसूक्ष्म प्रदेष में भी पहुँच सकती है। मनन ही परमात्मा से सम्पर्क स्थापित करने का एकमात्र साधन है। ये बातें ब्रह्माकुमारी प्रागंण चैधरी बगान हरमू रोड में प्रवचन करते हुए ब्रह्माकुमारी निर्मला बहन ने कही। आपने कहा परमात्मा तो प्राकृतिक षक्तियों से परे और उनसे भिन्न एक आघ्यात्मिक सत्ता है जिससे संम्पर्क के लिए प्राकृतिक षक्तियों का प्रयोग सिद्धिकारी नहीं हो सकता। परमात्मा तन का नहीं, मन का मीत है। वह इन्द्रियों द्वारा ग्रहण नहीं किया जा सकता है, इसलिए इहलौकिक षक्तियों जो कि रूप, रंग, षब्द इत्यादि के माध्यम से सम्पर्क स्थापित करती है, का प्रयोग हमारे लिए प्रयोजनकारी नहीं है। उनसे हम मन द्वारा ही संबंध स्थापित कर सकते हैं। ईष्वर के स्वरूप के मनन से बहुत लाभ है। प्रभु के गुण चिन्तन के टेव पड़ जाने से मनुष्य गुण ग्राहक वृद्धि वाला हो जाता है।

झारखंड में अब बंद हो जाएंगी मोबाइल मेडिकल यूनिट सेवाएं

रांची। झारखंड के दूरस्थ क्षेत्रों में रहने वाले लोगों को सामान्य स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध कराने के लिए संचालित मोबाइल मेडिकल यूनिट बंद की जाएंगी। ऐसा एक बार में नहीं किया जाएगा, बल्कि चरणबद्ध तरीके से धीरे-धीरे अगले पांच सालों में राज्य में संचालित सभी मोबाइल मेडिकल यूनिट को हटा लिया जाएगा। लेकिन मोबाइल मेडिकल यूनिट को हटाने से पहले राज्य में संचालित सभी प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्रों एवं स्वास्थ्य उपकेंद्रों को हेल्थ एंड वेलनेस सेंटर में तब्दील किया जाएगा। हेल्थ एंड वेलनेस सेंटरों में 12 पैकेज में प्राथमिक स्वास्थ्य की व्यापक सुविधाएं उपलब्ध करायी जाएंगी। स्वास्थ्य मंत्रालय, भारत सरकार के संयुक्त सचिव विशाल चौहान ने स्वास्थ्य विभाग के अपर मुख्य सचिव अरुण कुमार सिंह को इस बाबत निर्देश भेजा है। केंद्र सरकार के पत्र के आलोक में राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन, झारखंड के अपर अभियान निदेशक विद्यानंद शर्मा पंकज ने राज्य के सभी सिविल सर्जन को अग्रेतर कार्रवाई का निर्देश दिया है। राज्य में प्रति 10 लाख की आबादी पर एक मोबाइल मेडिकल यूनिट (एमएमयू) संचालित है। प्रावधान के अनुसार एमएमयू में अन्य पारामेडिकल कर्मियों के साथ-साथ एक एमबीबीएस डॉक्टर की उपलब्धता भी जरूरी है। लेकिन राज्य में एमएमयू के लिए एमबीबीएस डॉक्टर नहीं मिल रहे हैं। इसके लेकर स्वास्थ्य विभाग की ओर से स्वास्थ्य मंत्रालय को पत्र भेजकर एमबीबीएस की जगह पर आयुष चिकित्सकों की सेवा लेने की अनुमति मांगी गई थी।

श्यामली कम्युनिटी हॉल में नील रोंगेर घोड़ा नाटक का मंचन

रांची। श्यामली कम्युनिटी हॉल में रविवार को सांस्कृतिक संस्था कृष्टि के तत्वावधान में नील रोंगेर घोड़ा नाटक का मंचन किया गया। इस नाटक को मोहित चट्टोपाध्याय ने लिखा है। इस नाटक में दशार्या गया है कि आम आदमी अपने छोटे-छोटे सपनों को पूरा करने के लिए किस तरह की जद्दोजहद में लगा रहता है। इसमें आम आदमी के जीवन संघर्ष और इससे जुड़ी घटनाओं को दिखाया गया है। नील रोंगेर घोड़ा नाटक के मुख्य पात्र सोमनाथ घुड़दौड का है। जिसे साधारण-सी नौकरी कर अपने परिवार का भरण-पोषण करने में कई मुश्किलों का सामना करना पड़ता है। इसके बाद भी वह अपनी किस्मत आजमाने में जुटा रहता है। उसके सपने में नीले रंग का घोड़ा है।

भारतीय मजदूर संघ का 26 अप्रैल को विशाल प्रदर्शन

झारखंड में मजदूरों को सामाजिक सुरक्षा मुहैया कराने की हुई मांग

नवीन मेल संवाददाता। रांची।
राज्य में मजदूरों की समस्या और परेशानी को देखते हुए भारतीय मजदूर संघ की तरफ से राजभवन के सामने 26 अप्रैल 2023 को विशाल धरना प्रदर्शन किया जाएगा। इसे लेकर रविवार को भारतीय मजदूर संघ के प्रदेश अध्यक्ष सत्य नारायण सिंह ने बताया कि पटना में हुए 20वें राष्ट्रीय अधिवेशन में यह तय किया गया है कि झारखंड और बिहार में मजदूरों को सामाजिक सुरक्षा मुहैया कराने के लिए 26 अप्रैल को भारतीय मजदूर संघ की सभी जिले के इकाई के द्वारा देशभर के सभी उपायुक्तों को ज्ञापन सौंपा जाएगा। रांची के नामकुम में फिर हादसा, ट्रेलर-407 ट्रक की टक्कर में तीन घायलउपायुक्त को सौंपे गए ज्ञापन के माध्यम से देश के प्रधानमंत्री से यह मांग की जाएगी कि मजदूरों को सामाजिक सुरक्षा देने के साथ-साथ ठेका प्रथा के आधुनिकीकरण पर रोक लगाई जाए और अधिनियम 1970 में संशोधन किया जाए।राष्ट्रीय श्रम नीति बनाने की मांग: इसके अलावा मजदूरों को मजबूत और आर्थिक सशक्त बनाने के लिए राष्ट्रीय श्रम नीति बनायी जाए। मजदूर संघ ने यह भी मांग की है कि न्यूनतम मजदूरी की जगह पर जीविका मजदूरी तय की जाए।

पृष्ठ एक का शेष

तीन पीएलएफआई उग्रवादी...
के साथ कोलेबिरा के बिजली ग्रिड साईड, इटकी में रोड निर्माण कार्य में आगजनी की घटना को अंजाम देने के साथ खूटी में एक लडकी की 2019 में की गई हत्या में अपनी संलिप्ता स्वीकार की है। गिरफतार अभियुक्तों के पास से पीएलएफआई का पर्चा अलग अलग कंपनियों के मोबाईल सीम कार्ड, मोबाईल फोन एवं फर्जी आधारकार्ड की छाया प्रति एवं दो स्कूटी अभियुक्तों के पास से बरामद कर जप्त किया गया इस काण्ड के उदभेदन में खूँटी पुलिस द्वारा सहयोग प्राप्त हुआ गिरफ्तार उग्रवादियों में नितीश गोप, उर्फ विकास टाईगर ,नीरज गोप एवं सतीश उरांव शामिल है। प्रेस कॉन्फ्रेंस में मुख्य रूप से अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी डेविड ए ढोढराय, पुलिस अंचल निरीक्षक रामानुज वर्मा कोलेबिरा थाना प्रभारी प्रभात कुमार सब इंस्पेक्टर राजेश कुमार उपस्थित थे।

सत्ता संरक्षण में जमीन कब्जे का...
भ्रष्ट अफसर की प्रेम से खोज हुई। कोडरमा में सरकारी गाछ तक कटवा कर बेच खाने के मामले में हाईकोर्ट से जमानत प्राप्त चार्जशीटेड आईएएस छवि रंजन को इस काम के लिये सही आदमी समझ कर लाया गया। तुम मन माफि क धंधा चलाओ-बदले में गाछ काटने के केस से बचाने में मदद लो कि इस तर्ज. पर जमीन लूट योजना का नियंत्रण ओर डायरेक्शन सत्ता के मशहूर उस दलाल ने संभाला, जो अभी जेल में बंद है। पहला शिकार मेडिका अस्पताल के बगल वाली जमीन को बनाया गया। भारी संख्या में पुलिस के बल पर जमीन कब्जा करवाया गया। बाबूलाल ने कहा कि मुझे यह भी बताया जा रहा है कि इस गोरखधंधे को अंजाम देने के लिये दो सीनियर अफसरों ने तो उस दिन छुट्टी लेकर जमीन कब्जाने का नियंत्रण किया ताकि हंगामा हो, लोग पूछताछ करे तो बता सकें कि वे तो छुट्टी पर हैं, कुछ पता ही नहीं है। इस जमीन कब्जाने की योजना की सफलता से इन बेईमानों का मनोबल इतना बढ़ गया कि इन लोगों ने कागजातों में हेराफेरी कर जमीन कब्जाने के धंधे को मोटी कमाई का जरिया ही बना लिया।

जमीन कब्जाने के लिए पुलिस ने किया आतंक का राज कायम : बाबूलाल का आरोप है कि रात में पुलिस लाईन से बसों में ठूंस कर ले जाये गये फोर्स के साथ जमीन कब्जाने में आतंक का राज कायम कर दिया। बजरा की जमीन भी इनके निशाने पर रहा। 75 सालों की लगान रसीद एक दिन में काटकर भारी संख्या में पुलिस के दम पर दिन-रात जमीन कब्जा कराने का ऐसा काम हुआ जिसकी दूसरी मिसाल नहीं मिल सकती। हाईकोर्ट ने ज़िला प्रशासन के अंधा कानून की इस कारवाई को अभी रद्द कर दिया है। जमीन के विवाद में जांच या कब्जा के लिये रात में पुलिस को भेजने का नियम नहीं है।

पलामू छोड़ तो नहीं तो परिवार का...
समाप्त कर दी थी, पर इस तरह की घटना ने गैंग को फिर से सोचने पर विवश कर दिया। दीपक सिंह ने आगे लिखा है कि पलामू पुलिस से मेरा आग्रह है कि इस घटना में शामिल हर अपराधी पर एक्शन करे। मैं प्रदीप तिवारी के परिवार के लोगों को अगले एक महीना का समय देता हूं कि पलामू छोड़ दो वरना पलामू के नक्शे से उन्हें प्रदीप तिवारी और उससे जुड़े हरेक आदमी का इतिहास मिटा दूँगा। इसके साथ ही प्रदीप तिवारी को फंडिंग कर रहे पलामू में जमीन कारोबार कर रहे उसके बड़े भाई के साथ किसी भी तरह की जमीन खरीद या बिक्री कर रहे जमीन मालिकों को भी चेतावनी है कि उनके साथ आज की तारीख से किसी प्रकार का कोई लेन-देन ना करें। गौरतलब है कि 21 अप्रैल की सुबह मेदनीनगर सदर थाना क्षेत्र के बजरहा में रेलवे ट्रैक से टनटन उपाध्याय का शव बरामद किया गया था। उसका धड़ रेलवे लाइन पर पड़ा हुआ था, जबकि सिर पटरी से नीचे लुढ़का हुआ था।

10 करोड़ लोग...
अंकित होगा। सरकार द्वारा जारी अधिसूचना में कहा गया है, 'मन की बात' की 100वीं कड़ी के अवसर पर केंद्रीय प्राधिकार के अधीन जारी करने के लिए टकसाल में केवल एक सौ रुपये मूल्य वर्ग का सिक्का ढाला जाएगा। सिक्के की गोलाई 44 मिलीमीटर की होगी जो चार धातुओं- रजत, तांबा, निकिल और जस्ता का मिश्रण होगा। सिक्के के अग्र भाग के मध्य में अशोक स्तम्भ का सिंह होगा जिसके नीचे सत्यमेव जयते लिखा होगा। इसके अलावा किनारे भारत और अंग्रेजी में इंडिया लिखा होगा। शीर्ष के नीचे चिन्ह होगा तथा 100 अंकित होगा। वहीं पृष्ठ भाग (सिक्के के दूसरी तरफ) मन की बात की 100वीं कड़ी का प्रतीक चिह्न होगा। जिसमें ध्वनि तरंगों के साथ माइक्रोफोन की फोटो होगी। माइक्रोफोन के चित्र पर '2023' अंकित होगा। माइक्रोफोन के चित्र के ऊपर और नीचे में हिंदी में क्रमशः 'मन की बात 100' और अंग्रेजी में 'मन की बात 100' लिखा होगा।वहीं सिक्के का कुल वजन 35 ग्राम होगा। कर्नाटक व उ.प्र. में तो चुनाव है, बिहार में चुनाव नहीं है, फिर भी वहां भी चुनावी तैयारी वाला ही तामझाम किया जा रहा है। इस बारे में बिहार के भाजपा अध्यक्ष सम्राट चौधरी का कहना है कि राज्य के प्रत्येक विधानसभा क्षेत्र में चिन्हित 100 केंद्रों पर एलईडी टीवी के साथ ही स्पीकर आदि के इंतजाम किए गए हैं। ताकि इन केंद्रों पर आने वाले पार्टी कार्यकर्ता प्रधानमंत्री मोदी को लाइव देख और सुन सकें। कार्यक्रम की सफलता के लिए सभी जिला प्रभारियों और विधानसभा क्षेत्र प्रभारियों को जिम्मेदारी दी गई है। भाजपा नेताओं का कहना है कि 30 अप्रैल को मोदी के 'मन की बात' कार्यक्रम के 100वें एपिसोड को लोगों को सुनाने की जो विशेष तैयारी हो रही है, उसमें देश के 100000 (एक लाख) से भी ज्यादा बूथों पर व तीन लाख गांवों में इसका प्रसारण सुनाने की योजना बनाई गई है, ताकि पीएम मोदी की मन की बात घर-घर पहुंचाया जा सके।

कैसे होगा आदिवासी-मूलवासी का...
माइक बंद कर देते हैं लेकिन बाहर मुझे बोलने से कैसे रोकेंगे। मैं झारखंड के लोगों को रास्ता दिखाऊंगा कि किधर जाना है। गवर्नर को अवगत कराएंगे कि किस तरह से हमारी जमीन लूटी जा रहा है। गवर्नर राज्य के मालिक हैं, उनसे जमीन लूट की बात बताएंगे। माटी मांगे खून डरना नहीं है जमीन के लिए। जब- जब छात्र बोला है राज सिंहासन डोला है। सिर्फ स्टूडेंट के लिए आउटसोर्सिंग नियुक्ति क्यों। मुख्यमंत्री और मंत्री भी आउटसोर्सिंग पर निर्भर हो गए हैं।

सम्मानित | **50 हजार 'रानी मिस्त्रियों' ने पुरुषों के वर्चस्व वाले पेशे में गाड़ा झंडा**

भारत सरकार ने कामकाजी महिलाओं को दी सहायता

नवीन मेल संवाददाता। रांची
उसके हाथ जब दीवारों की चिनाई करते हैं तो उसके काम की रफ्तार देखकर लोग दंग रह जाते हैं। जितनी देर में राजमिस्त्री एक दीवार की चिनाई करते हैं उतनी देर में वह दो दीवारों की चिनाई कर चुकी होती है। नाम है सुनीता देवी। झारखंड के लातेहार जिले के उदयपुरा गांव की रहने वाली और अपने इलाके की मशहूर 'रानी मिस्त्री'। वह वर्ष 2019 में भारत के राष्ट्रपति के हाथों भारत सरकार की ओर से कामकाजी महिलाओं को प्रदान किए जाने वाले सर्वोच्च सम्मान नारी शक्ति पुरस्कार से नवाजी जा चुकी हैं। दरअसल ईंट-कंक्रीट जोड़ने और प्लास्टर तक के काम में आम तौर पर पुरुषों का वर्चस्व रहा है। उन्हें राज मिस्त्री के नाम से जाना जाता है। लेकिन झारखंड में ऐसी महिलाओं की तादाद करीब 50 हजार है, जिन्होंने राजमिस्त्री के पेशे में खुद को न केवल स्थापित किया है, बल्कि अपनी कार्यकुशलता से हर किसी को चमत्कृत भी किया है। इन्हें रानी मिस्त्री के नाम से जाना जाता है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी तक भी इनकी सफलता की कहानियां पहुंची हैं और वह वीडियो कांफ्रेंसिंग के जरिए खूंटी जिले की कुछ रानी मिस्त्रियों से बात कर उनका हौसला बढ़ा चुके हैं। सुनीता बताती हैं कि चार साल पहले उनके गांव उदयपुरा में कार्यरत स्वयं सहायता समूह को स्वच्छ भारत मिशन के तहत एक सौ शौचालय निर्माण कराने का काम सौंपा गया था परंतु राज मिस्त्री के नहीं मिलने या इस छोटे कामों से उनके इनकार करने के कारण उसने खुद औजार संभाल लिया। जिला प्रशासन की ओर से उन्हें मामूली प्रशिक्षण दिया गया और फिर खुद मिस्त्री बन गई। इसके बाद हम 20-25 महिलाओं ने शौचालय का निर्माण कर दिया। इसके बाद तो फिर इसमें पैसे की कमाई भी होने लगी और आनंद भी आने लगा। इन रानी मिस्त्रियों पर वर्ल्ड बैंक ने हाल में एक रिपोर्ट प्रकाशित की है। रिपोर्ट में हजारीबाग की एक महिला उर्मिला देवी का जिक्र करते हुए बताया है कि उन्होंने अब तक 1,000 से अधिक शौचालयों का निर्माण किया है। उर्मिला शौचालय निर्माण के काम के लिए बिहार के चंपारण तक जाकर मिस्त्री का काम कर आई हैं। उनके साथ काम कर रही पूनम देवी ने भी पिछले एक साल में 900 शौचालयों के निर्माण में मिस्त्री का काम किया है। हजारीबाग की ही एक रानी मिस्त्री निशात जहां कहती हैं कि महिलाएं पुरुषों से किसी तरह कमतर नहीं हैं। जो पुरुष कर सकते हैं वो महिलाएं भी कर सकती हैं और कई बार तो पुरुषों से बेहतर कर सकती हैं। रेजा-मजदूर के रूप में महिलाएं पहले भी निर्माण कार्य में लंबे समय से काम करती आयी हैं।

अर्शदीप न केवल विकेट पर गेंदबाजी कर रहे थे बल्कि उन्हें तोड़े भी : पार्थिव

एजेंसी। मुम्बई

पूर्व भारतीय क्रिकेटर पार्थिव पटेल पंजाब किंग्स के तेज गेंदबाज अर्शदीप सिंह के आईपीएल मुकाबले में मुम्बई इंडियंस के खिलाफ प्रदर्शन से काफी संतुष्ट नजर आये। उन्होंने कहा कि बाएं हाथ के तेज गेंदबाज वानखेड़े स्टेडियम में न केवल विकेट पर गेंदबाजी कर रहे थे बल्कि सटीक यॉर्कर से उन्हें तोड़ भी रहे थे।

पंजाब ने यह मुकाबला 13 रन से जीता। 215 के लक्ष्य का पीछा करते हुए मुम्बई की टीम छह विकेट पर 201 रन ही बना सकी। अर्शदीप ने पारी का आखिरी ओवर बेहतरीन अंदाज में डाला जिसमें उन्होंने दो रन ही दिए और दो विकेट भी झटके।

मुम्बई को आखिरी ओवर में 16 रन की जरूरत थी और अर्शदीप ने तीसरी गेंद पर मिडल स्टंप तोड़ डाला जब तिलक वर्मा स्ट्राइक पर थे। यह कोई तुक्का नहीं था। अगली गेंद पर उन्होंने मिडल स्टंप फिर तोड़ डाला और इस बार नेहाल वढेरा

स्ट्राइक पर थे। वह चार ओवर में 29 रन पर चार विकेट लेकर पंजाब के सर्वश्रेष्ठ गेंदबाज रहे।

जियोसिनेमा विशेषज्ञ पार्थिव पटेल ने कहा, आखिरी में निष्पादन सबसे महत्वपूर्ण है। उन्होंने शुरूआत में ईशान किशन का विकेट लिया। मैच उस समय बदला जब उन्होंने सूर्यकुमार यादव को आउट किया। वह केवल विकेट पर गेंदबाजी नहीं कर रहे थे बल्कि उन्हें तोड़ भी रहे थे। उनकी यॉर्कर सटीक थीं। हमने दो विकेट टूटते देखे और वानखेड़े में मौजूद सभी अतिरिक्त स्टंप मंगा लिए गए।

उन्होंने कहा, अर्शदीप ने पंजाब के लिए मैच जीता क्योंकि उस समय काफी रन जा रहे थे। दबाव में गेंदबाजी करना और उनकी यॉर्कर को देखना, वह अपने कौशल पर भरोसा कर रहे थे और उसे सही तरीके से अंजाम पर पहुंचा रहे थे।

आखिरी मोड़ पर हारा मुंबई, कोच बोले- हमने गेंदबाजी की वजह से मैच गंवाया

मुंबई इंडियंस के मुख्य कोच मार्क बाउचर ने पंजाब किंग्स के हाथों मिली हार के लिये अपने गेंदबाजों को दोषी ठहराया जिन्होंने पांच ओवर में 96 रन देकर पंजाब को आठ विकेट पर 214 रन बनाने दिये। जवाब में मुंबई की टीम 13 रन पीछे रह गई। कैमरन ग्रीन ने 43 गेंद में 67, सूर्यकुमार यादव ने 26 गेंद में 57 और कप्तान रोहित शर्मा ने 27 गेंद में 44 रन बनाये। बाउचर ने मैच के बाद कहाए मुझे लगता है कि मुकाबला बराबरी का था। सूर्यकुमार का विकेट बड़ा था और गेंद जरा ऊंची जाती तो यह छक्का होता। उसने अच्छा प्रदर्शन किया लेकिन पंजाब को

बड़ा स्कोर बनाने दिया जो निराशाजनक है। हमने गेंदबाजी की वजह से मैच गंवाया।" उन्होंने कहा, सूर्य का फॉर्म में लौटना अच्छा है। उसको बल्लेबाजी करते देखना रोमांचक है। वह नेट पर अच्छा खेल रहा था और अब रन भी बन रहे हैं।" बाउचर ने कहा हमने 15वें ओवर में मैच पर नियंत्रण रखा था लेकिन फिर आखिरी पांच ओवरों में 96 रन दे डाले । यह निराशाजनक है।" उन्होंने अर्जुन तेंदुलकर का बचाव किया जिसने 15वें ओवर में 31 रन दिये। उसने तीन ओवर में 48 रन दे डाले। कोच ने कहा, रोहित काफी अनुभवी क्रिकेटर है और उसे लगा कि अर्जुन 14वां या 15वां ओवर डाल सकता है। कई बार फैसले आपके पक्ष में जाते हैं और कई बार नहीं। टी20 क्रिकेट में ऐसा ही होता है।"

हम चीजों को लेकर चिंता नहीं कर सकते : रोहित शर्मा

मुंबई। पंजाब किंग्स के हाथों 13 रन की हार के बाद मुम्बई इंडियंस के कप्तान रोहित शर्मा ने कहा है कि आईपीएल में अभी काफी समय बचा है और वे निराश होकर चीजों के बारे में चिंता नहीं कर सकते। कार्यवाहक कप्तान सैम करन की 29 गेंदों पर 55 रन, हरप्रीत सिंह की 28 गेंदों पर 41 रन और जितेश शर्मा की सात गेंदों पर 25 रन की तूफानी पारियों की बदौलत पंजाब ने 20 ओवर में 214/8 रन का मजबूत स्कोर बना लिया। रोहित ने स्वीकार किया कि घर पर हारना निराशाजनक है लेकिन साथ ही कहा कि टीम मौजूदा सत्र में सही दिशा में है। मुंबई इंडियंस तीन जीत और तीन हार के साथ तालिका में सातवें स्थान पर हैं। मुम्बई के कप्तान ने मैच के बाद प्रेजेंटेशन में कहा, डैथ गेंदबाजी में हमें निराशा मिली है। हमने फील्ड में कुछ गलतियां कीं जो हो सकती हैं। हम इसमें ज्यादा नहीं जाने वाले। रोहित ने कहा, हमें अपना सिर ऊंचा रखना होगा। हमने तीन मैच जीते हैं और तीन हारे हैं। यह फिफ्टी-फिफ्टी का मामला है। टूर्नामेंट में अभी काफी समय बचा है। हम निराश होकर चीजों के बारे में चिंता नहीं कर सकते। हां, यह सही है कि हम अपने चरम पर नहीं थे। हमने कुछ गलतियां कीं और हमें इन्हें देखना होगा। उन्होंने सूर्यकुमार और ग्रीन के प्रदर्शन की सराहना की और कहा, मैं बहुत खुश हूं जिस तरह इन दोनों ने बल्लेबाजी की और हमें खेल के अंत तक बनाये रखा। लेकिन श्रेय अर्शदीप को, जिस तरह उन्होंने आखिरी दो ओवरों में गेंदबाजी की। मुम्बई का अगला मुकाबला चौथे स्थान की टीम गुजरात टाइटंस से अहमदाबाद में मंगलवार को होगा।

आखिरी ओवर में राजस्थान नहीं पलट सका बाजी

बैंगलोर ने 7 रनों से जीता मैच

एजेंसी। बेंगलुरु

रविवार को इंडियन प्रीमियर लीग के 32वें मुकाबले में रॉयल चैलेंजर्स बैंगलोर ने राजस्थान रॉयल्स को रोमांचक मैच में 7 रनों से मात दी। इस मैच में बैंगलोर ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 190 रनों का लक्ष्य रखा था, जिसके जवाब में राजस्थान 20 ओवर में 6 विकेट के नुकसान पर 182 रन ही बना पाई। राजस्थान को आखिरी ओवर में जीत के लिए 20 रनों की जरूरत थी, लेकिन राजस्थान के बल्लेबाज इस ओवर में मात्र 12 रन ही जोड़ पाए। लक्ष्य का पीछा करते हुए राजस्थान की ओर से यशस्वी जायसवाल ने 47 रनों की पारी खेली। इसके अलावा देवदत्त पाडिकल ने भी 52 रनों की पारी खेली, अंत में ध्रुव जुरेल ने भी 32 रनों का योगदान दिया, लेकिन राजस्थान के अन्य बल्लेबाज कुछ खास नहीं कर पाए, जिसके कारण टीम को हार का सामना करना पड़ा। इससे पहले बैंगलोर ने 20 ओवर में 9 विकेट के नुकसान पर 189 रन बनाए थे। ट्रेंट बोल्ड की पहले ओवर की पहली गेंद पर कप्तान विराट कोहली गोल्डन डक का शिकार बने जबकि बोल्ट की तीसरे ओवर की दूसरी गेंद पर शाहबाज अहमद मात्र 2 रन बनाकर यशस्वी को कैच थमाकर पवेलियन लौट गए। तीसरे विकेट के लिए फॉफ डुप्लेसिस और ग्लेन मैक्सवेल के बीच 127 रन की साझेदारी हुई जो 14वें ओवर की दूसरी गेंद पर डुप्लेसिस के यशस्वी जायसवाल के हाथों रन आउट के साथ समाप्त हुई। डुप्लेसिस 39 गेंदों पर 8 चौकों और 2 छक्कों की मदद से 62 रन बनाकर पवेलियन लौटे। वहीं अश्विन की 15वें ओवर की अंतिम गेंद पर मैक्सवेल होल्डर के हाथों कैच आउट हुए। मैक्सवेल ने 44 गेंदों पर 6 चौकों और 4 छक्कों की मदद से 77 रन बनाए। 17वें ओवर में आरसीबी को दो झटके लगे, पहले 17वें ओवर की तीसरी गेंद पर चहल ने महिपाल लोमरोर (8) को पडिकल के हाथों कैच आउट करवाया जबकि इसी ओवर की पांचवीं गेंद पर गलत कॉल की वजह से सुयश प्रभुदेसाई (0) सैमसन और जायसवाल के हाथों रन आउट हो गए।

टोरिनो ने सेरी ए में लाजियो की जीत का सिलसिला तोड़ा

एजेंसी। रोम

सेरी ए टूर्नामेंट में लाजियो की जीत का सिलसिला उस समय टूट गया जब शनिवार रात वह घरेलू मैदान पर टोरिनो से 1-0 से हार गई। सिन्हुआ की एक रिपोर्ट में कहा गया है कि लाजियो ने शनिवार के खेल से पहले चार मैच लगातार जीता था, लेकिन उनके सनसनीखेज फॉर्म को इवान इलिक ने तोड़ दिया। इवान इलिक ने 43वें मिनट में गोल कर टोरिनो को 1-0 से जीत दिलाई। लाजियो 61 अंकों के साथ दूसरे स्थान पर है, लेकिन रविवार को जुवेंटस अगर नेपोली को हरा देता है तो लाजियो तीसरे स्थान पर आ सकता है। इसके अलावा शनिवार को, सलेर्निटाना ने सासुओलो को 3-0 से हरा दिया और सम्पदोरिया ने स्पेजिया के साथ 1-1 से मैच साझा किया।

दिल्ली और हैदराबाद दोनों की नजरें अपने बल्लेबाजों पर

हैदराबाद। लगातार पांच हार का सिलसिला पिछले मैच में तोड़ने के बाद दिल्ली कैपिटल्स आईपीएल में सोमवार को सनराइजर्स हैदराबाद के खिलाफ उतरेगी तो उसका इरादा जीत के सिलसिले को आगे बढाने का होगा। दिल्ली कैपिटल्स का प्रदर्शन इस सत्र में अच्छा नहीं रहा है और उसे हर विभाग में निराशा हाथ लगी है। इसी वजह से उसे पहले पांच मैचों में पराजय झेलनी पड़ी। डेविड वॉर्नर और उनकी टीम ने आखिरकार बृहस्पतिवार को दिल्ली में कोलकाता नाइट राइडर्स को चार विकेट से हराकर पहले अंक हासिल किए। उसके गेंदबाजों ने शानदार प्रदर्शन करके केकेआर को 127 रन पर रोका हालांकि बल्लेबाजों में वॉर्नर और अक्षर पटेल को छोड़कर कोई नहीं चल सका। पृथ्वी शॉ और मिशेल मार्श का खराब फॉर्म टीम की समस्या बना हुआ है। शॉ ने पिछले छह मैचों में 12, 7, 0, 15, 0, 13 रन बनाए। ऑस्ट्रेलिया के हरफनमौला मार्श चार मैचों में दो बार खाता भी नहीं खोल सके। वहीं गेंदबाजी में भी उनका प्रदर्शन निराशाजनक रहा जिसकी वजह से रोवमैन पॉवेल या रिली रोसोयू को उतारा जा सकता है। युवा बल्लेबाजों के नाकाम रहने की वजह से मनीष पांडे पर जिम्मेदारी बढ़ गई है।

ला लिगा : मैड्रिड ने सेल्टा विगो को हराकर बार्सिलोना पर दबाव बनाया

एजेंसी। बासीलीना

रीयाल मैड्रिड ने सेल्टा विगो को 2 . 0 से हराकर स्पेनिश लीग फुटबॉल में शीर्ष पर काबिज बार्सिलोना पर दबाव बना दिया। मार्को असेंसियो ने हाफटाइम से तीन मिनट पहले गोल करके बढत बनाई। इसके बाद सेंटर बैक एडेर मिलिताओ ने 48वें मिनट में दूसरा गोल किया। इस जीत के बाद मैड्रिड और बार्सिलोना के बीच सिर्फ आठ अंक का अंतर रह गया है। बार्सिलोना को रविवार को तीसरे स्थान पर काबिज एटलेटिको मैड्रिड से खेलना है। बार्सिलोना को पिछले दो मैचों में ड्रॉ से संतोष करना पड़ा जिससे मैड्रिड ने उसकी बढत का अंतर कम कर दिया। अन्य मैचों में रीयाल सोशिदाद ने रायो वालेकानो को 2 . 1 से हराकर चौथे स्थान पर अपनी स्थिति मजबूत कर ली। पांचवें स्थान पर काबिज रीयाल बेटिस को ओसासुना ने 3 . 2 से मात दी। एथलेटिक बिलबाओ ने अल्मेरिया को 2 . 1 से हराया जबकि वाल्लाडोलिड ने गिरोना को 1 . 0 से मात दी।

50 के सचिन | **तेंदुलकर के बाउंसर से नाक में हो गए थे कई फ्रैक्चर**

बंटू सिंह ने सुनाया 32 साल पुराना किस्सा

एजेंसी। नई दिल्ली

सचिन तेंदुलकर ने अपनी जबरदस्त बल्लेबाजी से कई गेंदबाजों को डराया लेकिन 1991 में दिल्ली और मुंबई के बीच खेले गए रणजी मैच में 'मास्टर ब्लास्टर' की गेंद पर बंटू सिंह के नाक में कई फ्रैक्चर हो गए और खून बहने लगा। बंटू 1980 और 90 के दशक में दिल्ली की बल्लेबाजी के स्तंभ थे। उन्होंने तेंदुलकर के 50वें जन्मदिन से एक दिन पहले 32 साल पहले के वाक्यें को याद दिया। यह घटना 20 अप्रैल 1991 को घटी थी। उन्होंने कहा, 'मेरे नाक का नक्शा बदल गया, तेंदुलकर के उस बाउंसर के बाद अब मेरे पास एक नया नाक है।' उस दौर में मुंबई और दिल्ली की प्रतिद्वंद्विता चरम पर थी और दोनों टीमों के बीच कांटे का मुकाबला होता था। बंटू ने बताया, हमने कोटला में एक घसियाली पिच तैयार करने की कोशिश की थी, जिस पर गेंद को उछाल मिलता लेकिन बाद में यह बल्लेबाजों के लिए स्वर्ग बन गया। हमारे तेज गेंदबाज संजीव (शर्मा) और अतुल (वासन) ने अपना आखिरी सत्र खेल रहे दिलीप भाई (वेंगसरकर) को कुछ बाउंसर फेंके थे।' उन्होंने कहा, मुझे याद है कि कम से कम दो मौकों पर, अतुल के बाउंसरों ने दिलीप भाई के सीने पर लगा था और छींटाकशी शुरू हो गई थी। दिल्ली की टीम क्वार्टर फाइनल में एक रन से हार गई क्योंकि उन्होंने पहली पारी में मुंबई के 390 रन के जवाब में 389 रन बनाए थे। दूसरी पारी में मुंबई ने संजय मांजरेकर, तेंदुलकर और चंद्रकांत पंडित के शतकों की मदद से 719 रन बनाकर मैच अपने नाम कर लिया। उन्होंने कहा, मुझे यह चोट दूसरी पारी में लगी थी। पहली पारी में मैंने शतक बनाया था और महज औपचारिकता वाली दूसरी पारी में मैंने तेंदुलकर के खिलाफ चौका जड़ा लेकिन उनकी अगली गेंद घास पर टप्पा खाकर उछाल लेती हुए तेजी से मेरी ओर आई, मैने पुल शॉट खेला और गेंद बल्ले का किनारा लेते हुए नाक पर जा लगी। यह चोट इतना गंभीर था कि मैंने अपना संतुलन खो दिया, मांजरेकर स्लिप से दौड़कर मेरे पास पहुंचे और मुझे गिरने से बचाया। मेरा और मांजरेकर दोनों का शार्ट खून से लाल हो गया था।' बंटू को कोटला के ठीक पीछे संजीवन अस्पताल ले जाया गया और पता चला कि उसकी नाक में कई फ्रैक्चर हैं, जिसके लिए सर्जरी की जरूरत है। उन्हें कम से कम दो महीने तक तरल आहार पर रहना पड़ा। बंटू ने हालांकि तेंदुलकर की इंसानियत को याद किया। उन्होंने कहा, मुंबई की टीम मैच समाप्त होने के बाद उसी शाम को चली गई थी। रात के लगभग 11 बजे थे कि हमारे लैंडलाइन फोन की घंटी बजी और मेरे पिताजी ने उठाया। दूसरी तरफ तेंदुलकर थे। पता नहीं उन्होंने मेरा फोन नंबर कैसे ढूंढा। उन्होंने मेरे पिताजी से पूछा, बंटू कैसे है? डॉक्टर क्या कह रहे हैं? बंटू ने बताया, बाद में, जब भी हम मिलते थे, वह पूछते थे, नाक ठीक है न तेरा।